

# **Daily** सच के हक में... THE PHONINEW

Kareena Kapoor On Saif Ali Khan's

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi 

: 83,409.69 : 25,453.40

9,245 चांदी 120.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम) **BRIEF NEWS** कोसी नदी बांध पर बना लूप टूटा, कई गांवों के

खेतों में घुसा पानी SAHARSA: जिले के महिषी प्रखंड क्षेत्र के कुंदह और बडवाही गांव के बीच कोसी नदी बांध पर बना लूप नदी के कटाव से 80 से 90 मीटर की लंबाई में टट गया है। बधवार की दोपहर लूप के टूटने से आसपास के कई गांव की खेतों में पानी भर गया है, जिससे जहां कई गांव में बाढ़ की समस्या उत्पन्न होने की संभावना बन गई है। साथ ही खेतों में लगी मंग और धान की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है। लूप के टूटने की सूचना के बाद आसपास के कई गांव के सैकड़ो लोग मौके पर पहुंचे और ट्रैक्टर मंगवाई गई, जिसके बाद जन सहयोग से ट्रैक्टर से मिट्टी लाकर लूप को बांधने का प्रयास किया गया।

### बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना को छह महीने जेल की सजा

DHAKA: बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को अदालत की अवमानना के मामले में बुधवार को अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने छह महीने की जेल की सजा सुनाई। स्थानीय मीडिया ने यह खबर दी। ह्यढाका ट्रिब्यनह्न अखबार ने कहा कि न्यायाधीश मोहम्मद गुलाम मुर्तजा मजमदार की अध्यक्षता में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 की तीन सदस्यीय पीठ ने यह फैसला जारी किया। इसी फैसले में न्यायाधिकरण ने गैबांधा में गोबिंदगंज के शकील अकंद बुलबुल को दो महीने जेल की सजा सनाई। प्रधानमंत्री पद से हटने और 11 महीने पहले देश छोड़ने के बाद पहली बार अवामी लीग की नेता को किसी मामले में सजा सुनाई गई है।

### टाटा स्टील की युरोप में डस्पात विनिर्माण योजना सही राह पर : चंद्रशेखरन

NEW DELHI: टाटा स्टील के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने बधवार को कहा कि उन्हें भरोसा है कि वह ब्रिटेन और नीदरलैंड में हरित इस्पात विनिर्माण की दिशा में बदलाव को तय समय में पुरा कर लेंगे। उन्होंने कंपनी की 118वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए यह बात कही। चंद्रशेखरन ने कहा, हमें परा भरोसा है कि अगले कुछ वर्षों में ब्रिटेन और नीदरलैंड में हरित इस्पात विनिर्माण का कार्य हमारी योजनाओं के अनुसार होगा।

### अमरनाथ यात्रियों के पहले जत्थे का घाटी पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत

बुधवार को कश्मीर के कई स्थानों पर अमरनाथ यात्रा के तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे के घाटी पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस जत्थे में 5892 यात्री हैं, जिन्हें उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सुबह जम्मू के भगवती नगर में यात्रा आधार शिविर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया अधिकारियों ने तीर्थयात्रियों के काफिले का कलगाम, अनंतनाग और श्रीनगर जिलों में प्रशासन और स्थानीय लोगों ने जोरदार स्वागत किया। तीर्थयात्री दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के काजीगुंड इलाके में नवयुग सुरंग के जरिए घाटी पहुंचे, जहां उनका स्वागत दक्षिण कश्मीर रेंज के

पुलिस उप महानिरीक्षक और



- ५८९२ यात्रियों को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भगवती नगर के शिविर से किया रवाना
- आज सभी यात्री 3880 मीटर ऊंचे गुफा मंदिर के लिए होंगे रवाना

कुलगाम के उपायुक्त ने किया। भाजपा नेता रवींद्र रैना ने यात्रियों का माला, फलों के गलदस्ते, मिठाइयां और फलों की पंखडियों से स्वागत किया। यह काफिले अलग-अलग बालटाल और पहलगाम बेस कैंप के लिए रवाना हुए, जहां से वह गुरुवार सुबह 3880 मीटर ऊंचे गुफा मंदिर के लिए रवाना होंगे।

सौगात

केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी करेंगे उद्घाटन

# आज से चालू हो जाएगा रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर

गुरुवार को रांची वासियों को बड़ी सौगात मिलने वाली है। केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन को लेकर तैयारियां जोरों-शोरों से चल रही है। मंत्री रांची के साथ ही गढ़वा में भी एनएचएआई की योजनाओं का उद्घाटन करेंगे। जानकारी के अनुसार, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी कल सुबह 10.40 बजे दिल्ली से रांची आएंगे। इसके बाद गढ़वा के हुर गांव जाएंगे। वहां दिन के 12 बजे मंत्री रेहला मोटरसाइकिल जुलूस के साथ मंत्री ओटीसी ग्राउंड पहुंचेंगे, सभा को भी करेंगे संबोधित

पहले गढ़वा में रेहला फोर लेन सड़क का करेंगे उद्घाटन



बैठक में ट्रांसपोर्ट के मुद्दे पर भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे। शाम ६:45 बजे एयरपोर्ट जाएंगे और फिर वहां से वापस दिल्ली चले जाएंगे। जुलूस के साथ मंत्री ओटीसी

एनएच परियोजनाओं की रखेंगे

गडकरी झारखंड के लिए एनएच परियोजनाओं की

कई अधिकारी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान

आधारशिला भी रखेंगे। इस मौके पर एनएचएआई के

गडकरी फ्लाईओवर का भी जायजा लेंगे। इसके बाद

होटल रेडिशन ब्लू जाएंगे। वहां पर अधिकारियों के

साथ एनएच की परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे।

आधारशिला

में भाग लेने के बाद वह गडकरी सबसे पहले बिरसा चौक हेलीकॉप्टर से दिन के 2:15 बजे स्थित भगवान बिरसा मुंडा की रांची लौटेंगे। रांची में नितिन प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। यहां

से रातू रोड पहुंचेंगे और करीब 3 बजे एलिवेटेड कॉरिडोर का ग्राउंड पहुंचेंगे और सभा को

वाशिंगटन डीसी में क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद संयुक्त बयान जारी

फोर लेन सड़क का उदघाटन

# पहलगाम हमले के दोषियों को दंडित करने का किया आह्वान

अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान

हैं चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद समूह के सदस्य

बुधवार को चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद समूह 'क्वाड' ने संयुक्त बयान में जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की साजिश रचने वालों, उसे अंजाम देने वालों और इसके वित्त पोषकों को बिना किसी देरी के न्याय के कठघरे में लाने का आह्वान किया। साथ ही संयुक्त राष्ट के सदस्य देशों से इस संबंध में सहयोग बढ़ाने की अपील की। चतष्पक्षीय सरक्षा संवाद (क्वाड) के सदस्य देशों अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान के विदेश मंत्रियों ने इस वर्ष के अंत में भारत में होने वाले समूह के वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए व्यापक एजेंडा तय करने के वास्ते मंगलवार को अमेरिका की राजधानी में बैठक की। ह्यक्वाडह्न

में निंदा की और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई सदस्य देशों ने 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले में 26 लोग मारे संघर्ष का जिक्र नहीं किया।

मंत्रियों ने पाकिस्तान का या मई में भारतीय और पाकिस्तानी सेनाओं का दृहतापूर्वक समर्थन किया। के बीच चार दिन तक चले सैन्य आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों गए थे। हालांकि, संयुक्त बयान में बैठक में विदेश मंत्री एस.

पूर्वी व दक्षिणी चीन सागर को लेकर चिंता

क्वाड समूह के विदेश मंत्रियों ने पूर्वी चीन सागर और दक्षिण चीन सागर में चीन बढ़ती सैन्य की स्थिति को लेकर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने चीन का सीधे–सीधे उल्लेख किए बिना कहा, ह्यह्यहम किसी भी एकतरफा कार्रवाई का कड़ा विरोध दोहराते हैं जिसमें बलपूर्वक या जबरन यथास्थिति को बदलने की कोशिश की जा रही हो। 'क्वाड' की बैठक में इस साल मंबई में भविष्य के क्वाड बंदरगाहसाझेदारी शुरू करने की योजना की भी घोषणा की गई।

जयशंकर, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो, ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापान शामिल हुए। विदेश मंत्रियों ने कामना करते हैं।

### अंतरराष्ट्रीय कानूनों को बनाए रखने पर बल

चार दिन चले सैन्य संघर्ष का जिक्र नहीं

विदेश मंत्रियों ने कहा, हम विवादित स्थलों के सैन्यीकरण से गंभीर रूप से चिंतित हैं। हम समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में परिलक्षित नियमों के अनुरूप नौवहन और उड़ान की स्वतंत्रता, समुद्र के अन्य वैध उपयोगों तथा अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप निर्बाध वाणिज्य को बनाए रखने के महत्व पर बल देते हैं। मंत्रियों ने इस बात पर जोर दिया कि समुद्री विवादों को शांतिपूर्ण तरीके से और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार हल किया जाना चाहिए।

कहा, हम मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और सभी घायलों के शीघ्र में उनके समकक्ष ताकेशी इवाया एवं पूरी तरह से स्वस्थ होने की

### सहायक आचार्य परीक्षा के गणित व विज्ञान का रिजल्ट इसी माह होगा जारी



(जेएसएससी)

■झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने हाईकोर्ट में दायर किया शपथ पत्र

■पिछली सुनवाई के दौरान प्रगति रिपोर्ट पर कोर्ट की ओर से जताई गई थी नाराजगी

**PHOTON NEWS RANCHI:** हुए शपथ पत्र दायर करने का झारखंड कर्मचारी चयन आयोग निर्देश दिया था। बता दें कि प्रसिद्ध अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज की विद्यालय प्रशिक्षित सहायक ओर से जनहित याचिका दायर आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा की गई है। झारखंड हाईकोर्ट ने के गणित और विज्ञान का रिजल्ट प्राथमिक और उच्च प्राथमिक जुलाई के दूसरे सप्ताह में जारी विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति करेगा। सामाजिक विज्ञान का मामले में पिछली सुनवाई में रिजल्ट जुलाई के तीसरे या चौथे जेएसएससी पर नाराजगी जाहिर हफ्ते में जारी करेगा। जेएसएससी की थी। प्रारंभिक विद्यालय ने झारखंड हाईकोर्ट में इस बाबत प्रशिक्षित सहायक आचार्य संयुक्त शपथ पत्र दायर किया है। पिछली प्रतियोगिता परीक्षा की प्रगति सनवाई में झारखंड हाईकोर्ट के रिपोर्ट पर खंडपीठ नाराज दिखी चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव थी। जेएसएससी ने 26 हजार और जस्टिस राजेश शंकर की प्राथमिक और उच्च प्राथमिक खंडपीठ ने प्रारंभिक विद्यालय विद्यालयों के शिक्षकों की नियुक्ति प्रशिक्षित सहायक आचार्य संयुक्त के लिए समय सीमा देने का प्रतियोगिता परीक्षा की प्रगति आग्रह किया था. लेकिन उसके रिपोर्ट पर नाराजगी जाहिर की थी अनुसार भी नियुक्ति प्रक्रिया में और समय सीमा निर्धारित करते प्रगति नहीं हुई थी।

## बदला मौसम का मिजाज, शुरू हुई झमाझम बारिश

### **PHOTON NEWS RANCHI:**

बधवार को झारखंड में राजधानी रांची सहित राज्य के अन्य इलाकों में सुबह में बादल छाए रहे। बाद में मौसम साफ हुआ। तेज धूप निकली, लेकिन रह रहकर मौसम का मुड बदलता रहा। दोपहर के बाद अचानक तेजी से मौसम का मिजाज बदला और शाम होते-होते झमाझम बारिश शुरू हो गई। बीच में रह-रह कर हल्की बारिश हो रही थी। गुरुवार के लिए मौसम विभाग ने झारखंड के आधा दर्जन जिलों में भारी वर्षा की चेतावनी दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के रांची स्थित मौसम केंद्र ने येलो अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि झारखंड के

### **६ जुलाई तक सभी जिलों में होती रहेगी वर्षा**

- आज के लिए 6 जिलों में भारी बारिश का मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट
- कुछ जगहों पर तेज हवा र्क साथ वज्रपात की भी जताई गई है आशंका
- इस समय चाईबासा से गुजर रहा बंगाल की खाड़ी की ओर बढ़ता मानसन का टर्फ



मौसम विभाग ने दैनिक पूर्वानुमान में कहा है कि झारखंड में लगभग सभी जगहों पर गरज के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होने की संभावना है। राज्य के 6 जिले लातेहार, लोहरदगा, चतरा, रामगढ, हजारीबाग और कोडरमा ऐसे जिले हैं, जिसके लिए मौसम विभाग की ओर से येलो अलर्ट जारी किया गया है।

उत्तरी-मध्य एवं निकटवर्ती भागों में कहीं-कहीं भारी वर्षा होने की संभावना है। राज्य में कछ जगहों पर वज्रपात होने की भी आशंका है।

मौसम विभाग के अनुसार, मानसून का टर्फ इस समय चाईबासा से गुजर रहा है, जो बंगाल की खाड़ी

# सड़क हादसे में पिता-पुत्र सहित तीन लोगों की मौत

### गिरिडीह-देवघर मुख्य मार्ग पर बेंगाबाद थाना क्षेत्र के मधवा टोल टैक्स के पास हुई दुर्घटना

AGENCY GIRIDIH: गिरिडीह-देवघर मख्य मार्ग पर बेंगाबाद थाना क्षेत्र के मधवा टोल टैक्स के समीप मंगलवार रात एक सड़क हादसा हुआ। यहां एक तेज रफ्तार ट्रक ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में पिता-पुत्र सहित तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार में सवार दो महिलाएं सोनी देवी और संगीता देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। मृतकों की पहचान लिलो तुरी, छोटू तुरी और राजन तुरी के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि छोट् तुरी और राजन तुरी

आपस में पिता-पुत्र थे। सभी लोग

दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल, अस्पताल में भर्ती खाने गए थे। लौटते वक्त यह भीषण नवडीहा ओपी क्षेत्र के जंगरीडीह से

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मधवा टोल टैक्स के आगे कार को तेज रफ्तार से आ रहे एक अज्ञात ट्रक ने सीधी टक्कर मार दी, जिससे कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों व पुलिस की मदद से दोनों घायल महिलाओं को सदर अस्पताल पहुंचाया गया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है।

कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त

बेंगाबाद थाना क्षेत्र के महुआर गांव में लिलो तुरी के भतीजी के घर अषाढ़ी पूजा के अवसर पर प्रसाद

हादसा हुआ। हादसे की खबर मिलते ही सदर अस्पताल में परिजनों की भीड़ लग गई है। परिजनों के रोने

हजारीबाग में टीएसपीसी के सब-जोनल

से अस्पताल परिसर का माहौल गमगीन हो गया। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और अज्ञात ट्रक की तलाश जारी है।

### भूगर्भीय चमत्कार

धरती के मैंटल और कोर के बीच पाई जाती है एक रहस्यमयी परत

# पृथ्वी को सजीव बनाए रखती हैं सतह के अंदर बहने वाली चट्टानें

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK मुख्य रूप से पृथ्वी की तीन परतें होती हैं-क्रस्ट, मैंटल, और कोर। भूगर्भ वैज्ञानिक बताते हैं कि ये परतें रासायनिक संरचना और भौतिक गुणों में एक दूसरे से भिन्न हैं। क्रस्ट पृथ्वी की सबसे बाहरी परत है और ठोस चट्टान से बनी है। यह दो प्रकार की होती है-महासागरीय क्रस्ट (समुद्र तल के नीचे) और महाद्वीपीय क्रस्ट (महाद्वीपों के नीचे)। मैंटल क्रस्ट के नीचे स्थित है और अर्ध ठोस अवस्था में है। मैंटल में चट्टानें बहुत अधिक तापमान और दबाव के कारण अर्ध तरल अवस्था में होती हैं। कोर पृथ्वी का सबसे आंतरिक भाग है, जो दो भागों में विभाजित है- बाहरी कोर और आंतरिक कोर। बाहरी कोर तरल अवस्था में है और आंतरिक कोर ठोस अवस्था में है। भूगर्भ वैज्ञानिक कहते हैं

कि पृथ्वी के अंदर लगभग 2700

### रासायनिक संरचना व भौतिक गुणों में एक दूसरे से भिन्न होता है हर लेयर

मुलतः महासागरीय और ≫ महाद्वीपीय रूप में विभाजित होता है क्रस्ट

अब सुलझ गई पुरानी पहेलियां

हाल में भूगर्भ वैज्ञानिकों ने एक ऐसा खुलासा किया है,

जिसने भूगर्भ विज्ञान की दशकों पुरानी पहेलियों को हल

करने की दिशा में बेहद अहम माना जा रहा है। ईटीएच

ज्यूरिख के वैज्ञानिकों के इस शोध के केंद्र में है पृथ्वी की

एक रहस्यमयी परत (डी लेयर), जो मेंटल और कोर के

बीच है और करीब 2700 किमी नीचे पाई जाती है।

दशकों से यह जानने की कोशिश हो रही थी कि क्यों

भूकंप से उढने वाली तरंगें इस परत से गुजरते समय

अंचानक अपनी गति व व्यवहार बदल देती हैं।

मैंटल में अधिक तापमान 🔊 व दबाव के कारण अर्ध तरल बन जाती है चट्टान

अर्थ सरफेस के लगभग ≫ २७०० किमी नीचे मौजूद रहता है डी लेयर

भूकंप से उठने वाली तरंगें इस लेयर से गुजरते

समय अचानक बदल देती हैं अपनी गति

ईटीएच ज्युरिख के भूगर्भ ≫ वैज्ञानिकों ने लंबे समय तक किया विशेष परत का अध्ययन

### नदियों के समान होता है बहाव

रिसर्च में वैज्ञानिकों ने कंप्यूटर मॉडल और प्रयोगशाला परीक्षणों के जरिए यह साबित किया है कि पोस्ट–पेरोव्स्काइट क्रिस्टल एक निश्चित दिशा में संरेखित (एलाइन) होते हैं। जब ये क्रिस्टल समान दिशा में जुड़ते हैं, तो तरंगों को कम प्रतिरोध मिलता है और वे तेजी से यात्रा करती हैं। यह अनोखी संरचना तभी बनती है, जब ठोस चट्टानें पृथ्वी में धीरे-धीरे बहती हैं। ठीक वैसे जैसे संतह पर नदियां बहती हैं।

किलोमीटर नीचे बहती हुईं ठोस चट्टानें द्रव नहीं होतीं, लेकिन इतने ताप और दाब में लाखों वर्षों में धीरे-धीरे बहने लगती हैं। यह वास्तव में भुगर्भीय चमत्कार हैं। ये पुरी तरह 🧪 लचीली हो जाती हैं कि वे सालों, दशकों या 🛮 प्रक्रिया पृथ्वी को सजीव बनाए रखती है।

### भारत-पाक की पश्चिमी सीमा पर सेना के जवानों ने किया युद्धाभ्यास

JODHPUR: भारत-पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा पर इन दिनों राजस्थान के थार इलाके में भारतीय सेना की दक्षिणी कमांड ने जिस प्रकार से हाई-इंटेंसिटी युद्धाभ्यास की कमान संभाली है, वह न केवल देश को सुरक्षा का नया भरोसा दे रहा है, बल्कि यह भी दर्शा रहा है कि भारत अब युद्ध नहीं चाहता, पर युद्ध के लिए हर क्षण तैयार है। यह अभ्यास सामान्य रूटीन ड्रिल नहीं है, अपितु एक ऐसा बहुस्तरीय अभ्यास है, जिसमें युद्ध के हर पहलू को व्यावहारिक स्तर पर परखा जा रहा है। थार रेगिस्तान में सैनिक लड़ाकू हेलिकॉप्टर से जमीन पर उतरे और आतंकियों को खत्म कर वापस हेलिकॉप्टर में चढ़कर उड़ान भरी।

### कमांडर की गोली मारकर हत्या **PHOTON NEWS HAZARIBAG:**

हजारीबाग जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र में मंगलवार की देर रात एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बुधवार को केरेडारी-बुंडू रोड पर गेरुआ नदी के पास युवक का शव मिला। स्थानीय लोगों ने शव देखने ही पुलिस को मामले की सूचना दी। युवक के सीने में गोली मारी गई है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान टीएसपीसी उग्रवादी संगठन के सब-जोनल कमांडर अनीश अंसारी के रूप में हुई है। अनीश रांची जिले के बुढ़मू थाना क्षेत्र के मतवे गांव का निवासी था।

घटना के समय गेरुआ नदी में बालू लोडिंग का काम चल रहा था। अचानक तीन राउंड गोली चलने की आवाज सुनाई दी। इससे

### केरेडारी-बुंडू रोड पर गेरुआ नदीं के पास मिली डेड बॉडी, सीने में मारी गई है गोली

मृतक अनीश रांची जिले के बुढ़मू थाना क्षेत्र के मतवे गांव का था निवासी

वहां मौजूद ट्रैक्टर चालक और मजदूर भाग गए। पुलिस के अनुसार, यह आपसी वर्चस्व की लड़ाई का मामला हो सकता है। पुलिस ने बताया कि अनीश अंसारी पर कई आपराधिक मामले दर्ज थे। उसकी हत्या के बाद पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। शव को

पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

हाथियों ने 72 घंटे में

तीन ग्रामीणों को

उतारा मौत के घाट

GARHWA : जिले में हाथियों क उत्पात लगातार बढ़ता जा रहा है। बीते

72 घंटों में हाथियों के हमले में तीन

लोगों की मौत हो चुकी है। मंगलवार-

बुधवार की रात रंका थाना क्षेत्र के नगारी गांव में एक बिछड़े हुए हाथी ने

एक घर पर हमला कर दिया। घर में सो

रहे 65 वर्षीय बुजुर्ग विजय सिंह की

मौके पर ही मौत हो गई। इससे पहले सोमवार को धुरकी थाना क्षेत्र के चिरका गांव में एक हाथी ने दो लोगों को

कुचलकर मार डाला था। लगातार हो

रहे हमलों से ग्रामीणों में गहरी दहशत

है। ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग

की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उढाया

जा रहा। हाथी बार-बार आबादी वाले

इलाकों में घुसकर जान-माल का नुकसान कर रहे हैं। नगारी गांव के

मुखिया ने बताया कि जिला वन संरक्षण

अधिकारी (डीएफओ) से बात हुई है,

और उन्होंने हाथियों को इलाके से हटाने

की पहल करने की बात कही है। गढ़वा

विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी ने घटना पर

### **BRIEF NEWS**

### पीएम आवास योजना की सौंपी चाबी





तहत भूमिहीन लाभुकों का गृहप्रवेश कराया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिंहभूम की सांसद जोबा माझी उपस्थित रही। सांसद ने लाभकों को फ्लैट की चाबियां सौंपी। आदित्यपर नगर निगम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पहले चरण के कल 120 लोगों को तैयार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत फ्लैट में गहप्रवेश कराया गया। इससे पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन सांसद समेत अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान सरायकेला-खरसावां के उपायुक्त नीतीश कुमार सिंह, नगर निगम के प्रशासक रवि प्रकाश, उपनगर आयुक्त पारुल सिंह, झामुमों के केंद्रीय सदस्य गणेश चौधरी, कांग्रेस नेता केपी सोरेन, जगदीश नारायण चौबे आदि भी मौजूद रहे। सांसद ने फ्लैट का अवलोकन भी किया। सांसद ने योजना की प्रशंसा करते हुए कहा कि सरकार के प्रयास से रोटी, कपड़ा और मकान लोगों को उपलब्ध कराया जा रहा है। बेघर और भूमिहीन का भी अब अपना मकान होगा। इसी कड़ी में शहरी क्षेत्र के भूमिहीन, जो झोपड़ी के घरों में रह रहे थे, उन्हें अब पक्का मकान देने का प्रयास सरकार ने किया है। वहीं ग्रामीण क्षेत्र में अबुआ आवास योजना के तहत दो कमरे का मकान राज्य सरकार द्वारा दिए जाने के सवाल पर सांसद ने कहा कि यह योजना पूर्णत राज्य सरकार की है, जो केवल ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में लोग परिवार के साथ पशुपालन भी करते हैं, लिहाजा उन्हें दो कमरे का मकान देने की योजना राज्य सरकार ने बनाई है। सांसद ने कहा कि दोनों ही योजनाएं अत्यंत जन उपयोगी एवं महत्वपूर्ण है। आदित्यपुर नगर निगम के प्रशासक रवि प्रकाश ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 9 काशीडीह में कल 780 फ्लैट का निर्माण होना है। इसमें 23 ब्लॉक बनेंगे। पहले चरण में चार ब्लॉक का निर्माण पूरा हो गया है, अन्य 19 ब्लॉक निमार्णाधीन हैं। अगले 3 महीने में अन्य 120 लाभुकों को भी मकान तैयार कर चाबी सौंपी जाएगी। प्रधानमंत्री आवास योजना में एक फ्लैट की लागत 6 लाख 42 हजार है, जिसमें भारत सरकार एवं झारखंड सरकार की ओर से ढाई लाख रुपये प्रति फ्लैट सब्सिडी लाभकों को दी

### अंचल कार्यालय की कमियां देख बिफरे मंत्री

गई है। लाभुक को चार किस्त में 3 लाख 92 हजार रुपये प्रति फ्लैट

PALAMU: वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने बुधवार को मनातू अंचल निरीक्षण किया। इस



अदा करने के बाद उनके नाम रजिस्ट्री की गई है।

दौरान कई कर्मचारी और प्रखंड विकास पदाधिकारी अनुपस्थित पाए गए। मौके पर मंत्री ने म्यूटेशन, लैंड बैंक

रजिस्टर सहित कई रिकार्ड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन?होंने पाया कि कोई भी रजिस्टर अद्यतन नहीं है। इसपर अंचल अधिकारी मदन कुमार सुमन, प्रधान सहायक सहित किसी ने भी संतोषजनक जवाब नहीं दिया। मौके पर मंत्री ने हिदायत देते हुए एक महीने में सभी रिकॉर्ड

# जामताड़ा के अंतरराज्यीय साइबर ढग गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

### फर्जी केवाईसी के नाम पर करते थे ठगी, दिल्ली पुलिस ने दो दिन तक रेकी कर दबोचा

**PHOTON NEWS JAMTARA:** दिल्ली पुलिस की साइबर सेल ने जामताड़ा से संचालित एक अंतरराज्यीय साइबर ठग गिरोह का पदार्फाश कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह देशभर में फर्जी केवाईसी अपडेट के नाम पर लोगों से ठगी करता था। गिरोह की गिरफ्त में आए आरोपियों के नाम मुजफ्फर जिलानी, आफताब अंसारी और मोहम्मद इकबाल रजा हैं, जो जामताड़ा के रहने वाले हैं। पुलिस के मुताबिक, इस गिरोह ने दिल्ली के पालम निवासी के.सी. बर्थवाल से करीब 10.95 लाख रुपये की साइबर ठगी को अंजाम दिया है। गिरोह के सदस्य खुद

को एसबीआई क्रेडिट कार्ड



विभाग का अधिकारी बताकर फोन करते थे और यह कहकर डराते थे कि आपके कार्ड से पैसा

ऐसे की जाती थी ठगी: अप्रैल में पीड़ित के.सी. बर्थवाल को

बताते हुए यह कहा गया कि उनके कार्ड से 588.82 रुपये डेबिट हो चुके हैं। कॉल करने वाले ने उन्हें एक लिंक भेजा और कहा कि तुरंत केवाईसी

### स्थानीय वेशभूषा में रह रही थी पुलिस टीम

दिल्ली पुलिस के दक्षिण-पश्चिम जिले के डीसीपी अमित के अनुसार, ठगी की शिकायत मिलने पर साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शरू की। टीम ने जामताडा पहुंचकर दो दिन तक लगातार रेकी की और स्थानीय वेशभषा में रहकर आरोपियों की पहचान की। इसके बाद मुजफ्फर जिलानी और आफताब अंसारी को मौके से गिरफ्तार किया गया, जबकि तीसरे आरोपी मोहम्मद इकबाल रजा को भी बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह गिरोह केवल एक ही केस में नहीं, बल्कि देशभर के सैकड़ों लोगों को इसी तरह केवाईसी यानी नो यो कस्टमर अपडेट के नाम पर शिकार बना चुका है। इनके पास से ठगी में प्रयुक्त मोबाइल फोन, सिम कार्ड, बैंक खाते की डिटेल्स और अन्य डिजिटल साक्ष्य बरामद किए गए हैं।

डर और भ्रम में आकर पीडित ने उस लिंक पर क्लिक कर दिया

दित्यांग त्यक्ति की

गला काटकर हत्या

KHUNTI : तोरपा थाना क्षेत्र के

सैंसेरा गांव में बुधवार को दिनदहाड़े

मोहन स्वांसी (40) दिव्यांग व्यक्ति की

बीच सड़क में गला काटकर हत्या कर

दी गई। ग्रामीणों के अनुसार घटना

अपराह्न लगभग तीन बजे की है।

घटना की सूचना मिलते ही तोरपा के

थाना प्रभारी मुकेश कुमार हेम्ब्रम और

अन्य पुलिस कर्मी घटनास्थल पर

पहुंचे और मामले की जांच पड़ताल

की। दिन दहाड़े हुई हत्या के बाद भी

हत्यारें के संबंध में गांव वाले मुंह

खोलने को तैयार नहीं है। हालांकि

मृतक के बड़े भाई जीतू स्वांसी ओर

उसके परिवार वालों ने स्पष्ट रूप से

आरोप लगाया कि सैंसेरा गांव के

देवनंद गोप नामक व्यक्ति ने घटना को

अंजाम दिया है। जीतू ने बताया कि

देवनंद ने गांव वालों को खुद की हत्या

करने की बात बताई और वह जंगल

की ओर भाग गया। बताया जाता है

कि मोहन स्वांसी पहले पंजाब में काम

करता था। काम के दौरान ही उसका

एक हाथ मशीन से कटकर अलग हो गया। इसके बाद से वह गांव में

रहकर गाय-बैल चराने का काम

करता था। पुलिस ने शव को

पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल

भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की

और अपनी क्रेडिट कार्ड डिटेल्स

व ओटीपी साझा कर दी। अगले कुछ दिनों में उनके खाते से कुल 10.95 लाख रुपये की अवैध

दुख जताते हुए कहा कि जंगलों की अंधाधुंध कटाई के कारण जंगली जानवरों का रिहायशी इलाकों की ओर बद्धना स्वाभाविक है। हमें पर्यावरण संरक्षण और मानवीय सुरक्षा दोनों पर ध्यान देना होगा। वहीं पलामू सांसद बीडी राम ने कहा कि यह समस्या केवल गढ़वा की नहीं, बल्कि पूरे देश की है। इसे संसद में भी उठायाँ गया है और जल्द ही राष्ट्रव्यापी समाधान की दिशा

में तोस पहल की जाएगी।

# बदमाशों ने बजरंगबली की तोड़ दी प्रतिमा, तनाव का बना माहौल

**AGENCY HAZARIBAG:** 

हजारीबाग के मीठा तालाब स्थित प्राचीन मंदिर में बजरंगबली की प्रतिमा को अराजक तत्वों ने खंडित कर दिया। यह घटना मंगलवार देर रात की है। प्रतिमा खंडित करने की खबर फैलते ही इलाके में तनाव का माहौल बन गया। स्थानीय लोग बड़ी संख्या में मंदिर परिसर में

पुलिस और प्रशासन के अधिकारी देर रात मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। स्थानीय लोगों के मुताबिक इस मंदिर की प्रतिमा को नुकसान पहुंचाने का पांचवां मामला है। इससे लोगों में नाराजगी है और वे लगातार प्रशासन से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। घटना की जानकारी मिलते ही सदर

थाना पुलिस मौके पर पहुंची। साथ

ही सदर एसडीपीओ अमित आनंद.



स्थानीय लोगों से बात कर स्थिति को शांतिपूर्ण ढंग से संभालने की

• फोटोन न्यूज व्यवस्था कड़ी कर दी है। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त

रात में ही फ्लैग मार्च कराया गया। एसडीपीओ अमित आनंद ने बताया पहचान कर उन्हें गिरफ्तार

पुलिस बल की तैनाती की गई है। कि जांच में कुछ अहम सुराग मिले हैं। बहुत जल्द आरोपितों की

# मॉडल स्कूलों में छात्रों के पड़े लाले 3280 सीटों के लिए 838 हुए पास

JAMSHEDPUR : झारखंड एकेडिमक काउंसिल द्वारा घोषित परीक्षा में राज्य के 82 मॉडल स्कलों में कक्षा 6 में नामांकन के लिए हुई प्रतियोगिता परीक्षा में कुल 838 छात्र उत्तीर्ण हुए है। राज्य में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए सभी मॉडल स्कूलों में छात्र-छात्राओं का नामांकन होना था। इसके लिए झारखंड एकेडमिक काउंसिल के द्वारा 11 मई 2025 को राज्य स्तर पर जिला मुख्यालय में प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन किया था। परीक्षा में कुल 5063 फॉर्म भरे गए थे। इनमें से मात्र 838 छात्रों के पास होने पर प्रतियोगिता परीक्षा पर ही प्रश्निचह्न लग गया है। या युं कहा जा सकता है कि मॉडल स्कूलों में छात्रों के लाले पड़ गए हैं। या फिर सरकारी विद्यालयों में पढ़ाई

का स्तर इतना निम्न है कि मॉडल स्कुलों के लिए अंग्रेजी माध्यम से पढाई के लिए छात्र नहीं मिल पा रहे हैं। मॉडल स्कलों के शत प्रतिशत मैटिक एवं इंटर परीक्षा परिणाम के बावजूद नामांकन के लिए छात्रों का नहीं मिल पाना मॉडल स्कूलों के अस्तित्व पर प्रश्निचह्न खड़ा हो गया है, जो चिंता का विषय है। वर्तमान शैक्षणिक सत्र में 2442 सीटें रिक्त

मालूम हो कि झारखंड राज्य में केंद्रीय विद्यालय की तर्ज पर 89 मॉडल स्कूल खोले गए थे। इनमें 7 मॉडल स्कूलों को सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में बदल दिया गया है। इस प्रकार कुल 82 मॉडल स्कूल राज्य में चल रहे हैं। इन स्कूलों में केंद्रीय विद्यालय की तर्ज पर अंग्रेजी माध्यम से

अब नहीं होता ३००

रुपर्य का भूगतान

राज्य सरकार के नए नियम से

ममता वाहन संचालकों को काफी

परेशानी हो रही है। ममता वाहन

सीएचसी तक जाने के लिए पहले

300 और इसके बाद सरकार प्रति

किलोमीटर नौ रुपये देती है। वहीं,

अस्पताल से घर ले जाने के लिए

सरकार ३०० रुपये और ९ रुपये

प्रति किलोमीटर की दर से भूगतान

होता था। नए नियम में अब

अस्पताल से घर जाने के लिए

9 रुपये प्रति किलोमीटर से ही

भुगतान होता है। वाहन चालक

300 रुपये नहीं मिलता है, केवल

के लिए गर्भवती के घर से

# बदतर हो गई है खूटी से तोरपा जाने वाली सभी सड़के

### लगातार बारिश से रोड पर हो गए हैं बड़े-बड़े गड्ढे, पानी भरने से दुर्घटनाग्रस्त हो रहे लोग

**AGENCY KHUNTI:** 

क्या आप खंटी से तोरपा-सिमडेगा की ओर जा रहे हैं, तो जरा सावधान हो जाएं। खंटी से तोरपा आप किसी भी मार्ग पर जाएं, हर ओर खतरा ही खतरा है। पिछले 15 दिनों से लगातार हो रही बारिश ने जिले की सड़कों की स्थिति बद से बदतर कर दी है। सड़कों पर बने बड़े-बड़े गड़ों में गंदा पानी भरा रहने के कारण अंदाजा लागना मश्किल हो जाता है कि कहां पर गड़ा है और कहा नहीं। इस कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। इसका सबसे अधिक शिकार दो पहिया वाहन वाले हो

रहे हैं। खुंटी से तोरपा जाने का मुख्य मार्ग बाबा आम्रेश्वर धाम और डोड़मा होकर(केटीके रोड) है, पर गत 19 जनवरी को हुई मुसलाधार



जलजमाव से धंसी सड़क

• फोटोन न्यूज

# लगातार और भारी बारिश के कारण खूंटी से कुमांग होकर मुरहू जाने वाली

तोरपा-मुरहू के बीच ढह गया रोड

सडक रामजय गांव के पास आधी धंस चूकी है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यदि टूटी सड़क की तुरंत मराम्मत नहीं कराई गई, तो कभी भी कोई बडी दुर्घटना हो सकती है। उल्लेखनीय है कि तीन–चार वर्ष पहले ही तोरपा से कुमांग तक करोड़ों रुपये की लागत ये इस सड़क का निर्माण कराया गया था, पर सडक पर सैकड़ों बड़े-छोटे गड्ढे बन गए हैं। रामजय के अलावा अन्य कई जगहों पर भी सड़क धंसने के कगार पर है।

पास बनई नदी पर बना पुल ध्वस्त हो गया। इसके कारण इस सड़क पर आवागमन पूरी तरह ठप है। लोग कुंजला से जुरदाग-गम्हरिया होकर तोरपा और सिमडेगा की ओर जाते हैं. पर यात्री और माल वाहक वाहनों के अलावा ट्रकों का इस रोड पर चलने से सड़क जानेलवा हो गई है। हर जहग जाम

### शुरू हो गया मरम्मत का काम : कार्यपालक अभियंता

तोरपा-मुरहू मार्ग पर सडक के धंसने के संबंध में पूछे जाने पर ग्रामीण विकास विभाग खूंटी के कार्यपालक अभियंता सुशील कुमार झा ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में है और वहां मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया है। दो दिन पहले वहां मिट्टी डाली गई थी, पर बारिश के कारण वह बह गई। उन्होंने कहा कि वहां बॉल्डर डालने का काम भी शरू हो गरा। कार्रापालक अभियंता ने कहा कि जहां पर सडक धंसने की शिकायत आई है, उस जमीन का मालिक काम करने ही नहीं देता है।

खंटी से तोरपा जाने का एक और मार्ग बाला मोड़-कर्रा होकर है, पर इस रास्ते पर कांटी पुल और एक अन्य स्थान पर बना डायवर्सन भी खतरनाक हो चुका है।

### तेज रफ्तार बाइक के धक्के से व्यक्ति की मौत



CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर-सोनुवा मुख्य मार्ग पर बधवार शाम को सडक हाँदसा हो गया, जिसमें तेज रफ्तार बाइक के धक्के से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पदमपुर के पास हुए हादसे में 55 वर्षीय लाल माझी नामक व्यक्ति की मौत हो गई। वह पदमपुर के एक होटल में काम करता था और बुधवार की शाम को सडक के किनारे टहल रहा था। तभी सोनुवा की ओर से आ रही तेज रफ्तार बॉडक ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद बाइक सवार मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल लाल माझी को इलाज के लिए चक्रधरपुर के अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉ. जेर्जे मुंडू ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर के अनुसार, लाल माझी के सिर में गंभीर चोट लगी थी। इसके कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है और बाइक की तलाश में सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

# धनबाद में दम तोड़ रही 'ममता' 108 एंबुलेंस ही बना सहारा

### एक कर्मचारी के भरोसे कॉल सेंटर, नए नियमों से मुश्किल में वाहन संचालक

PHOTON NEWS DHANBAD : योजना धनबाद में दम तोड रही है। यहां मात्र एक अनुबंध कर्मचारी के भरोसे ममता वाहन का कॉल सेंटर चल रहा है। ऑनलाइन व्यवस्था ध्वस्त दिख रही है। ममता वाहन के लिए कर्मचारियों के मोबाइल पर कॉल करना पड़ रहा है। कॉल सेंटर का लैंडलाइन नंबर 4 वर्षों से बंद पड़ा है। स्थिति यह हो गई कि 3 वर्ष पहले जहां 150 के आसपास ममता वाहन चल रहे थे. अब 51 हो गई है। सुबह 9 बजे से 3 बजे तक ममता वाहन के कॉल सेंटर में कर्मचारी की तैनाती रहती है। इसके बाद कॉल सेंटर बंद रहता है। रात में ममता वाहन की जरूरत होने पर 108 एंबुलेंस

पर कॉल करना पड़ता है।

ईवी बैटरी व विंड टरबाइन में कल-पुर्जे महत्वपूर्ण : डॉ. सारस्वत



### लेकिन खर्च हो रहे पैसे

ममता वाहन के लिए जिले में कोई प्रचार-प्रसार नहीं हो रहा है, लेकिन विभागीय सूत्रों की मानें तो इसके प्रचार-प्रसार के लिए पिछले दो वर्षों में लाखों रुपये खर्च कर दिए गए हैं।

ममता वाहन के लिए वाहनों की संख्या बढ़ाई जाएगी, इसके लिए रजिस्ट्रेशन कराया जा रहा है। कर्मचारी की कमी को दूर किया जाएगा, विभाग से इसकी मांग की गई है। - डॉ. चंद्रभानु प्रतापपन सिविल सर्जन, धनबाद

सरकार और विभाग भले ही ममता

वाहन को लेकर लाख दावे करें.

बताते हैं की 9 रुपये प्रति किलोमीटर की दर से नुकसान

लेकिन बाघमारा में मात्र एक ममता

# डैम में डाला जहर, मत्स्य पालको को हो गया लाखों का नुकसान

### **AGENCY PALAMU:**

जिले के पांकी थाना क्षेत्र के हुरलौंग पंचायत के महुगांई गांव के डैम में शरारती तत्वों ने जहर डाल दिया। जहर के असर से तालाब में पल रही सभी मछलियां मर गयी। इस घटना से मत्स्य पालकों को लाखों का नुकसान हुआ है। यह डैम सुपेंद्र साव के नाम से लीज पर लिया गया है, जिसमें पूरे गांव के सहयोग से मत्स्य पालन किया जाता है। ग्रामीणों के अनुसार, डैम में हाल ही में मछिलयों का नया स्टॉक डाला गया था, जिसे शरारती तत्वों ने बर्बाद कर दिया। बताया गया कि 30 जून को सुपेंद्र साव और गांववासियों ने संयुक्त रूप से 124 किलो मछलियों का जीरा डैम में छोड़ा गया था। डैम में पहले से भी मछलियां पल रही थीं। ग्रामीण मिलकर देखभाल कर रहे थे, लेकिन मंगलवार को ग्रामीणों ने देखा कि डैम की सतह पर बड़ी संख्या में मछलियां मृत अवस्था में



डैम के पास जुटे मछलीपालक व मरी हुई मछलियां

तैर रही हैं। मछलियों की दुर्गंध चारों ओर फैल चुकी थी। जैसे ही ग्रामीणों को इसकी सूचना मिली, मौके पर भारी भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने अंदेशा जताया कि किसी ने डैम में जानबूझकर जहरीला पदार्थ डाल दिया है। सुपेंद्र साव ने बताया कि यह डैम तीन वर्षों के लिए उसके नाम पर लीज है और वह गांव के सहयोग से मत्स्य पालन कर आजीविका चलाते हैं। इस वर्ष के लिए उन्होंने और गांव वालों ने मिलकर लाखों रुपये खर्च कर मछलियों की खरीद की थी, लेकिन इस घटना ने उनलोगों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। धनंजय शर्मा, विजय साव, रविकांत शर्मा, प्रदीप प्रजापति, सुमंत कुमार प्रजापति, निरंजन प्रजापति, सुरेंद्र साव, अरविंद प्रजापति सहित दर्जनों ग्रामीणों ने बताया कि यह केवल आर्थिक नुकसान नहीं, बल्कि उनलोगों के सपनों को कुचलने जैसा है। मत्स्य विभाग और स्थानीय प्रशासन को घटना की सूचना दी गई। प्रशासन से ग्रामीणों ने मांग गयी है कि डैम की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाया जाए।

### **PHOTON NEWS JSR:**

बर्मामाइंस स्थित सीएसआईआर-नेशनल मेटलर्जिकल लेबोरेटरी (सीएसआई आर-एनएमएल) अपना प्लैटिनम जुबिली वर्ष मना रही है। प्रयोगशाला का उद्घाटन प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने 26 नवंबर 1950 को किया था। इस अवसर पर सीएसआई आर-एनएमएल प्लैटिनम जुबिली व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन कर रही है, जिसमें प्रख्यात हस्तियों द्वारा व्याख्यान दिए जा रहे हैं। एनएमएल ऑडिटोरियम बुधवार को आयोजित 5वें प्लैटिनम जुबिली व्याख्यान में नीति आयोग के सदस्य, पद्मभूषण डॉ. विजय कुमार सारस्वत ने 'भारत के सामरिक भविष्य के

लिए महत्वपूर्ण सामग्री' शीर्षक

विषय पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान

दिया। डॉ. सारस्वत ने भारत के



एनएमएल के 5वें प्लैटिनम जुबिली व्याख्यान में बोले- नीति आयोग के सदस्य

रणनीतिक और तकनीकी भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण सामग्रियों की अपरिहार्य भूमिका जोर दिया। ऐतिहासिक चुनौतियों पर विचार करते हुए, उन्होंने रणनीतिक सामग्रियों की कमी और विकसित भारत के संदर्भ में उनके महत्व पर ध्यान

डॉ. सारस्वत ने एक व्यापक वैश्विक परिप्रेक्ष्य प्रदान किया, जिसमें बताया गया कि इलेक्ट्रिक व्हीकल की बैटरियों और विंड टरबाइन के कलपुर्जों का अधिकांश हिस्सा महत्वपूर्ण सामग्रियों पर निर्भर करता है, जो टिकाऊ और उन्नत प्रौद्योगिकियों के लिए उनके अहमियत को साबित करता है। उन्होंने उन प्रमुख सामग्रियों पर

चर्चा की, जिन्हें भारत सरकार ने उनकी आपूर्ति और मांग के अंतर और जोखिमों के साथ-साथ उनके महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों के आधार पर चिह्नित किया है। डॉ. सारस्वत ने इन सामग्रियों के लिए वैश्विक शोधन परिदृश्य पर प्रकाश डाला और उत्सर्जन संबंधी चिंताओं सहित इन्हें सुरक्षित करने और संसाधित करने में भारत के सामने आने वाली अनूठी चुनौतियों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन-2025 के बारे में विस्तार से बताया, वर्तमान पहलों, प्रस्तावित व्यय और नीतिगत ढाँचों की रूपरेखा प्रस्तुत की, जिनका उद्देश्य इस क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता है। उन्होंने महत्वपूर्ण सामग्रियों के लिए एक चक्राकार अर्थव्यवस्था की क्षमता और एनएमएल के लिए निम्न-श्रेणी के अयस्क प्रसंस्करण, द्वितीयक संसाधन मूल्यांकन के क्षेत्र में अग्रणी नवाचारों के लिए रणनीतिक अवसरों और महत्वपूर्ण सामग्रियों के उत्पादन और उपयोग को अनुकूलित करने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की परिवर्तनकारी भूमिका के अवसर पर प्रकाश डाला। डॉ. सारस्वत ने एनएमएल के साथ अपने दीर्घकालिक जुड़ाव को याद करते हुए व्याख्यान का समापन किया तथा सहयोगी परियोजनाओं पर प्रकाश डाला, जो धातुकर्म और सामग्री अनुसंधान को आगे बढ़ाने में संस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती हैं।

कार्यक्रम की सीएसआईआर-एनएमएल के निदेशक डॉ. संदीप घोष चौधरी के स्वागत भाषण से हुई।

कार्यक्रम का समापन रोचक प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, शोधकताओं, उद्योग और छात्रों सहित विशेषज्ञों उपस्थित लोगों ने भाग लिया।











# CITY

### THE PHOTON NEWS www.thephotonnews.com

Thursday, 03 July 2025

### **BRIEF NEWS** हूल क्रांति के समय बहुतों ने दिया था अंग्रेजों का साथ : इरफान अंसारी

RANCHI: स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि बहुत से लोगों ने हल क्रांति के समय अंग्रेजों का साथ दिया था। वे भाजपा जैसी मानसिकता के लोग थे। अंग्रेजों के साथ मिलकर आदिवासियों को गुमराह करने का काम किया। मंत्री ने सोशल मीडिया एक्स बुधवार को लिखा है कि कई तरह की साजिशे रचकर आदिवासियों का अस्तित्व समाप्त करने का काम किया गया। लेकिन हुल दिवस पर आदिवासी मुद्दों पर नकली चिंता जता रहे हैं। यह सब भाजपा का दिखावा है। मंत्री ने कहा कि सबों को हुल दिवस के विशेष महत्व और इसके पीछे की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को समझना महत्वपूर्ण है।

### आरपीएफ ने चलाया रांची रेलवे स्टेशन पर विशेष जांच अभियान

RANCHI: रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रांची रेलवे स्टेशन पर विस्फोटक पदार्थों की जांच को लेकर विशेष सघन अभियान चलाया। आरपीएफ पोस्ट रांची की ओर से आरपीएफ डीएससी पवन कुमार के निदेशानुसार रांची रेलवे स्टेशन पर विस्फोटक पदार्थों की जांच और विध्वंस विरोधी उपायों के तहत एक विशेष सघन जांच अभियान संचालित किया गया। इस अभियान के दौरान प्लेटफॉर्म पर यात्रियों के सामान, बैग, स्टेशन परिसर में स्थित कूड़ेदान, मुख्य प्रवेश द्वार, स्टेशन के आगमन क्षेत्र, पार्किंग में खड़े सभी वाहनों और ट्रेनों का विधिवत निरीक्षण किया गया।

### नदी से एक व्यक्ति का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

RANCHI: जिले के चुटिया थाना क्षेत्र के तपोवन मंदिर के समीप स्थित नदी से एक 40 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव पुलिस ने बुधवार को बरामद किया है। आशंका जताई जा रही है कि लगातार हो रही बारिश के कारण शव पानी के बहाव में बहकर यहां आया और मंदिर के पास बने पुल के नीचे फंस गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। थाना प्रभारी लक्ष्मीकांत ने बताया कि एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया है। आसपास के लोगों से पहचान कराने पर किसी ने भी उसकी शिनाख्त नहीं की। फिलहाल पूरे मामले की जांच

### पड़ताल की जा रही है। रातू में एक व्यक्ति की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

RANCHI: रातू थाना क्षेत्र के चित्रकूटता गांव में एक व्यक्ति की हत्या करने का मामला बुधवार को प्रकाश में आया है। मृत व्यक्ति के चेहरे पर धारदार हथियार से मारने के निशान मिले हैं। स्थानीय लोगों ने झाड़ी में व्यक्ति का शव देखा और इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया है और आगे की जांच में जुटी हुई है।

# केंद्र सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने जारी की है गाइडलाइन

# शुरू हुआ सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान

जुलाई से केंद्र सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से जारी गाइडलाइन के आधार पर झारखंड के सभी नगर निकायों में विशेष स्वच्छता और जागरूकता अभियान 'सफाई अपनाओ-बीमारी भगाओ' 2025 शुरू हो चुका है। यह 31 जुलाई तक चलेगा। इसे लेकर नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार और राज्य शहरी विकास अभिकरण के निदेशक सरज कमार की ओर से सभी निकायों को आवश्यक निर्देश दिया गया है। इस संबंध में नगर विकास एवं आवास विभाग की अपर सचिव ज्योत्सना सिंह भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी निकायों के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर सफाई अभियान को सफल बनाने का निर्देश दी। इस अभियान के तहत शहरी निकायों में रहने वाले लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। शहरी प्रशासन के द्वारा डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया आदि बीमारियों का प्रसार रोकने के लिए आवश्यक निवारक सफाई और इसे बढावा देने वाले उपायों के बारे में जानकारी दी जाएगी।

### अभियान के तहत इन बातों पर होगा जोर

- कचरा संभावित स्थानों पर चलेगा विशेष सफाई अभियान
- सामुदायिक और सार्वजनिक शौचालयों की नियमित सफाई
- 🕨 जल गुणवत्ता के लिए लिया जाएगा पर्याप्त सैंपल
- अधिक जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान करने के लिए त्वरित आकलन और तत्काल कार्रवाई
- अंतरविभागीय समन्वय और निगरानी पर रहेगा जोर
- 🕨 दैनिक अपशिष्ट संग्रह और परिवहन की कारगर व्यवस्था
- आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के लिए स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सुविधाएं
- 🕨 सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति और जल कार्यों का रख-रखाव
- अपनाई जाएगी सुरक्षा-रोकथाम और उपचार रणनीति
- घर-घर जाकर लोगों को किया जाएगा जागरूक



### रांची स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन की होगी विशेष पहल

रांची स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन ने इस अभियान को सफल बनाने और नागरिकों को साफ-सफाई रखने के लिए जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। 1 जुलाई से 31 जुलाई के बीच राजधानी के 50 महत्वपूर्ण स्थानों पर वैरिएबल मैसेज साइन बोर्ड और पीए सिस्टम के माध्यम से लोगों को जल और वेक्टर जनित बीमारीयों से बचाव के उपाय बताए जा रहे हैं। साथ ही सफाई अपनाओ–बीमारी भगाओ अभियान के महत्वपूर्ण उदेश्यों को लोगों को बताया जा रहा है।

### कचरा उढाने वाले वाहनों की होगी लाइव निगरानी

इधर, सोशल मीडिया के माध्यम से भी जन जागरूकता चलाया जा रहा है। वहीं, कमांड सेंटर से शहर के हर क्षेत्र में कचरा और जल जमाव की लाइव मॉनिटरिंग करते हुए रांची नगर निगम को सूचित किया जा रहा है। इसके साथ ही रांची नगर निगम की 300 से ज्यादा कचरा उठाने वाले वाहनों की लाइव निगरानी की जा रही है, जिससे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में मदद मिल रही है।

### श्रावणी मेला में भीड़ नियंत्रण की बनाएं पुख्ता व्यवस्था : मुख्य सचिव



अधिकारियों के साथ बैठक करतीं मुख्य सचिव अलका तिवारी 🌘 फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS RANCHI:** राजकीय श्रावणी मेला 11 जुलाई से शुरू हो रहा है। यह 9 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान लगभग 50 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के बाबा नगरी और बाबा बासुकी नाथ धाम आने की संभावना है। श्रद्धालु बाबा धाम से सखद अनभव लेकर लौटें. इसकी तैयारियां विभिन्न स्तरों पर व्यापक तरीके से चल रही हैं। बुधवार को मुख्य सचिव अलका तिवारी ने तैयारियों को लेकर सभी संबंधित विभागों के प्रमुख और देवघर तथा दुमका के उपायक्त, एसपी व अन्य अधिकारियों के साथ समीक्षा की। इस दौरान ठोस निर्णय लिए गए और उसका अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए जवाबदेही तय की गई। मुख्य सचिव का फोकस लाखों की संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की सविधा पर थी। उन्होंने

दिया कि वे भीड़ नियंत्रण की व्यवस्था पुख्ता बनायें। आपात स्थिति से निपटने के लिए जो जहां तैनात हों, वे प्रशिक्षित, जवाबदेह और संवेदनशील हों। भगदड़ की स्थिति नहीं बने, इसके लिए तय मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करें : मुख्य सचिव ने कहा कि भगदड़ की स्थित नहीं बने, इसके लिए तय मानकों का अनुपालन सनिश्चित करें। श्रद्धालु एक जगह अधिक संख्या में इकट्ठे नहीं हों। इसके लिए ऐसी व्यवस्था बनाएं कि वे छोटे-छोटे समृह में रहें। सुरक्षा व्यवस्था में तैनात कर्मी शिफ्ट बदलने पर तभी अपना स्थान छोड़े, जब उनका विकल्प वहां आ जाये। भीड़ नियंत्रण के लिए एआई आधारित सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन आदि के फुटेज की लगातार मॉनिटरिंग हो और लगे कि कहीं भीड ज्यादा हो रही है. तो बिना समय जाया करे तत्काल

# हर एक लाटी और हर एक अन्याय का लिया जाएगा हिसाब : बाबूलाल मरांडी

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबुलाल मरांडी ने भोगनाडीह लाठी चार्ज मामले को लेकर हेमंत सरकार पर निशाना साधा है। मरांडी ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि जिस धरती से सिद्धो-कान्ह् उठे थे, उस धरती पर ये अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हर

का हिसाब लिया जाएगा। मरांडी ने सोशल मीडया पर कहा कि हेमंत सरकार आज जनरल डायर की भूमिका निभाती नजर आ रही है। जिस

एक लाठी और हर एक अन्याय



रहे लोगों पर जनरल डायर ने गोलियां चलवाई थीं, उसी तरह हुल दिवस पर अपने शहीदों को याद कर रहे आदिवासियों पर लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले बरसाए गए। सरकार की तानाशाही यहीं नहीं रुकी। अब हेमंत सोरेन ने यह तय कर लिया है कि जो भी

उठाएगा, उसे गिरफ़्तार कर डराने की कोशिश की जाएगी। उन्होंने कहा कि असल में हेमंत

सोरेन डरते हैं। उन्हें डर है कि अगर आदिवासी समाज ने बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ एक संगठित आंदोलन शुरू कर दिया तो उनका तृष्टिकरण का महल ढह जाएगा। वह इस बात से घबराए हुए हैं कि कहीं आदिवासी समाज यह न पूछ बैठे कि हमारे अधिकार छीन रहे हैं और आप किसके हित की राजनीति कर रहे हैं। इसलिए वे अब उस हर आवाज को कुचलना चाहते हैं। लेकिन आदिवासी समाज न

### गुरूजी के जल्द स्वास्थ्य लाभ को लेकर अंतू तिर्की ने की पूजा-अर्चना

RANCHI: राज्यसभा सांसद शिब् सोरेन के शीघ्र स्वास्थ्य एवं दीघार्यु की कामना करते हुए बुधवार को तेतर टोली सरना स्थल मोरहाबादी में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के अंतु तिर्की ने वैधानिक तरीके से पूजा अर्चना की। तिर्की के नेतृत्व में सरना स्थल पर पूरे विधि विधान से मोरहाबादी मौजा के मख्य पाहन सनी मंडा की ओर से पजा अर्चना किया गया। अंत तिर्की ने कहा हम सबों के आदर्श दिशुम गुरु शिबु सोरेन पर सरना माता की कपा बनी रहेगी। और वे शीघ्र स्वास्थ्य होकर वापस लौटेंगे। उनके शीघ्र स्वास्थ्य एवं दीघार्य के लिए विशेष प्रार्थना एवं पूजा अर्चना की गई।

# बेड़ो शहरी क्षेत्र की सड़कें बदहाल, मंडी आने में किसानों को झेलनी पड़ रही परेशानी

अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश

रांची-गुमला मुख्य मार्ग (एनएच-43) के फोरलेन बाईपास निर्माण के बाद बेड़ो के शहरी क्षेत्र की सड़कों की स्थिति अत्यंत जर्जर हो गई है। बाईपास बनने से पूर्व जो पुरानी सड़क बारीडीह से बेड़ो होते हुए जरिया तक जाती थी, वह लगभग छह किलोमीटर तक पूरी तरह टूट चुकी है। इस जर्जर मार्ग पर चलना लोगों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। बेड़ो शहरी क्षेत्र की यह मुख्य सड़क है, जो न केवल स्थानीय लोगों की जीवनरेखा है,बल्कि सब्जी उत्पादन और व्यापार की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहां स्थित पंडरा बाजार समिति द्वारा संचालित झारखंड की सबसे बडी थोक सब्जी मंडी तक



### मरम्मत के नाम पर होती है लीपापोती

स्थानीय लोगों का कहना है कि जब फोरलेन निर्माण हुआ था, तब उम्मीद जगी थी कि बेडो शहरी क्षेत्र की सड़कें और नालियां बेहतर बनाई जाएंगी। लेकिन, एनएचएआई की अनदेखी और सड़क निर्माण विभाग की उदासीनता ने लोगों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। बेड़ो शहर के नागरिकों का कहना है कि गङ्कों से भरी सड़कें और जलजमाव ने शहर की सुंदरता को भी बदरंग कर दिया है। कभी–कभी मरम्मत के नाम पर लीपापोती कर गेट्स लगा दिए जाते हैं, पर स्थायी समाधान नहीं किया जाता। सड़क के किनारे जलजमाव की स्थिति बनी रहती है, जिससे आवागमन और भी कठिन हो गया है।

पहुंचने के लिए किसान एवं व्यापारी इसी सड़क पर निर्भर हैं। राज्य के विभिन्न जिलों के साथ-साथ बिहार.

बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में सब्जियों की आपर्ति यहीं से होती है।

### काग्रेस नेताओं ने मनाया पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत का जन्मदिन



केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय का 74 वां जन्म दिवस प्रदेश कांग्रेस के कार्यालय में केक काटकर नेताओं और कार्यकताओं ने बुधवार को मनाया। इस अवसर पर उपस्थित प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने उनके दीघार्यु जीवन की कामना करते हुए कहा कि अपने सफल राजनीतिक जीवन में समाज के सभी वर्गों के विकास लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री अहम भूमिका निभा रहे

PHOTON NEWS RANCHI: पर्व हैं। उन्होंने कहा कि सबोधकांत सहाय हमेशा गलत नीतियों का विरोध करने के लिए युवाओं के प्रेरणा स्रोत रहे हैं। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेस विधायक दल नेता प्रदीप यादव और पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने उनके उत्तम और स्वस्थ जीवन लाभ की कामना करते हुए कहा कि यवाओं के हमेशा से प्रेरणास्त्रोत रहे सुबोधकांत सहाय अपने प्रारंभिक राजनीतिक जीवन से ही संघर्षों का प्रतीक रहे हैं।

# मुहर्रम को लेकर हुई शांति समिति की बैठक

PHOTON NEWS RANCHI:

बुधवार को बेड़ो प्रखंड के नरकोपी थाना परिसर में मुहर्रम पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक हुई ई। अध्यक्षता थाना प्रभारी नागेश्वर साव ने की। इसमें नरकोपी थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों जैसे नरकोपी. ईटा, चान्हो, डुमरी, डांड़ कंडारिया, करकरी, सेरो आदि में मुहर्रम पर्व को शांति. आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाने पर जोर दिया गया। बैठक में उपस्थित सभी



समुदायों के प्रतिनिधियों ने प्रशासन को सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि महर्रम पर्व की गरिमा बनाए रखने में सभी लोग मिलकर

कार की चपेट में आकर एनएचएआई कमी घायल, रिम्स रेफर

PHOTON NEWS RANCHI : बुधवार को रांची-गुमला मुख्य मार्ग पर एक सड़क हादसे में एनएचएआई कर्मी 55 वर्षीय

लाल संजय नाथ शाहदेव गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा थाना क्षेत्र के जरिया ब्रिज के समीप अपराह्न करीब चार बजे

किनारे खड़े थे और जैसे ही वह बाइक से घूमे, उसी वक्त रांची से गुमला की ओर जा रही एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें

के बाद कार चालक और उसके परिजनों ने तत्परता दिखाते हुए घायल को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेडो

हुआ, जब वे अपनी बाइक से साइट पर कार्यस्थल पर जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शाहदेव लेबर की प्रतीक्षा में सडक

जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरंदस्त थी कि वे सड़क पर गिर पड़े और उनके सिर में गंभीर चोटें आ गईं। घटना

पहुंचाया। यहां चिकित्सक डॉ. रिजवाना द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज हेतु रांची रिम्स रेफर कर दिया गया।

सहयोग करेंगे। मौके पर इदरीश अंसारी, हबीब अंसारी, सैयद कुरैशी, भवानी उरांव सहित कई

### ऑटो चालकों को सीएनजी आसानी से उपलब्ध कराए सरकार : संघ PHOTON NEWS RANCHI:

झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ ने कहा है कि पूर्व में राजधानी रांची में डीजल ऑटो और पैट्रोल ऑटो का परिचालन होता था, लेकिन तब किसी ऑटो चालकों का डीजल की किल्लत या कमी नहीं होती थी। लेकिन जब से सीएनजी ऑटो का रजिस्ट्रेशन शहरी क्षेत्रों में किया गया है। इससे ऑटो चालाकों को चार से छह घंटे लाइन लगाकर सीएनजी गैस लेना पड रहा है। ऐसे में उनकी रोज-रोटी मारी जा रही है। इस संबंध में संघ के अध्यक्ष दिनेश सोनी ने राज्य सरकार और जिला प्रशासन से सीएनजी गैस आसानी से ऑटो चालकों को उपलब्ध कराने की

मांग की है। उन्होंने कहा कि घंटों



लाइन लगाने से ऑटो चालकों की दिनभर की कमाई मारी जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार सीएनजी आसानी से उपलब्ध नहीं करा पाती है तो ऑटो चालकों को पूर्व की तरह की डीजल ऑटो चलाने की छूट दे। यदि सरकार उपरोक्त दोनों मांगों पर जल्द विचार नहीं करती है तो संघ सडक पर उतरकर आंदोलन करेगा। उल्लेखनीय है कि रांची में डीजल और सीएनजी ऑटो की संख?या 20 हजार से भी अधिक है।

बाटुमी इंटरनेशनल टूर्नामेंट में अब मनवाएगी प्रतिभा का लोहा

# रांची की बिटिया तनुश्री ने वुशू में भरी ऊंची उड़ान

रांची की बिटिया तनुश्री द्विवेदी वुशू में झारखंड का नाम रोशन कर रही हैं। वह जॉर्जिया में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाएंगी। एक से छह अगस्त 2025 तक बाटुमी इंटरनेशनल टूनामेंट (वुशू) का आयोजन किया जा रहा है। इसमें भाग लेने के लिए वह 27 जुलाई को रवाना होंगी। रांची की डीएसपीएमयू (डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी यूनिवर्सिटी) में वह बीकॉम की स्टूडेंट हैं।

तीसरी-चौथी क्लास से खेल रही वुशू: तनुश्री तीसरी-चौथी क्लास से ही वुशू खेल रही हैं। वह बताती हैं कि दीदी-जीजा जी ने उन्हें वुशू खेलने के लिए प्रेरित किया। 2014 से उन्होंने सब



जुनियर खेलना शुरू किया। रांची मेडल जीते हैं। अगस्त 2025 में के मोरहाबादी मैदान में कोच वह जॉर्जिया में वुशू में अपना दम

दीपक गोप ने उन्हें तरासा। धीरे-

धीरे उनकी प्रतिभा निखरती गयी।

कई नेशनल टूनामेंट्स में उन्होंने

जीत चुकी है कई मेडल : तनुश्री

ने वुशू में अब तक कई मेडल

दिखाएंगी।

डीएसपीएमयू की है छात्रा त्नुश्री द्विवेदी

डीएसपीएमयू ( डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी यूनिवर्सिटी) में बीकॉम सेकंड ईयर की स्टूडेंट हैं। उन्होंने १२वीं तक की पढ़ाई गुरुनानक हायर सेकेंड्री स्कूल से की है। परिवार में तीन भाई– बहन हैं। पिता पंकज कुमार द्विवेदी और मां रागिनी द्विवेदी हैं।

जीते हैं। जम्मू कश्मीर में आयोजित सब जुनियर नेशनल वुशू चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी हैं। हरियाणा के फतेहाबाद में उन्होंने जूनियर वुशू

नेशनल चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। महाराष्ट्र के पुणे में आयोजित सीनियर नेशनल वुशू चैंपियनशिप में इन्हें ब्रॉन्ज मेडल मिला। रांची के खेलगांव में आयोजित वुशू फेडरेशन कप में इन्होंने दो गोल्ड मेडल और एक ब्रॉन्ज मेडल जीता। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में आयोजित वुशू फेडरेशन कप में एक सिल्वर मेडल औक एक ब्रॉन्ज मेडल जीता। जम्मू कश्मीर में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी में तनुश्री ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए एक गोल्ड मेडल और एक ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इसके अलावा अन्य कई उपलब्धियां इनके नाम हैं।

### बिरसा उच्च विद्यालय के सैकड़ों विद्यार्थियों में हुआ पौधों का वितरण



PHOTON NEWS RANCHI: नगर निगम रांची की अगुवाई में बुधवार को कांके रोड वार्ड एक स्थित बिरसा उच्च विद्यालय रिलेशंस मिशन लाइफ के तहत पर्यावरण संरक्षण पर सेमिनार का आयोजन हुआ। इसके साथ ही विद्यार्थियो में 100 से अधिक फलदार वृक्षों का वितरण किया गया। मौके पर बतौर मुख्य अतिथि रांची नगर निगम के उप प्रशासक गौतम कुमार साहू, सौरभ केशरी सहायक अभियंता स्कूल कि

प्राचार्या सुषमा तिवारी, रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी, टीम ग्रीन के शुभम चौधरी, रांची नगर निगम के राजकुमार सुपरवाईजर, हॉटी कल्चर सेल समेत कई लोग मौजुद थे। छात्र-छात्राओ को संस्था की ओर से पर्यावरण संबंधित कई महत्त्व पूर्ण जानकारियां दी गई। इस अवसर पर मुख्य रूप से सुधाकर यादव, रौशन कुमार सहित स्कूल के कई शिक्षक शिक्षिकाएं एवं अन्य लोग मौजूद थे।

### एचसी के फैसले का श्रमिक संघ ने किया स्वागत

RANCHI: आउटसोर्सिंग व्यवस्था में काम कर रहे कर्मचारियों को अब न्यूनतम वेतन का अधिकार मिलेगा। झारखंड उच्च न्यायालय (एचसी) की ओर से पारित इस ऐतिहासिक आदेश का झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ ने जोरदार स्वागत किया है। संघ ने इसे श्रमिक अधिकारों की दिशा में मील का पत्थर बताया है। संघ के केंद्रीय अध्यक्ष अजय राय ने बुधवार को प्रेस रिलीज जारी करते हुए कहा कि वर्षों से सरकारी संस्थानों में ठेकेदारों के माध्यम से कार्यरत हजारों श्रमिकों को न्यूनतम वेतन तक नहीं मिल रहा था। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि कोई भी श्रमिक, चाहे वह प्रत्यक्ष रूप से नियुक्त हो या एजेंसी के माध्यम से, उसे सम्मानजनक पारिश्रमिक मिलना उसका संवैधानिक अधिकार है।

'डायरिया होने पर दें जिंक

अस्पताल, घाटशिला के सभागार

में बुधवार को डायरिया उन्मूलन

व ओआरएस का घोल'

### समाचार सार

### शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास ने मनाया स्थापना दिवस





प्राचार्य डॉ. अमर सिंह ने की। मुख्य वक्ता के रूप में जिला परिषद सदस्य एवं संस्था की विभाग संयोजिका डॉ. कविता परमार व एनआईटी जमशेदपुर के सहायक प्राध्यापक डॉ. नवीन कुमार वेल्दुर्थी उपस्थित थे। मंच पर डॉ. ब्रजेश कुमार, विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग, डॉ. नीता सिन्हा, सह प्राध्यापक, रसायन विभाग एवं आईक्यएसी संयोजिका तथा डॉ. अशोक कुमार रवानी, विभागाध्यक्ष, वाणिज्य विभाग भी मंचासीन थे। कार्यक्रम की शरूआत अतिथियों के परिचय एवं स्वागत से हुई, तत्पश्चात दीप प्रज्वलन की परंपरा निभाई गई। स्वागत भाषण प्राचार्य डॉ. अमर सिंह द्वारा प्रस्तत किया गया। इसके उपरांत डॉ. कविता परमार ने न्यास की स्थापना, ₹शिक्षा बचाओ आंदोलन₹ की पृष्ठभूमि एवं अब तक की यात्रा पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रियंका सिंह व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अशोक कुमार रवानी ने किया।

### सरायकेला के रोजगार शिविर में 28 अभ्यर्थी शॉर्टलिस्ट



सरायकेला-खरसावां के परिसर में बुधवार को एक दिवसीय रोजगार शिविर का आयोजन किया गया। जिला कुमार टोपनो ने बताया कि शिविर में बीएन ट्रैक्टर्स

(महिंद्रा) एवं एलआईसी ऑफ इंडिया के प्रतिनिधियों द्वारा सेल्समैन, कंप्यूटर ऑपरेटर, मैकेनिक, हेल्पर तथा बीमा सखी सहित विभिन्न पदों के लिए साक्षात्कार के बाद 28 उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया है।

### दुकान का छप्पर तोड़कर 20 हजार रुपये चोरी

CHAKRADHARPUR: पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर थाना अंतर्गत इतवारी बाजार में एक राशन दुकान का छप्पर तोड़कर 20 हजार रुपये की सामग्री चोरी हो गई। इसका पता बुधवार की सुबह चला, जब मालिक दुकान खोलने पहुंचा। दुकानदार रामप्रवेश सिंह की सूचना पर चक्रधरपुर थाना की पुलिस जांच-पड़ताल में जुट गई। बताया जाता है कि रेलवे क्षेत्र में इतवारी बाजार की दुकानों में आए दिन चोरी की घटना हो रही है। बाजार के दुकानदारों ने कहा कि पुलिस को गश्त बढ़ानी होगी।

### बस और डंपर में टक्कर, दर्जनों यात्री घायल



झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिला

अंतर्गत बहरागोडा-बारीपदा

(ओडिशा) मार्ग स्थित जामशोला

के समीप प्रोपिलीन गैस टैंकर से

रिसाव बंद कर दिया गया है। अब

स्थिति सामान्य हो गई है। विशेषज्ञों

की देखरेख में गैस रिसाव को

नियंत्रित कर क्षतिग्रस्त टैंकर से गैस

को सरक्षित रूप से अन्य वाहन में

स्थानांतरित किया गया, जिसे

गंतव्य की ओर रवाना कर दिया

गया है। वर्तमान में स्थिति पर्णतः

नियंत्रण में है एवं राष्ट्रीय राजमार्ग

पर आवागमन सामान्य रूप से

बहाल किया जा रहा है। एनएच पर

वाहनों का आवागमन सामान्य हो

रहा है। इसे लेकर पूर्वी सिंहभूम के

उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने राहत एवं

बचाव कार्य में तत्परता और

समन्वय के लिए विशेषज्ञों की

सड़क हादसा हो गया। यात्रियों से भरी बस और हो गई, जिसमें दर्जनों यात्री

बहरागोड़ा में एनएच पर गुजरते वाहन

टीम, एनडीआरएफ, अग्निशमन

विभाग, स्थानीय ग्रामीणों एवं जिला

प्रशासन व पलिस पदाधिकारियों

की सराहना की। उन्होंने कहा कि

सभी टीमों की त्वरित प्रतिक्रिया से

संभावित खतरे को सफलतापूर्वक

टाला जा सका। यहां बता दें कि

पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा

थाना क्षेत्र में एनएच-४९ पर

बंद हुआ प्रोपिलीन गैस का रिसाव, बहरागोड़ा

में एनएच पर सामान्य हो गया आवागमन

घायल हो गए। बस चाईबासा से जमशेदपुर जा रही थी, जबिक डंपर जमशेदपुर से चाईबासा की ओर जा रहा था। जैसे ही दोनों वाहन केसर गड़िया के पास पहुंचे, तेज रफ्तार के कारण उनकी भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। डंपर चालक और खलासी गाड़ी छोड़कर फरार हो गए। घायल यात्रियों को चाईबासा के सदर अस्पताल और राजनगर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

# अब भी फरार है चाकुलिया लूटकांड का मास्टरमाइंड

### जेल भेजे गए बंगाल में पकड़े गए दोनों अपराधी, तीसरे के लिए चल रही छापेमारी

पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया थाना क्षेत्र के मिस्त्रीपाड़ा में स्वर्णकार अरुण कुमार नंदी से हुई तकरीबन दो करोड़ के गहने की लूट का मास्टरमाइंड अब भी फरार है। पुलिस इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। उसकी गिरफ्तारी के लिए कई संदिग्ध ठिकानों पर दिबश दी जा रही है। पुलिस को आशंका है कि यह शातिर अपराधी पश्चिम बंगाल में ही कहीं छिपा हुआ है। पुलिस ने गिरफ्तार दो अपराधियों को बुधवार को जेल भेज दिया

सोमवार को 30 जून की रात चाकुलिया के पुराना बाजार निवासी अरुण कुमार नंदी के घर पर अज्ञात अपराधियों ने हथियार और चाकू का भय दिखाकर



पत्रकारों को मामले की जानकारी देते ग्रामीण एसपी ऋषम गर्ग

ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि इस घटना के तीनों आरोपी शातिर लुटेरे हैं। तीनों पर कई केस हैं। गिरफ्तार आरोपी रफीक के ऊपर 17 केस हैं। रफीक जमशेदपुर से सटे तामोलिया में किराए के मकान में रहता है। निरंजन पर सात केस हैं। तीसरा फरार आरोपी भी शातिर है। उस पर कई केस हैं। पुलिस ने बताया कि इन तीनों ने चाकुलिया जाकर घटना को कैसे अंजाम दिया, इसकी जांच चल रही है। जरूर इसके पीछे कोई स्थानीय लिंक है। चाकुलिया के किस अपराधी ने इन शातिर लुटेरों को जानकारी उपलब्ध कराई, इसका भी पता लगाया जा रहा है।

इस मामले में घटना की गंभीरता अधीक्षक के निर्देश पर घाटशिला

आभूषण और रुपये लूट लिए थे। को देखते हुए वरीय पुलिस अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के

नेतत्व में छापामारी दल का गठन

तस्कर से मुक्त

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी

सिंहभूम जिले में चक्रधरपुर थाना की

पुलिस ने बुधवार की सुबह तस्करी के

लिए ले जॉए जा रहे 13 बैलों को

त्वरित कार्रवाई की। हालांकि इस

हैं। इस मामले में अज्ञात लोगों के

खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की

कार्रवाई की जा रही है।

### की पुलिस की सहायता से तीन संदिग्धों को मोटरसाइकिल पर भागते हुए देखा गया। पुलिस को देखते ही उन्होंने भागने की कोशिश की, लेकिन दो आरोपियों को दबोचा गया। इसके बाद पुलिस ने बिहार के औरंगाबाद जिले के रफीगंज थाना क्षेत्र के बड़गांव के रहने वाले रफीक और बागबेड़ा के ट्रैफिक कॉलोनी के रहने वाले निरंजन गौड़ को गिरफ्तार कर लिया था। ये दोनों गिरफ्तारी पश्चिम बंगाल की जामबनी थाना की पुलिस ने की थी। दोनों को गिरफ्तार कर चाकुलिया पुलिस को सौंप दिया गया। चाकुलिया थाना की पुलिस ने बुधवार को

दोनों आरोपियों को जेल भेज

किया गया। छापेमारी के दौरान

पश्चिम बंगाल के जामबनी थाना

को लेकर सहिया एवं सीएचओ को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आरएन सोरेन व डब्लूएचओ के प्रतिनिधि प्रशांत कालिंदी भी उपस्थित थे। ब्लॉक मैनेजर मयंक कुमार ने प्रशिक्षुओं को बताया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से 1 से 31 जलाई तक डायरिया उन्मलन कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके तहत गांव में बड़े, बुजुर्ग व छोटे बच्चों को डायरिया होने पर ओआरएस एवं जिंक का घोल बनाकर दें, पानी उबालकर पीने तथा साफ सफाई रखने को लेकर गांव गांव में प्रचार करें। यदि किसी को भी 5 से 6 बार दस्त होने पर सहिया तत्काल एएनएम को रिपोर्ट करें। जरूरत पड़ने पर तत्काल रेफर किया जाए। इसके साथ ही 6 माह तक के बच्चों को स्तनपान कराने के लिए माताओं को जागरूक

करें। उन्होंने बताया कि बरसात में

कई तरह की बीमारी साफ सफाई

नहीं होने के कारण पनपती है।

इसकी रोकथाम के लिए सबको

# डीसी ने किया जिलास्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन



टिनप्लेट मैदान में फुटबॉल को किक मारते उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी

JAMSHEDPUR: उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने बुधवार को गोलमुरी भलियाकुदर के पास से मुक्त कराकर थाना ले आई। पुलिस को गुप्त सूचना स्थित टिनप्लेट मैदान में जिलास्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता मिली थी कि चक्रधरपुर थाना क्षेत्र में का उद्घाटन किया। इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में पूर्वी सिंहभूम जिले तस्कर बैलों को भलियाकुदर के रास्ते के सभी प्रखंडों से अंडर-17 बालक एवं बालिका वर्ग की विजेता से ले जा रहे हैं। इसके बाद पुलिस ने टीमें हिस्सा ले रही हैं। उपायुक्त ने गुब्बारे उड़ाकर और फुटबॉल को किक मारकर प्रतियोगिता शुरू कराई। इस अवसर पर जिला शिक्षा दौरान तस्कर फरार हो गए। पुलिस ने सभी बैलों को चक्रधरपुर थाना में रखा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, एपीओ व काफी संख्या में खेल है। इस संबंध में चक्रधरपुर के थाना प्रेमी उपस्थित थे। उपायुक्त ने खिलाड़ियों से मिलकर उनका प्रभारी अवधेश कुमार ने बताया कि गुप्त उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि सुब्रतो कप एक प्रतिष्ठित सूचना पर पुलिस ने 13 बैलों को पकड़ा प्रतियोगिता है। खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने का संदेश देते हुए कहा कि हार-जीत खेल का हिस्सा है, लेकिन सच्ची जीत टीम भावना, अनुशासन और समर्पण में होती है।

# भोगनाडीह की घटना में भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व शामिल : मंत्री

### राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन

ने बुधवार को कहा कि हुल दिवस के अवसर पर 30 जून को भोगनाडीह शहीद स्थल पर हुई घटना भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के षड्यंत्र का परिणाम है। इस घटना को अंजाम देने के लिए कई दिनों से भाजपा के गिरफ्तार हुए कार्यकर्ता कैंप किए हुए थे। सवाल है कि जमशेदपुर का युवक वहां क्या कर रहा था। झामुमो के संपर्क कार्यालय में रामदास सोरेन अपने मंत्रालय के विवेकाधीन निधि से चेक वितरण करने के दौरान पत्रकारों से कहा कि वहां के डीसी एवं एसपी ने जिस तरह से हस्तक्षेप कर मामले को शांत किया, वह सराहनीय है। एसडीओ का एक हाथ टट गया है, जबकि दो पलिस जवान को तीर लगा है।



इसके बावजूद जिला प्रशासन ने काफी संयम से काम लिया और कार्यक्रम संपन्न कराया। उस कार्यक्रम में रामदास सोरेन ही मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि बनकर शामिल हुए थे। सोरेन ने कहा कि आदिवासी समाज के छोटे या बड़े समारोह में भाजपा विवाद उत्पन्न करने के लिए सुनियोजित तरीके से इस तरह के घटना को अंजाम

पर बहरागोडा के बीडीओ केशव

भारती, अंचल अधिकारी राजाराम

सिंह मुंडा तथा थाना प्रभारी शंकर

प्रसाद कुशवाहा दल-बल के साथ

पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि गैस

रिसाव बंद करने के लिए ओडिशा

के बालेश्वर से एक्सपर्ट को

बुलाया गया था। सुरक्षा की दृष्टि से

प्रशासन द्वारा फायर ब्रिगेड का

इंतजाम कर मौके पर रखा गया।

चालक ने बताया कि यह गैस

टैंकर मथुरा से पारादीप जा रहा

था। इसमें लगभग 20 टन प्रोपिलीन

गैस भरा हुआ है। बहरागोड़ा के

कालियाडिंगा ओवरब्रिज के नीचे

दुर्घटनाग्रस्त होने से गैस का रिसाव

शुरू हो गया। अंदाजा होते ही गैस

टैंकर के चालक ने जान-जोखिम

में डालकर घनी आबादी से दूर

लाकर टैंकर खड़ा कर दिया।

दे रही है। यदि ऐसा ही रहा तो आदिवासी समाज ऐसी राजनीति बहिष्कार करेगी।

मंत्री ने घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न प्रखंड के छात्र-छात्राएं एवं इलाजरत मरीजों में अपने मंत्रालय के विवेकाधीन निधि से आठ लोगों में चार लाख रुपये का चेक वितरित किया।

# बिरसानगर के हनुमान



JAMSHEDPUR : बिरसानगर जोन नंबर तीन स्थित हनुमान मंदिर में एक बार फिर चोरी हुई है। मंगलवार रात करीब 11 बजे एक चोर मंदिर में घुसा और पूजा के पीतल वाले बर्तन चुरा ले गया। चोरी की परी घटना मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। चोरी गए बर्तनों की अनुमानित कीमत 10 हजार रुपये बताई जा रही है। मंदिर के सेवक राजेंद्र गोराई ने बताया कि मंगलवार को मंदिर में पजा हुई थी, जिससे बर्तन बाहर रखे हुए थे। इसी का फायदा उठाकर चोर ने वारदात को अंजाम दे दिया। बिरसानगर थाना की पुलिस घटनास्थल का मुआयना करने के बाद सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की पहचान कर

### मंईयां योजना : 2.33 लाख महिलाओं के खाते में भेजे गए 58.25 करोड रूपये

31 हजार लाभुकों की चल रही है जांच, प्रखंडों में जारी कर दी गई नॉन-डीबीटी लाभुकों की सूची

### **PHOTON NEWS JSR:**

पूर्वी सिंहभूम में झारखंड मख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों के खाते में मई की किस्त पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। सामाजिक सुरक्षा कोषांग ने जिले की दो लाख 33 हजार महिलाओं के लिए कुल 58 करोड़ 25 लाख रुपये की रकम बैंक में भेज दी है। बुधवार से महिलाओं के खाते में यह रकम आने की कवायद शरू हो गई है। मई माह की रकम खाते में आने से महिलाएं खश हैं। माना जा रहा है कि दो-चार दिन के अंदर जिले की सभी महिला लाभुकों के खाते में रकम पहुंच जाएगी। जिले में झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लगभग दो लाख 64 हजार लाभुक हैं। इन लाभुकों में



बैंक में भेजी गई रकम

झारखंड सरकार के अधिकारियों ने सामाजिक सुरक्षा कोषांगों के साथ वीसी की थीं। इसी वीसी में पूर्वी सिंहभूम जिले के सामाजिक सुरक्षा कोषांग की निदेशक को निर्देश दिया गया कि योजना के लाभुकों के खाते में मई माह की रकम भेज दी जाए। इसी के बाद यह रकम बैंक भेजी गई और अब बैंक से महिलाओं के खाते में रकम भेजी जा रही है।

से 31 हजार लाभुकों की जांच चल रही है। इनमें से कई लाभुकों के खाते नॉन डीबीटी हैं। इस

वजह से सामाजिक सुरक्षा कोषांग इन 31 हजार लाभुकों को फिलहाल रकम नहीं भेज रहा है। बाकी दो लाख 33 हजार लाभुकों के खाते के लिए प्रति खाते 2500 रुपये के हिसाब से रकम बैंक में भेजी गई है। सामाजिक सुरक्षा कोषांग की निदेशक नेहा संजना खल्को ने बताया कि झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के जिन लाभुकों के खाते नॉन डीबीटी हैं, उनकी सूची भेज प्रखंडों को भेज दी गई है। उन्होंने महिलाओं से कहा है कि वह अपने प्रखंडों में जाकर सूची देख लें और अगर उसमें उनका नाम है तो अपने बैंक खाते को डीबीटी करा लें। अब मख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की रकम उन्हीं खातों में भेजी जा रही

है जो बैंक खाते डीबीटी हैं।

### कोल्हान प्रमंडल में पीएफ विभाग से निबंधित करीब ४५०० कंपनियां हो सकतीं लामान्वित : क्षेत्रीय आयुक्त

# ईएलआई स्कीम में नई नौकरी देने वाले नियोक्ता भी होंगे 'मालामाल'

• फोटोन न्यूज

मंगलवार की सुबह एक टैंकर से

प्रोपिलीन गैस का रिसाव होने लगा

था। बेला-गम्हरिया चौक के बीच

टैंकर से गैस रिसाव होने से क्षेत्र में

दहशत का माहौल बन गया था।

प्रशासन ने एनएच पर दोनों ओर से

वाहनों का आवागमन रोक दिया

था। इसके साथ ही एनएच के दोनों

किनारे वाहनों की लंबी कतार लग

भारत सरकार ने सभी क्षेत्रों में रोजगार सृजन, रोजगार क्षमता और सामाजिक सुरक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए ईएलआई (इम्प्लायमेंट लिंक्ड इंसेंटिव) लॉन्च किया है, जिसके तहत नई नौकरी देने वाले नियोक्ता भी मालामाल होंगे।

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, जमशेदपुर उपेन्द्र प्रताप सिंह ने द फोटोन न्यूज को बताया कि इस भाग में सभी क्षेत्रों में अतिरिक्त रोजगार सृजन को शामिल किया गया है, जिसमें विनिर्माण क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। नियोक्ताओं को 1 लाख रुपये तक के वेतन वाले कर्मचारियों को नौकरी देने पर प्रोत्साहन मिलेगा। सरकार नियोक्ताओं को कम से छह महीने तक निरंतर



उपेन्द्र प्रताप सिंह, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

रोजगार वाले प्रत्येक अतिरिक्त कर्मचारी के लिए दो साल तक 3000 रुपये प्रतिमाह तक का प्रोत्साहन देगी। विनिर्माण क्षेत्र (मैन्युफैक्करिंग सेक्टर) के लिए प्रोत्साहन तीसरे और चौथे वर्ष तक

भी बढ़ाया जाएगा। वैसे फिलहाल यह योजना दो वर्ष के लिए प्रभावी

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने बताया कि कोल्हान प्रमंडल में

### पहली नौकरी का पहला वेतन अतिरिक्त देगी सरकार

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त उपेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि पहली नौकरी पर जाने वाले को सरकार पहला वेतन अतिरिक्त देगी, लेकिन यह राशि 15,000 रुपये तक होगी। इस तरह की योजना सरकार पहले भी अलग-अलग नाम से ला चुकी है। ऐसा देखा गया गया है कि इस योजना से रोजगार सृजन दर में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। एक महीने का ईपीएफ वेतन 15,000 रुपये तक दो किस्तों में दिया जाएगा। इसके लिए 1 लाख रुपये तक के वेतन वाले कर्मचारी पात्र होंगे। बचत की आदत को प्रोत्साहित करने के लिए, प्रोत्साहन राशि का एक हिस्सा एक निश्चित अवधि के लिए जमा खाते के बचत साधन में रखा जाएगा, जिसे कर्मचारी बाद में निकाल सकता है।

पीएफ विभाग से निबंधित हैं। अतिरिक्त कर्मचारी (50 से कम इसके दायरे में ये सभी संस्थान-प्रतिष्ठान आएंगी।

ईपीएफओ से पंजीकृत प्रतिष्ठानों को कम से कम छह महीने के लिए निरंतर आधार पर कम से कम दो

कर्मचारियों वाले नियोक्ताओं के लिए) या पांच अतिरिक्त कर्मचारी (50 या अधिक कर्मचारियों वाले नियोक्ताओं के लिए) नियुक्त करने

### जुगसलाई में ऑटो चालक पर जानलेवा हमला, रिम्स रेफर

JAMSHEDPUR : जुगसलाई थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक ऑटो चालक पर चाकू से जानलेवा हमला किया गया। इस हमले में ऑटो चालक मो. शहंशाह (23) गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे टीएमएच अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक जांच के बाद उसे रिम्स रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, मो शहंशाह और साहिल के बीच पारिवारिक विवाद था। यह विवाद इतना बढ़ गया कि साहिल ने शहंशाह पर चाकू से हमला कर दिया। उसके शरीर पर दो जगह चाकू लगा है। इस घटना की सूचना जुगसलाई थाना को दे दी गई है। पुलिस आरोपी साहिल की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

### श्रमदान से दुरुस्त् कर दी डीसी ऑफिस के सामने की सड़क



सड़क की मरम्मत करते स्थानीय निवासी

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला मुख्यालय चाईबासा के समाहरणालय के पास हरिगुटू में ग्रामीणों ने श्रमदान से सड़क को दुरुस्त कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क की जर्जर स्थिति के कारण बच्चों को स्कूल छोड़ने और काम पर जाने में परेशानी होती है। बरसात के पानी से सड़क और भी खराब हो गई है, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। सड़क

निर्माण के लिए कोई कार्रवाई नहीं होने पर ग्रामीणों ने स्वयं चंदा पैसा इकट्ठा कर सड़क निर्माण करने का निर्णय लिया। ग्रामीण श्रमदान के तहत सड़क निर्माण में जुट गए। स्थानीय निवासी लेयंगी ने कहा कि सड़क की जर्जर स्थिति के कारण ग्रामीणों को बहुत परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण के लिए सरकार और प्रशासन को ध्यान देना चाहिए।



# बजट में द्रिप प्लानकरने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें

सिंगल मदर्स के लिए बच्चे की परवरिश करना आसान नहीं होता है। क्योंकि उनकी जिंदगी में ऐसी कई परेशानियां आती हैं, जिन्हें वह अकेले मैनेज करती हैं। लेकिन सिंगल मदर्स अपने बच्चे को हर खुशी देने की कोशिश करती हैं। इस समय गर्मी की छुँट्टियां चल रही हैं और बच्चे घूमने जाने की जिद करते हैं। ऐसे में मां अपने बच्चे के लिए भी ट्रिप प्लान करती हैं। लेकिन सवाल यह है कि वह कम बजट में ट्रिप कैसे प्लान करें। क्योंकि उन्हें अकेले ही घर और बाहर सब मैनेज करना होता है। वहीं अगर आप भी सिंगल मदर हैं और बजट में ट्रिप प्लान करने में परेशान हो रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे हैक्स बताने जा रहे हैं,

जिनको फॉलो करके आप सिर्फ 10 हजार रुपए में घुमने का प्लान बना सकती हैं।

### ऐसे प्लान करें ट्रिप

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें। क्योंकि सही लोकेशन आपके बजट को कम करती है। भले ही आप इन जगहों पर घूम चुकी हों, लेकिन बच्चे के लिए आप किसी सस्ती जगह का चुनाव कर सकती हैं।

वहीं सिंगल मदर्स को ऐसी जगह का चुनाव करना चाहिए, जहां पर अच्छी सुविधा और सुरक्षा के लिहाज से भी ठीक हो। जहां पर सस्ते ऑटो या कैब आदि आसानी से मिल सकें। जैसे पहाड़ों वाली जगह पर हर

चीज का दाम अधिक रहता है। इन जगहों पर खाने-पीने से लेकर स्टे तक के साधन काफी महंगे होते हैं।

वहीं आपको अपने साथ कुछ खाने पीने की ऐसी चीजें रखनी चाहिए, जो जल्दी खराब न हों। ट्रिप के दौरान आप साथ में फल लेकर जा सकती हैं। इससे स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा और जल्दी भूख भी नहीं

### बजट में घूमने के लिहाज से टूर पैकेज बेस्ट ऑप्शन होते हैं

सही लोकेशन का चुनाव करने पर आपको होटल भी कम दाम में मिल जाते हैं और यहां पर पहुंचना भी आसान होता है।

अधिकतर सिंगल मदर्स शहर से बाहर नहीं जाना चाहती हैं, तो आप शहर में रहकर भी घूमने जाने का प्लान बना सकती हैं।आप शहर में बच्चे को ऐसी जगह घुमाएं, जहां पर बच्चे हमेशा से जाना चाहते थे। ऐसा करने से न सिर्फ ट्रैवल और होटल का खर्चा बचेगा, बल्कि शहर में रहकर बच्चे अपनी पसंदीदा जगह घूम

दूसरे शहर में कम खर्चे के लिहाज से आप शेयरिंग के साधन से घूम सकती हैं। क्योंकि इसमें कम बजट होता है। वहीं बच्चों के साथ घूमने के लिए यह टिप्स आपकी यात्रा को आसान बना देंगी।



# देहरादून में करना चाहते कुछ तूफानी तो जरूर एक्सप्लोर करें ये जगहें, जमकर कर सकेंगे मस्ती

देहरादून एक ऐसी जगह है, जहां पर आपको खूबसूरत हिल स्टेशन मिलेंगे। यहां से हरिद्वार, ऋषिकेश, मसूरी और धनोल्टी जैसी कई जगहों पर आप जा सकते हैं। वहीं अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक अनुभव करना चाहते हैं। वहीं कुछ देहरादून में ऐसी जगहों की तलाश करना चाहते हैं, जहां पर कुछ अच्छी एक्टिवटी कर सकें। अगर आप भी देहरादून में कुछ तूफानी करना चाहते हैं, तो आपको आसपास के हिल स्टेशन पर घूमने जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको देहरादून की कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे

रॉबर्स केव देहरादून

देहरादून की यह आपको काफी रोमांचक लगेगी। क्योंकि इसकी बनावट लोगों को

आकर्षित करती है। जिन लोगों ने पहले कभी गुफा वाली जगहों पर प्रवेश नहीं

किया है, उनके लिए यह एडवेंचर्स साबित हो सकता है।क्योंकि यहां पर आपको पैदल जाना होगा। पैरों में पानी होता है और मछलियां आपके पैरों को छूती हैं। हालांकि शुरूआत में आपको गुफा में चलने में थोड़ा डर लग सकता है, लेकिन धीरे-धीरे अंदर जाते ही नॉर्मल लगने लगेगा। प्रयास करें कि आप सुबह-सुबह पहुंचें, क्योंकि यहां पर बहुत भीड़ लगती है। यह मसूरी के पास घूमने लायक अच्छी जगहों में से एक है।

रॉक क्लाइबिंग

अगर आप कुछ तूफानी करना चाहते हैं और बिना किसी सहारे के पेड़ पर चढ़ना चाहते हैं। तो आपको देहरादून में रॉक क्लाइंबिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। यह सालन गांव में रॉक क्लाइबिंग करवाई जाती है। जहां पर आपको

हर दिन भीड़ देखने को मिलेगी । आप यहां पर कैंपिंग के साथ कई तरह की एक्टिविटी भी कर सकते हैं।वहीं आप यहां पर पैकेज भी बुक कर सकते हैं और पूरा रात टेंट में बिता सकते हैं। इस दौरान आपको मिट्टी के बर्तन में खाना बनाना होगा और पूरी लाइफ कैंप की तरह जीना होगा। यह आपके लिए एक रोमांचक अनुभव हो सकता है।

मालसी डियर पार्क

अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक करना चाहते हैं, तो मालसी डियर पार्क जा सकते हैं। क्योंकि यह जगह आपको निराश नहीं करेगी। आप यहां पर जिप लाइनिंग और तरह-तरह की एक्टिवटी भी कर सकेंगे। बच्चों को भी यहां पर एक्टिवटी करवाई जाती है। वहीं अगर आप छोटा ट्रिप प्लान कर रही हैं, तो आपको यहां पर आपको भूलकर भी नहीं जाना चाहिए।यह देहरादून के पास घूमने वाली बेस्ट जगहों में से एक है।

# भीड़ से दूर बेहद शांत है उत्तराखंड का ये हिल स्टेशन, जन्नत में आने का होगा एहसास

समर वेकेशन में हजारों लोग घूमने-फिरने के लिए निकल गए हैं। तो वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्होंने अभी तक कोई ट्रिप प्लान नहीं कर पाए हैं। वह किसी पहाड़ी जगह पर घूमने जाना चाहते हैं, लेकिन लोकेशन नहीं ढूंढ पा रहे हैं।वहीं कुंछ लोग ऋषिकेश-नैनीताल नहीं जाना चाहते हैं, क्योंकि इन जगहों पर समर वेकेशन में यहां पर पर्यटकों की अधिक भीड़ आती है। इसलिए अगर आप किसी ऐसी जगह की तलाश कर रहे हैं, जो नैनीताल और ऋषिकेश से भी अधिक सुंदर हो। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की एक सबसे खूबसूरत जगह के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुनस्यारी – अगर आप भी दिल्ली की गर्मी से परेशान होकर अपने परिवार के साथ उत्तराखंड में अच्छी जगह ढूंढ रहे हैं। तो फौरन आपको मुनस्यारी का ट्रिप प्लान करें। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, ट्रेकिंग और ऊंचे पहाड़ों के लिए जाना जाता है। मुनस्यारी में गर्मियों में आपको अधिक भीड़ नहीं मिलने वाली है। क्योंकि मुनस्यारी काफी ऊंचाई पर स्थित है। नैनीताल से मुनस्यारी पहुंचने में आपको करीब 11 से 12 घंटे का समय लगता है। वहीं ऋषिकेश से भी यहां तक पहुंचने में करीब इतना ही समय लगेगा। यह मसूरी के पास घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

### ऐसे पहुंचे मुनस्यारी

अगर आप दिल्ली से यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करने के लिए अच्छा है। हालांकि इसमें ज्यादा समय लग सकता है।

अगर आप चाहें तो दिल्ली से देहरादून के लिए ट्रेन ले सकते हैं। फिर मुनस्यारी के लिए बस ले सकते हैं।

इसके साथ ही मुनस्यारी के लिए कैब की सुविधा भी मौजूद है। लेकिन इसमें खर्च ज्यादा होता है। वहीं अगर आप बजट में यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करें ।

आने-जाने में असुविधा न हो इसके लिए पहले से बस की बुकिंग कर लें। क्योंकि अधिक भीड़ होने पर आपको बस में सीट मिलने में मुश्किल हो सकती है।

दिल्ली से मुनस्यारी की दूरी करीब 604 किमी है। यहां पर पहुंचने में आपको 13–14 घंटे का समय लग सकता है।

प्रयास करें कि आप रात में बस ले लें। जिससे कि सुबह मुनस्यारी में ही आंख खोलें। इससे आपका सफर आराम से

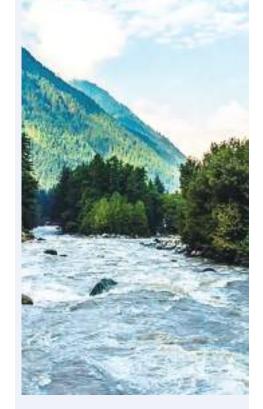
मुनस्यारी परिवार के साथ घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

### प्रकृति, शांति और रोमांच का संगम है पार्वती घाटी में बसा कसोल

हिमाचल प्रदेश की पार्वती घाटी में बसा कसोल एक छोटा लेकिन बेहद खुबसूरत पर्यटन स्थल है, जो खासकर युवाओं, ट्रेकिंग प्रेमियों और विदेशी पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। समुद्र तल से लगभग 1,580 मीटर की ऊँचाई पर स्थित कसोल को ५५भारत का मिनी इज़राइल५ भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ बड़ी संख्या में इजराइली पर्यटक आते हैं और यहाँ की संस्कृति में उनका प्रभाव देखा जा सकता है।

कसोल की खासियत

कसोल एक शांत और सुरम्य गाँव है, जो पार्वती नदी के किनारे स्थित है। यहाँ का वातावरण बेहद शांत, स्वच्छ और ठंडा होता है। ऊँचे पहाड़, घने देवदार के जंगल, कलकल बहती पार्वती नदी और रंग-बिरंगे कैफ़े इस स्थान को बेहद आकर्षक बनाते हैं।



### प्रमुख आकर्षण

### 1. पार्वती नदी

यह तेज बहाव वाली नदी कसोल की जान मानी जाती है। इसके किनारे टहलना, चट्टानों पर बैठकर मन को शांति देना और फोटोग्राफी करना पर्यटकों को बहुत पसंद आता है।

### 2. तोश और मणिकरण

कसोल से थोड़ी दूरी पर स्थित ये गाँव अपने प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध हैं। मणिकरण में गर्म पानी के झरने और गुरुद्वारा प्रमुख आकर्षण हैं, जबिक तोश ट्रेकिंग प्रेमियों का पसंदीदा गाँव है।

कसोल से लगभग 30 मिनट की पैदल दूरी पर स्थित यह छोटा गाँव ट्रेकिंग और कैम्पिंग के लिए आदर्श है। यहाँ आप स्थानीय संस्कृति को करीब से जान सकते हैं।

### 4. इज़राइली कैफ़े और भोजन

कसोल में कई इज़राइली कैफ़्रे और रेस्तराँ हैं जहाँ आप फलाफल, शाकशूका, हुम्मस आदि विदेशी व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं।

### कसोल में करने योग्य गतिविधियाँ

ट्रेकिंग (खीरगंगा, तोश, चालल, ग्रहन) कैम्पिंग और बोनफायर

रिवर साइड कैफ़्रे में समय बिताना स्थानीय लोगों से मिलकर पहाड़ी संस्कृति को

हर्बल चाय और हिमाचली हस्तशिल्प की खरीदारी

यात्रा का उत्तम समय

मार्च से जून- गर्मियों में ठंडी जलवायु और ट्रेकिंग के लिए अनुकूल मौसम।

सितंबर से नवंबर- मानसून के बाद की हरियाली और साफ आसमान।

दिसंबर से फरवरी- बर्फबारी का आनंद लेने के लिए उत्तम।

कैसे पहुँचे कसोल?

हवाई मार्गः निकटतम हवाई अड्डा भुंतर (कुल्लू) है, जो कसोल से लगभग 31 किमी दूर

रेल मार्गः निकटतम रेलवे स्टेशन जोगिंदरनगर है, लेकिन सड़क मार्ग से पहुँचना अधिक सुविधाजनक है।

सड़क मार्ग्ट दिल्ली, चंडीगढ़ और मनाली से कसोल तक नियमित बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं।

कसोल एक ऐसा गंतव्य है जहाँ आप भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के साथ एक गहरा रिश्ता बना सकते हैं। यहाँ का शांत वातावरण, रोमांचक ट्रेक्स, विदेशी भोजन और पहाड़ी सौंदर्य, हर पर्यटक को मंत्रमुग्ध कर देता है। चाहे आप सोलो ट्रैवलर हों, कपल या दोस्तों के साथ – कसोल हर किसी के लिए एक यादगार अनुभव है।

# हिन्दी को संघर्ष का नहीं, सेतु का माध्यम बनायें



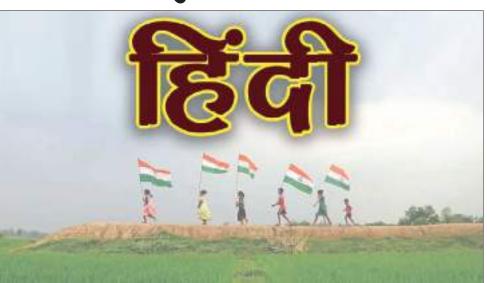
ललित गर्ग

हिन्दी को हथियार बनाकर उद्धव टाकरे और राज टाकरे ने मराठी समर्थक राजनीति को इस तरह से गरमा दिया था कि सरकारी प्रयासों के हाथ-पांव फूलने लगे और अपने फैसलों पर पुनर्विचार करना पड़ा। ठाकरे बंधुओं का हिन्दी विरोधी आदोलन दिनोंदिन उग्र होता जा रहा था।

क्षिण भारत के विभिन्न राज्यों में हिन्दी विरोध की राजनीति अब महाराष्ट्र में भी उग्र से उग्रत्तर हो गयी, इसी के कारण त्रिभाषा नीति को महाराष्ट्र में लगा झटका दुखद और अफसोसजनक है। आखिरकार राजनीतिक दबाव, लंबी रस्साकशी और कशमकश के बाद महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने स्कूलों में हिंदी की पढ़ाई से जुड़े मुद्दे पर यू-टर्न लेते हुए अपने कदम पीछे खींच लिए। विदित हो कि केंद्र सरकार की नीति के तहत महाराष्ट्र के स्कूलों में पहली कक्षा से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जाना था। राजनीतिक आग्रहों एवं दुराग्रहों के चलते अब ऐसा नहीं हो पाएगा। मतलब, महाराष्ट्र को तीसरी भाषा के रूप में भी हिंदी मंजूर नहीं है। महाराष्ट्र में हिंदी का संकट वास्तव में एक गहरे सामाजिक-राजनीतिक विमर्श का हिस्सा है। यह केवल भाषाई नहीं, बल्कि अस्मिता, पहचान और सह-अस्तित्व से जुड़ा हुआ है। जबिक भाषा को संघर्ष का नहीं, सेतु का माध्यम बनाना चाहिए। क्योंकि जब मराठी और हिंदी एक-दूसरे की सहयोगी बनेंगी, तभी महाराष्ट्र और भारत दोनों का भविष्य उज्ज्वल होगा और तभी महाराष्ट्र राष्ट्रीयता से जुड़ते हुए समग्र विकास की ओर अग्रसर हो सकेगा।

हिन्दी को हथियार बनाकर उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने मराठी समर्थक राजनीति को इस तरह से गरमा दिया था कि सरकारी प्रयासों के हाथ-पांव फूलने लगे और अपने फैसलों पर पुनर्विचार करना पड़ा। ठाकरे बंधुओं का हिन्दी विरोधी आंदोलन दिनोंदिन उग्र होता जा रहा था। यह सच है, हर राज्य के लिए भाषा की राजनीति मायने रखती है और कोई भी पार्टी स्थानीय स्तर पर अपनी क्षेत्रीय भाषा से मुंह नहीं मोड सकती। यह सर्वविदित है कि महाराष्ट्र में पूर्व में एक समिति ने जब हिंदी पढ़ाने की सिफारिश की थी, तब उद्धव ठाकरे ही राज्य के मुख्यमंत्री थे। तब हिंदी का मामला बडा नहीं था, पर आज जब ठाकरे विपक्ष में हैं, तब यही मुद्दा सबसे अहम हो गया है। शायद यह शर्म की बात है कि जिस राज्य की राजधानी में पूरा हिंदी फिल्म उद्योग बसता है, समूचे देश की आर्थिक राजधानी होने का गौरव जिसे मिला हुआ है, जहां समूचे देश के लोगों बसे है, जिसे सांझा-संस्कृति का गौरव प्राप्त है, उस राज्य की राजनीति अब हिंदी से परहेज करती दिख रही है। आज उद्धव ठाकरे बोल रहे हैं कि देवेंद्र फडणवीस सरकार मराठी मानुष की शक्ति से हार गई, पर वे इस बात को छिपा रहे हैं कि हारी सरकार नहीं, बल्कि राष्ट्र-भाषा हिंदी हारी है, जिसने मुंबई को सपनों का शहर बनाए रखा है।

भारत विविधताओं का देश है, यहां भाषाएं न केवल संवाद



का माध्यम हैं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक भी हैं। परंतु जब भाषाएं टकराव का विषय बन जाएं, तो वह केवल भाषाई संकट नहीं रह जाता, बल्कि एक सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक मुद्दा बन जाता है। ऐसा ही कुछ महाराष्ट्र में देखने को मिल रहा है, जहां हिंदी भाषा को लेकर एक अनकहा-अनचाहा-सा संघर्ष चल रहा है। महाराष्ट्र में मराठी भाषा केवल एक भाषा नहीं, बल्कि मराठी अस्मिता का प्रतीक है। कई मराठी संगठनों और राजनीतिक दलों का यह मानना है कि हिंदी भाषा का बढ़ता वर्चस्व मराठी संस्कृति के लिए खतरा बन सकता है।

फडणवीस सरकार की ताजा घोषणा यह दर्शा रही है कि हिंदी का मुद्दा राज्य में विपक्षी दलों के हाथों का एक ताकतवर राजनीतिक हथियार बनता जा रहा था। न केवल विपक्ष के सभी दल इस मसले पर एकजुट और विधानसभा के मॉनसून सत्र को हंगामेदार बनाने पर आमादा थे, बल्कि ठाकरे बंधुओं को भी हिंदी विरोध की राजनीति की अपनी जानी-पहचानी जमीन वापस मिलती दिख रही थी। क्योंकि शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे के शुरूआती दौर में पार्टी खास तौर पर हिंदीभाषियों के विरोध के लिए जानी जाती थी। मुंबई और महाराष्ट्र में हिंदीभाषियों की निरंतर बढती आबादी को शिवसेना मराठी अस्मिता के लिए खतरे के रूप में देखती थी। हालांकि बाद के दौर में, खासकर नब्बे के दशक से भाजपा के गठबंधन में शिवसेना की

राजनीति भी हिंदी से हिंदू की ओर मुड़ती गई। ऐसे में निश्चित

ही मराठा राजनीति से हिन्दी विरोध की उम्मीद नहीं थी। अब तक तमिलनाडु को ही हिंदी विरोध के लिए जाना जाता था, पर इधर तीखे हिंदी विरोध में कर्नाटक के साथ ही, महाराष्ट्र भी शामिल हो गया है। दुनिया की सर्वाधिक तीसरी बोली जाने वाली हिन्दी भाषा अपने ही देश में उपेक्षा एवं राजनीति की शिकार है। अब केन्द्र सरकार के साथ-साथ हिंदी समाज को ज्यादा सजग होना पडेगा। हिन्दी भाषी प्रांतों को अपनी राजनीतिक व आर्थिक शक्ति को इतना बल देना पड़ेगा कि कम से कम तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को अहिंदीभाषी राज्यों में स्वीकार किया जाए। क्या हिंदी प्रदेश के नेता इससे सबक लेंगे? हालांकि, जिस तरह की त्रासद भाषा-राजनीति महाराष्ट्र में हो रही है, उससे यही लगता है कि इसके लिये बनी समितियों में बैठने वाले विशेषज्ञों की राय को किनारे कर दिया जाएग और राष्ट्रीयता पर क्षेत्रीयता

की जीत हासिल हो जाएगी। महाराष्ट्र में बढ़ते हिन्दीभाषियों के अनुपात को देखते हुए देर-सबेर हिन्दी को अपनाना ही लोकतांत्रिक दृष्टिकोण है। चाहे मुंबई हो या महाराष्ट्र, कुल आबादी में हिंदीभाषियों का बढता अनपात हिन्दी के पक्ष में है। 2001 की जनगणना के मुताबिक हिंदीभाषियों की संख्या मुंबई में 25.9 प्रतिशत और मराठीभाषियों की 42.9 प्रतिशत थी जो 2011 में क्रमशः 30.2 प्रतिशत और 41 प्रतिशत हो गई। महाराष्ट्र में इसी अवधि में जहां मराठीभाषी आबादी 76 प्रतिशत से 73.4 प्रतिशत पर आ गई, वहीं हिंदीभाषियों का अनुपात

7.3 प्रतिशत से बढ़कर 9.5 प्रतिशत हो गया। इसीलिये हिंदी लादने के इस फैसले ने न केवल उद्भव और राज ठाकरे को आक्रामक रूप में सामने ले आई बल्कि 20 साल बाद उद्धव और राज ठाकरे के एक मंच पर आने की खबर ने महाराष्ट्र की सियासत में हलचल मचा दी। 5 जुलाई को होने वाली हिन्दी विजय रैली पर महाराष्ट्र के लोगों की निगाहें लगी हुई हैं, क्योंकि मराठी भाषा और संस्कृति के मुद्दे पर सुर में सुर मिलाने वाले उद्धव और राज ठाकरे को सियासी हौसला मिल गया है। जिसे महाराष्ट्र की सियासत में एक नया मोड माना जा रहा, लेकिन साथ ही सवाल है कि उद्भव और राज ठाकरे की सियासी केमिस्ट्री कब तक

हिंदी बनाम मराठी विवाद को कई बार राजनीतिक रंग भी दिया गया है। कुछ स्थानीय दलों ने हिंदी भाषी प्रवासियों, विशेषकर उत्तर प्रदेश और बिहार से आए लोगों को निशाने पर लेकर हिंदी भाषा पर परोक्ष रूप से प्रहार किया है। इससे न केवल भाषा के नाम पर लोगों में दूरी बढ़ी है, बल्कि महाराष्ट्र की समावेशी छवि को भी आघात पहुंचा है। महाराष्ट्र के कई क्षेत्रों, विशेषकर मुंबई, ठाणे, पुणे, और नासिक में बड़ी संख्या में हिंदीभाषी समुदाय निवास करता है। ये लोग महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था, व्यापार, निर्माण और सेवा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। परंतु जब इनकी भाषा को दोयम दर्जे का माना जाता है, या उनके साथ भेदभाव किया जाता है, तो यह संविधान की आत्मा 'एकता में अनेकता' के विपरीत है। भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में हिंदी और मराठी दोनों को मान्यता प्राप्त है। हिंदी भारत की राजभाषा है और मराठी महाराष्ट्र की राजभाषा। किसी भी राज्य में भाषा का सम्मान होना चाहिए, लेकिन इसके नाम पर दूसरी भाषाओं को अपमानित करना न तो संवैधानिक है और न ही नैतिक। भाषायी सह-अस्तित्व के लिये महाराष्ट्र में मराठी को सर्वोच्च स्थान मिले, लेकिन हिंदी भाषा को भी सम्मान मिले, यह संतुलन ही स्वस्थ लोकतंत्र का आधार है। स्कूलों में मराठी, हिंदी और अंग्रेजी- तीनों भाषाओं को समुचित महत्व देकर बच्चों में बहुभाषिक दृष्टिकोण विकसित किया जा सकता है। विभिन्न राजनीतिक दल भाजपा एवं केन्द्र सरकार को घेरने के लिये जिस तरह भाषा, धर्म एवं जातियता को लेकर आक्रामक रवैया अपनाते हुए देश में अशांति, अराजकता एवं नफरत को फैला रहे रहे हैं, यह चिन्ताजनक है। महाराष्ट्र में हिन्दी का विरोध आश्चर्यकारी है। आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बावजूद हिन्दी को उसका उचित स्थान न मिलना विडम्बना एवं दुर्भाग्यपूर्ण है।

### संपादकीय

### दूरदर्शी कदम

चीन का कहना है, भारत के साथ सीमा विवाद जटिल हैं, इसे सुलझाने में समय लगेगा। साथ ही उसने इच्छा व्यक्त की कि सरहदों के निर्धारण पर चर्चा हो। दोनों देशों के बीच अलग-अलग स्तर पर कूटनीतिक व सैन्य संपर्क प्रणाली मौजूद है। दोनों ने विशेष प्रतिनिधि वार्ता की व्यवस्था भी की है। चीनी विदेश मंत्रालय का कहना है कि हम क्रॉस बॉर्डर सहयोग बढ़ाना चाहते हैं। जैसा कि 2020 की गलवान झड़प़ में बीस सैनिक शहीद हो गए थे और साठ चीनी जवान भी मारे गए थे। इसके बाद से दोनों देशों के बीच सीमा विवाद के चलते सेना आमने-सामने आती रही हैं। कई इलाकों में चीन की तरफ से घुसपैठ भी हुई। हालांकि अब तक हुई तेईस दौर की विशेष प्रतिनिधि वार्ता के बावजूद व्यवस्थित रोड़मैंप बनाने में सहमित नहीं बन पाई। बीते दिनों रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह किंगदाओं में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक के दौरान चीनी रक्षा मंत्री ड़ोंग जुन से सीमा पर शांति-स्थिरता बनाए रखने की बात की थी। मानसरोवर यात्रा बहाल करने की तारीफ भी की थी। यह चर्चा ऐसे वक्त हुई जब चीन बांग्लादेश व पाकिस्तान के साथ मिल कर एक नया मंच बनाने की तैयारी कर रहा है जो सार्क का स्थान ले सकता है। हालांकि बांग्लादेश इस धारणा को खारिज कर चुका है। मगर चीन बेहतर व्यापार-संपर्क माध्यमों की सहभागिता की आड़. में पड़ोसियों से नजदीकियां बढ़ाने के संकेत देता रहा है। यूं तो चीन की विदेश नीति जटिल रही है खासकर अमेरिका के साथ। परंतु वह रूस के साथ घनिष्ठ राजनीतिक-आर्थिक-सैन्य संबंध रखता है और सुपरपावर बनने का ख्वाब भी देखता है। हालांकि अपने चिर-परिचित अंदाज में बात करने वाले चीनी सरकार के पर्वी लद्दाख में कछ टकराव वाले बिन्दुओं पर पीछे हटने पर बनी सहमित को सकारात्मक तौर पर लिया जा सकता है। यह कहना जल्दबाजी नहीं है कि शर्तों के बावजूद परिसीमन पर होने वार्ता के परिणाम बेहतर सकते हैं। अनिर्धारित, विवादित व संवेदनशील सीमाओं को विश्वास की कमी के कारण जटिल बनाने की बजाय सहमित के साथ चिन्हित करने के प्रयास दोनों पक्षों की तरफ से होने चाहिए। भारत को पडोसी मुल्कों के साथ रिश्ते न सिर्फ बेहतर करने पर तवज्जो देनी चाहिए, बल्कि उनके साथ व्यापारिक-आर्थिक-परस्पर सहयोग के मार्ग भी प्रशस्त करने चाहिए। दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से आगे बढ़ने की तैयारी में कूटनीतिक कदम उठाना दूरदर्शिता ही साबित होगी।

### चितन-मनन

### कोई भी परिस्थित हो, ये काम कभी बंद ना करें

अपने विचारों का मूल्यांकन करना कभी भी बंद न करें, क्योंकि विचारों का प्रवाह अनवरत और कभी-कभी अत्यधिक भी हो जाता है। हर नया विचार पुराने को चुनौती देता है। यहीं से भ्रम भी पैदा होता है और कभी-कभी अधिक विचार आने से निर्णय भी गलत हो जाते हैं। रावण के साथ यही हुआ। वह बहुत विद्वान था। लिहाजा उसके भीतर विचारों की भरमार थी।

सुंदरकांड का दृश्य है। रावण के दरबार में हनुमानजी निर्भीक खड़े थे। दोनों का वातार्लाप शुरू होता है।

कह लंकेस कवन तैं कीसा। केहि कें बल घालेहि बन खीसा।। की धौं श्रवन सुनेहि नहिं मोही। देखउं अति असंक सठ तोही।। लंकापित रावण ने कहा - रे वानर! तु कौन है? किसके बल पर तुने वन को उजाड़कर नष्ट कर डाला? क्या तुने कभी मेरा नाम और यश नहीं सुना? रे शठ! मैं तुझे अत्यंत निरूशंक देख रहा हूं।

मारे निसिचर केहिं अपराधा। कहु सठ तोहि न प्रान कइ बाधा।। तूने किस अपराध से राक्षसों को मारा? बता, क्या तुझे प्राण जाने का भय नहीं है? यहां रावण ने हनुमानजी से पांच प्रश्न पूछे। इन शब्दों में अहंकार भरा हुआ था। रावण ने अपने ही विचारों को शब्दों से जोड़ने के लिए अहंकार का सेतु बनाया, जबिक विश्लेषण के साथ शब्द प्रस्तृत करने थे, क्योंकि सामने हनुमानजी खड़े थे।

हनुमानजी की विशेषता यही थी कि वे अपने विचारों का मुल्यांकन करते रहते थे। दरअसल रावण यह मानता ही नहीं था कि वह अहंकारी है। उसके हिसाब से तो जो वह कर रहा होता था, वही सही माना जाए। उसके पास सबकुछ होने के बाद भी वह अव्वल दर्जे का भिखारी था। यहीं से हनुमानजी उसे बुद्धि का दान देना शुरू करते हैं।

# भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, जनसरोकार के प्रतिक



प्रहलाद सबनानी

न सितंबर 1964 को मथुरा में जन्में मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल वाणिज्य और कानून में जेएच गवर्नमेंट कॉलेज, बैतुल से स्नातक हैं। उन्हें संगठन निष्ठा, राजनीति और समाजसेवा के संस्कार अपने पिता विजय कुमार खंडेलवाल से विरासत में मिले। हेमंत खंडेलवाल को बैतुल में 'विकास पुरुष' कहा जाता है। विधायक रहते हुए उन्होंने कभी सुरक्षा गार्ड नहीं रखा। न ही गाड़ी पर नाम पट्टिका लगाई, सरकारी आवास लिया। वे हमेशा सादगी और सादा जीवन, उच्च विचार के मृल्यों पर चलते रहे। आज भी उनकी समस्या सुलझाते हैं। उन्होंने कदापि अपने आपको एक नेता नहीं अपितु कार्यकर्ता के तौर पर माना। यथेष्ट, उनको करीब से जानने वाले उन्हें राजनीति के संत और जनसरोकार के प्रतिक मानते हैं।

स्तुत्य, भाजपा के संस्थापक सदस्यों में से एक, राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रेरक विजय कुमार खंडेलवाल भाजपा से बैतूल सांसद रह चुके हैं। हेमंत खंडेलवाल अपने पिता के समय से ही जनसेवा के लिए समर्पित रहे। पिता के निधन से बैतूल लोकसभा सीट खाली हो गई। इस दौरान हुए उपचुनाव 2007 में भाजपा ने हेमंत खंडेलवाल को टिकट देकर चुनावी मैदान में उतारा और वे लोकसभा पहुंचे। इसके बाद 2010 से 2013 तक बैतूल के जिलाध्यक्ष रहे। 2013 से 2018 तक बैतूल से विधायक निर्वाचित हुए । 2014 से 2018 तक प्रदेश भाजपा के कोषाध्यक्ष रहे। 2021 पश्चिम बंगाल चुनाव में प्रवासी कार्यकर्ता का प्रभार मिला। 2022 उत्तर प्रदेश विधानसभा चनाव में 15 जिलों के समन्वय प्रभारी बनाए गए। 2023 बैतूल विधान सभा से विधायक निर्वाचित हुए। वर्तमान में कुशाभाऊ ठाकरे ट्रस्ट के

कर्तव्य निष्ठा, संगठन की गहरी समझ रखने वाले गंभीर

जीवन में हमेशा जनता की समस्याओं को प्राथमिकता दी है। क्षेत्र के विकास, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और किसानों के मुद्दों पर वे हमेशा मुखर और सक्रिय रहे हैं। उनके प्रयासों से बैतूल में कई विकास योजनाएं क्रियान्वित की गईं, जिनका आमजन को सीधा लाभ मिला है। ऐसे अभूतपूर्व जनसेवा से उन्होंने अपनी पहचान बनाई। साथ ही प्रदेश एवं भाजपा के सभी जिला कार्यालय निर्माण संबंधी डिजाइन, निर्माण सहित अन्य व्यवस्थाओं को बखूबी देखते रहे। शायद प्रदेश में सबसे अच्छा डिजिटल और सटीक आंकड़ों या संपर्क के मामले में उनका स्वयं का कार्यालय है। जनता जनार्दन और कार्यकताओं तक उनका सीधा संवाद उन्हें आम आदमी का खास मनाता है।

वस्तुतः आज के दौर में शुचिता की राजनीति ऐसी अनूठी मिसाल दुर्लभ है। संवाहक हेमंत खंडेलवाल जनसरोकारी जनप्रतिनिधि के साथ कुशल संगठक की निर्णायक भूमिका भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के दायित्व को संगठन ही सेवा और सेवा ही समर्पण के भाव से अक्षरशः निर्वहन करेंगे। तभी तो राजनीति के प्रतिस्पर्धा के समय में भाजपा जैसे 14 करोड प्राथमिक सदस्य वाली दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल भाजपा के . १९राध के का में उन्हें निर्तिगेश निर



गया है। जो हेमंत खंडेलवाल के समर्पण और जनसेवा पर अपनी मुहर लगाता है। निश्चित ही आपके कुशल नेतृत्व में भाजपा प्रदेश में सबका साथ, सबका विश्वास, सबके प्रयास से अर्जित करेंगी। अभिभत आपके भाजपा प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित होने से पार्टी में काम कर रहे हे आम कार्यकताओं में यह संदेश जाएगा कि आज हम जो संगठन और जन सेवा कर रहें हैं उसका परिणाम अवश्य सम्मानित होता है जो आपके नव दायित्व से परिलक्षित होता है।

( पत्रकार व लेखक, स्तंभकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का

# बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण से बेचैन हुआ विपक्ष



हार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पे शल इन्टेन्सिव रिवीजन -एस.आई.आर.) का काम शुरू हो गया है। चुनाव आयोग के मृताबिक उसकी इस पहल का मकसद मतदाता सूची को शुद्ध और वास्तविक बनाना है। हालांकि, विपक्षी दलों ने मतदाता सूची में छेड़छाड़ के व्यापक आरोप लगाए हैं। लगभग सभी ने एसआईआर का विरोध किया है और कहा है कि इससे मताधिकार से वंचित होने का गंभीर खतरा है। बिहार की 243 विधानसभा सीटों पर 7.89 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। राज्य में इसी साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं।

बिहार में इस तरह का आखिरी गहन संशोधन 2003 में किया गया था। चुनाव आयोग ने कहा कि बिहार में 2003 की मतदाता सूची को फिर से वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा, जिसमें 4.96 करोड़ लोगों के नाम हैं। इनमें शामिल लोगों को जन्मतिथि या जन्मस्थान साबित करने के लिए दस्तावेज नहीं देने होंगे। बाकी 3 करोड़ मतदाताओं को प्रमाण के लिए दस्तावेज देने होंगे। वोटिंग लिस्ट में ये संशोधन ऐसे वक्त किए जाने हैं जब बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. ऐसे में विपक्षी पार्टियां इस पर नाराजगी जता रही हैं। इस मसले पर विपक्ष की ओर से एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई थी, जिसमें बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कई मुद्दे उठाए थे और व्यावहारिक समस्याएं बताई थीं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस कदम को एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर) से भी ज्यादा खतरनाक बताया और आरोप लगाया कि उनका राज्य, जहां अगले साल चुनाव होने हैं, असली लक्ष्य है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 7 जून को

महाराष्ट्र की मैच फिक्सिंग के बारे में कई बातें लिखी 🛮 कार्यकाल अगले वर्ष मई-जून में समाप्त हो रहा है। थीं। उन्होंने लिखा था. '...क्योंकि महाराष्ट की यह मैच फिक्सिंग अब बिहार में भी दोहराई जाएगी और फिर वहां भी, जहां-जहां बीजेपी हार रही होगी।'

तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने 28 जून को कहा कि चुनाव आयोग द्वारा घोषित मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण 'पिछले दरवाजे से एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) लाने का एक भयावह कदम' है। इससे पहले ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इसको लेकर सवाल उठाए। उन्होंने 27 जून को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, निर्वाचन आयोग बिहार में गुप्त तरीके से एनआरसी लागू कर रहा है। जबकि सत्तारूढ़ दलों ने इसे पूर्व की चुनावी धांधली पर चुनाव आयोग की सख्ती के साथ पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है।

महागठबंधन के प्रमुख घटक दल राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 2003 में जब मतदाता सूची का पुनरीक्षण हुआ था तो उसमें दो साल लगे थे और तब साढ़े चार करोड़ से कुछ ज्यादा मतदाता थे। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) का मानना है कि विधानसभा चुनाव से एक महीने पहले सघन पुनरीक्षण अभियान संभव नहीं है। राजद नेताओं ने सवाल उठाया कि अगर मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की इतनी आवश्यकता है, तो यह केवल बिहार में ही क्यों किया जा रहा है? क्या देश के अन्य राज्यों को इसकी जरूरत नहीं है? नेताओं ने आरोप लगाया कि यह पूरी प्रक्रिया बिहार को निशाना बनाने की एक सोची-समझी रणनीति है।

संविधान का अनुच्छेद 324 (1) भारत के निर्वाचन आयोग को संसद और राज्य विधानसभाओं के -चुनावों के लिए मतदाता सूची तैयार करने और उनके संचालन के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण की शक्ति देता है। गहन पुनरीक्षण में मतदाता सूची को नए सिरे से तैयार किया जाता है। भारत निर्वाचन आयोग बिहार के बाद, चुनाव आयोग इस वर्ष के अंत तक 2026 में चुनाव होने वाले पांच राज्यों में मतदाता सूचियों की इसी प्रकार की समीक्षा करेगा। असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं का ध्यान रहे पश्चिम बंगाल और असम दोनों ही राज्यों में एनआरसी बड़ा मुद्दा है क्योंकि इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और शरणार्थियों की बड़ी संख्या है।

राजनीतिक हलकों में इस बात की जोरों से चर्चा है कि बिहार के बाद मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की बारी पश्चिम बंगाल की होगी। तभी पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस बहुत बेचैन है। तृणमूल कांग्रेस को यह चिंता सता रही है कि अगर चुनाव आयोग ने चुनिंदा विधानसभा क्षेत्रों में टारगेट करके मतदाताओं के नाम काटे तो उसका फादा भाजपा को होगा। पश्चिम बंगाल में 30 फीसदी मुस्लिम आबादी है, जिसके बारे में भाजपा आरोप लगाती है कि इनमें बड़ी संख्या बांग्लादेशी और रोहिंग्या की है। इनका वोट एकमुश्त तृणमूल को जाता है। हर क्षेत्र में 10 से 20 हजार नाम अगर कट जाते हैं तो तृणमूल को उसका बड़ा नुकसान होगा। हालांकि बिहार से उलट पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के नेता ज्यादा जागरूक और सिक्रय हैं। वे आसानी से नाम नहीं कटने देंगे। पिछले कई महीनों से वे खुद घर घर जाकर सब चेक कर रहे

बिहार की राजनीति को करीब से जानने वालों के अनुसार, निर्वाचन आयोग देश में अवैध रूप से बांग्लादेश, नेपाल और म्यांमार से आकर जो लोग रह रहे हैं, जिन्होंने मतदाता सूची में नाम दर्ज करवा लिया है। वैसे लोगों को मतदाता सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू की है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि जो भी अवैध रूप से बिहार आकर बस गए हैं, उनका वोट विपक्ष को जाता है। यही कारण है कि इंडिया गठबंधन के घटक दल हो या ओवैसी, इनको इस बात का डर सता रहा है कि मतदाता सूची से यदि इनका नाम कट

गया तो उनका राजनीतिक रूप से नुकसान होगा। बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है। किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में अल्पसंख्यकों की आबादी 40 फीसदी से 70 फीसदी तक हो चुकी है। यहीं कारण है कि वर्षों से इस इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों की रोक की मांग उठती रही है। कई इलाकों से हिंदुओं के पलायन की भी खबर उठी थी। केंद्र सरकार ने जब पूरे देश में एनआरसी



लागु करने की बात कही थी तो बिहार में इस इलाके से भी विरोध के सुर उठे थे।

2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में राजद का वोट शेयर बढ़ा था। राजद को 23.11 फीसदी वोट मिले। भाजपा को 19.46 प्रतिशत ही वोट मिले, जदयू के खाते में 15.42 प्रतिशत वोट आया। 2024 लोकसभा चुनाव में बिहार में भाजपा और जेडीयू ने 12-12 सीटें जीती। आरजेडी ने 4 सीटें, कांग्रेस ने 3 सीटें और एलजेपी (आर) ने 5 सीटें जीती हैं। सीपीआई (एमएल) ने 2 सीटें जीती हैं, जबिक एचएएम और

एक स्वतंत्र उम्मीदवार ने 1-1 सीट जीती है। जाति आधारित सर्वेक्षण आंकड़ों के अनुसार बिहार में करीब 17.70 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं। वहीं, बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से 47 सीटें ऐसी हैं, जहां मुस्लिम वोटर अहम भूमिका अदा करते हैं। इन इलाकों में मुस्लिम आबादी 20 से 40 प्रतिशत या इससे भी अधिक है। बिहार की 11 सीटें हैं, 10 से 30 फीसदी के बीच मुस्लिम मतदाता हैं। जानकारों का मानना है कि चुनिंदा क्षेत्रों में अगर एक निश्चित मात्रा में नाम कट जाएं तो मुकाबला कमजोर हो जाएगा। इसको समझने के बावजूद विपक्षी पार्टियां सड़क पर नहीं उतर रही हैं। हो सकता है कि इससे मुकाबले के लिए वे न्यायपालिका का रुख करें।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

### Thursday, 03 July 2025

### Indian identities: Remaining vocal about being local

I am an Indian first and everything else later. Feels good to say that. Am proud that I am an Indian. I am a nationalist, and love to be one. India is in my DNA. Not everyone needs to say that, or feel that for sure. This is something very personal. Nationalism and a feel for the nation must not be thrust upon you. You must feel it, if at all. And you don't need to feel it all the time as well. You don't

need to wear jingoism on your sleeve, do you? Even as I write this, there is noise around Diljit Dosanjh. Dosanjh is a star who represents Punjabi culture to the Indian and global audiences. He does say, at every show, that he is a Punjabi. He represents the culture proudly. How is it a crime to represent your roots, then? He is the first Punjabi artist to perform at the Coachella fest in the US. The first to make an appearance on The Tonight Show with Jimmy Fallon. These and his recent appearance at the Met Gala in New York are all personal milestones that put Punjab on the world map, in his own words. At the Met Gala, Dosanjh presented himself in an ivory-andgold sherwani paired with a tehmat (draped bottoms) and a sweeping cape embroidered with the silhouetted map of Punjab—not of India. His turban completed the look and around his neck hung a copy of the famed Patiala necklace. What's wrong with representing Punjab? What's wrong with wearing Punjab on your cape? Is Diljit a Punjabi first and an Indian later? And is that a crime of omission or commission?

Think about yourself, then. Who do you think you really are? And who do you pretend you are? The answer is personal and is different to every individual Indian. Are you an Indian first or a Malayali? This reminds me of a film that was a hit in Kerala and among the Kerala diaspora worldwide: Malayali from India. I hear this title as a social introduction at the many meetings I attend in Dubai and the rest of the UAE all too frequently. The Malayali is proud to be a Malayali, just as a Kannadiga is proud to be a Kannadiga. But what are you first—a Kannadiga or an Indian? Are you a Bengali from India or an Indian from Bengal? And does it matter at all?

Aritifical Inteligence usesAritifical Inteligence usesSome very patriotic folks feel it matters and are throwing memes and rocks at Dosanjh. Let me peel this a bit to make us all feel even more uncomfortable than we are already feeling reading all this on a Tuesday morning.

A recent sociological research into the mind and mood of Indians in rural and deep-rural markets is telling. As I study deep-rural markets (which are, really, markets very few of us know exist) I see and feel a very different India—one that lives at the level of the village and local community. People out here are that much more disconnected with national realities and come alive only to the most local realities that touch their lives and livelihoods. The nation is a very distant thought.

The closest thought is my home and the village I live in. To me, my world is my village. I know everyone in my village, and I spot every newcomer to the village like an aberration. I watch him and her carefully, with suspicion even. A lot of government folks come in on transfers. They are also watched carefully as temporary residents. I trust them less than my fellowvillagers. The villager owns the village; everyone

else rents it. Ownership is the ultimate respect.

In the deep-rural markets of India that represent the gut of the country, villagers identity themselves differently. In the beginning, I am from Mayyadi, my village. To those who don't understand what that means, I am from the area called Bijoor. And to those who do not identify with that bigger identity, I am from Coondapura. And to those who don't understand even that, I am from the Greater Mangaluru area, if I may dub it that. I am from Karnataka, of course. And I am most certainly from India.

# Politics & optics of govt recruitment in Uttar Pradesh

Yogi Adityanath has been in power in UP since 2017. The "sudden realisation" of over 60,000 vacancies means that the government has not followed a regular recruitment process.

ON June 15, newspapers carried full-page advertisements proclaiming the 'distribution of letters' among 60,244 civil police constables by Union Home Minister Amit Shah in Uttar Pradesh. The advertisement also stated that the constables, including 12,048 women, were "selected through a fair and transparent recruitment process by the Uttar Pradesh Police Recruitment and Promotion Board" Despite a regular selection procedure, the distribution of job letters by the Home Minister apparently conveyed the impression that the appointments were largesse bestowed by the ruling party. No wonder former UP CM and Samajwadi Party MP Akhilesh Yadav commented on X, "To overcome the shortage of policemen, long-term steps like regular recruitment drives should be undertaken because by the time the recruitment process is completed in 3-4 years under the BJP rule, 50,000-60,000 policemen would have retired and the shortage will remain the same."Public appointments in India at all levels are constitutionally ordained. Articles 308 to 312 under Chapter I Part XIV of the Constitution elaborate the processes for recruitment for all posts of the Union and the States. Chapter II prescribes public service commissions at the central and state levels. Article 309 provides that "... Acts of the appropriate Legislature may regulate the recruitment, and conditions of service of persons appointed, to public services and posts in connection with the affairs of the Union or of any State.'

Further, it enables the President — and in the case of a state, the Governor, or any 'such person' authorised by him — "to make rules regulating the recruitment, and the conditions of service of persons appointed to such services and posts" until a provision under an Act of the appropriate legislature is made. Article 309 thus gives an option for making immediate recruitment.

While distributing the letters, Shah praised the chief minister for the "largest ever" such appointments that would help in maintaining law and order in the state. Praising Adityanath's reign, he said, "Goons no longer dictate terms in the state. The rule of law has been established. Each of you was selected purely on merit from among 48 lakh applicants. There were no bribes, recommendations or caste-based bias, unlike when other governments were in office."While the initiative of filling vacancies in the constabulary needs to be lauded, this exercise and its amplification raise a number of questions. Adityanath has been in power in UP since 2017. This "sudden realisation" of over 60,000 vacancies means that the government has not followed a regular, time-bound recruitment process. The reason for such a large-scale appointment in one go is also not clear. These recruits will have to go through proper training, for the police job is highly specialised. The increasing use of technology by criminals has made policing far more complex and challenging. Gone are the days when the constabulary was a lathi-wielding, uniformed herd of personnel needed for mechanical duties, including serving seniors as orderlies (this demeaning task has not



been scrapped by states). Uttar Pradesh has constable training centres in Meerut, Gorakhpur, Lucknow, Agra and Kanpur. Can these centres accommodate and train such a large number of recruits simultaneously? The Both the Centre (since 2014) and the Adityanath training period for constables in the state is six months, while in other states, it varies from nine months to a year. The training schedule and syllabi drawn up for the constabulary by the Bureau of Police Research and Development is very extensive and comprehensive. Is For example, while the Centre has used lateral entry and this being followed and can this be achieved logistically, given the learning capacity of the recruits, in six months? The need to upgrade the constabulary was recognised in the early 1960s. In 1961, the Bihar Police Commission observed: "

A constable should be expected to exercise his discretion and assume responsibility. In all progressive police forces, every constable is a live unit of the force..." The National Police Commission, in its first report (1979), stressed "the changed needs of policing the country" and "the importance of making the constables function as a responsible functionary with due sense of values, discretion and judgment..." Obviously, the recruits in the police organisation, even at the lowest level, must be trained keeping the needs of the 21st century in mind.

government have shown an inclination to use the latter part of Article 309 to escape the regular processes of making appointments and/or promotions to higher levels in various departments.

extensions, the UP government has tried to evade the Supreme Court guidelines that the UPSC must be involved in the selection process for the appointment of the Director General of Police (DGP).

The state government has skirted the guidelines by appointing acting DGPs (three so far) in succession since May 2022. At the central level, some secretaries, Director (Intelligence Bureau) and the Research & Analysis Wing chief have got extensions over the years. In 2023, the Supreme Court declared two extensions granted to the Director of the Enforcement Directorate, beyond the fixed

### Puri stampede probe must lead to better crowd management

Cherry-picking fall guys can assuage the prevailing mood, but accountability must be fixed and it should start right from the top. The government would also do well to explain the role of the special panel headed by a deputy chief minister constituted to ensure smooth conduct of the festival

The stampede that claimed three lives in Odisha's Puri had gross administrative lapses and negligence written all over it. One of the most popular religious festivals of the country, this year's Rath Yatra saw the largest bandobast of security in recent memory. Over 10,000 police personnel were pressed into duty and 22 IPS officers manned various responsibilities, with the state administration's top brass watching over the arrangements. Yet, in the small hours of Sunday, an utterly avoidable tragedy occurred. Eye-witnesses complained that inadequate police presence and poor medical response led to the death of devotees, two of them middle-

The journey of the deities from Srimandir to Gundicha temple this time, in state law minister Prithiviraj Harichandan's admission, witnessed 1.5 times the normal crowd. The first day of the yatra always draws the largest footfall, as it involves chariot-pulling for which devotees from all over the world converge. The ritual has witnessed crowd surges in the past, too. But never has any mishap



been recorded on the third day of the festival. The police as well as the Jagannath temple administration had clear knowledge of the devotees' inflows since a large number of vehicles had made a beeline for the town the night of the mishap; but it went unresponded. The outcome was an all-round coordination failure despite having the required resources and technology at hand.

The BJP government responded by removing the district collector and a police superintendent, and suspending two police officers. It ordered an administrative inquiry and carried out a shake-up in the overall management, since other key segments of the festival are due over the next five days. Cherry-picking fall guys can assuage the prevailing mood, but accountability must be fixed and it should start right from the top. The government would also do well to explain the role of the special panel headed by a deputy chief minister constituted to ensure smooth conduct of the festival. Chief Minister Mohan Charan Majhi's personal apology to Jagannath devotees for the loss of lives was earnest; but he must use the opportunity to crack the whip and prepare a robust blueprint for crowd management—for both the temple and the yatra. Professional management using data science and case studies of other festivals must be explored. The probe into the tragedy must not be perfunctory—it must lay a safer road ahead.

### When the spin is the win

### In a post-truth world, we live in the bubble of one official narrative or another. It doesn't matter whether the US strikes on Fordo in Iran had the desired effect. With the loudest megaphone in his hand, Donald Trump's claims drown out others'

These days, truth is much like a B2 stealth bomber. It is hard to detect it, though it hovers right over our heads. The US bombing of the nuclear reactors in Fordo, Natanz and Isfahan was allegedly on behalf of Israel. How did a war between Israel and Iran spin around to consolidate the narrative that the US has returned as the global supercop and that Donald Trump is the only world leader worth talking about?Satellite imagery showed six gaping wounds at Fordo, a blackened sprawl at Isfahan, and an 18-foot hole at Natanz. Trump repeatedly asserted that Iran's nuclear programme was "completely obliterated", a claim the Israel Atomic Energy Commission backed. Yet, making defiant noises from his bunker, Ayatollah Ali Khamenei proclaimed a "severe slap" to America and a 'victory" over the "Zionist regime". There were photographs of Iranians dancing on the streets in celebration, having chosen to believe in their victory. As a great author said, patriotism is the opium of the people. Closer home, one thought of Operation Sindoor. Prime Minister Narendra Modi had said it was an unqualified success. Pakistan's General Asim Munir, in return, claimed his army had shot down Indian planes. We chose officially not to believe him. Yet, the latest on this front is an admission of downed planes by an Indian defence attaché, a naval officer, at a seminar in Jakarta on June 10. But we still don't know how many planes India might have lost, or how many died or were wounded during the operation. We don't even seem to know for certain if the families of the Pahalgam

victims have been compensated for their plight. In short, we are swallowed by the official bubble.In the absence of clear evidence, then, you are free to live in the truth bubble of your choice. Or so one thought until Trump bombed Iran, marking the return of the unipolar world, where the American

version of the truth increasingly seems to be the only one, gaining ascendance over other national narratives. The indeterminacy of reality is a haze enveloping the world. Never mind if we are living in one of the most surveilled times in history: almost nothing goes unrecorded. Even what we search for on the internet comes back to haunt us as advertisements. We walk naked in the crowd, as it were. Great events happen right in front of us, but we do not know for what reason. And because we do not know the reason, what transpires before our very eyes appears distant and unreal, a game whose rules and meaning are unknowable

An instance of such mass illusion happened last fortnight when, after 'obliteration', Iran fired 19 missiles at the US military base at Al Udeid in Qatar. Clearly, this was retaliatory and a gesture of assurance to the Iranian people. But how meaningless it was. According to reports, Iran informed Qatar and the US of its intent in advance, so they could evacuate the base. It was all like a game. It happened and did not happen. More on this later. Why is truth so elusive even when facts are available? No independent body—the United Nations, Nato or the International Atomic Energy Agency—can pierce the fog. The UN, a toothless pensionary, issues platitudes that vanish into the void, its Security Council paralysed by vetoes.



Nato, a military white elephant, watches from the sidelines, irrelevant as Trump's America bypasses allies for unilateral glory. The IAEA, meant to guard nuclear safety, is barred from Iran's shattered sites; its director, Rafael Grossi, is reduced to parsing satellite images and guessing the damage. We don't even know if there was a radiation leak post bombing.Prime Minister Modi has always been quick to claim India's 'growing' role in

international affairs. Yet, when it came to collecting credit for calling off Operation Sindoor and making peace with our one constant enemy, Modi's version, so appealing to the patriot, was shot down by Trump, who said he was the one who brokered peace. Last week at the White House, Trump said in

> the course of a speech: "I said, cancel all deals with India and Pakistan... Look, you want to have trade with the United States. It's great, but you want to go and start using nuclear weapons on each other. We are not going to allow that. And they both agreed."

To revisit an earlier point, Khamenei's claim of victory is a case study of the world becoming a mirage of itself. He had hailed Iran's missile strikes on Israel as a crushing blow. Yet, the facts sneer in his face: Israel swatted most missiles and officially incurred only 28 civilian deaths. Iran's Qatar strike grazed the base, killing no one. Why would you warn your enemy? The

missiles were not meant to kill but to strike a posture, to feed a narrative of defiance against the 'Great Satan" and the "Zionist enemy". In a posttruth world, the posturing is the point. But even this is in dire straits as a pumped-up US blows out into being the one bubble that swallows the rest of the world. As the wise said, history is the writ of the victor. And the world increasingly seems to have only one.

### Thursday, 03 July 2025

### Don't ignore your EPF: Here's why checking it regularly matters

New Delhi. Many salaried employees do not check their Employees' Provident Fund (EPF) accounts for years, often thinking it will quietly grow in the background until retirement. Would you leave your bank account unchecked for years, so why do it with

Think of your EPF account as your financial time capsule, slowly growing in the background while you hustle through the 9-to-5 grind. But what if one day you pop it open and find a big chunk missing? Or worse, no updates for years? Experts warn that many salaried employees don't realise until it's too late that their employer hasn't been depositing funds, or that a simple KYC error has locked their money away. And by then, the damage is already done, to both your money and your peace of mind. Abhishek Kumar, Sebi Registered Investment Adviser and Founder at SahajMoney.com, said it is important for employees to keep an eye on their EPF accounts. "It helps in keeping one updated on their retirement savings growth and interest accrual," he said.

One major reason to check your EPF regularly is to ensure that your employer is depositing the money properly. In some cases, employers deduct the EPF amount from the salary but fail to deposit it with the Employees' Provident Fund Organisation (EPFO). "Checking the EPFO balance helps in identifying such issues early on," Abhishek explained. There are several other problems people face when they do not track their EPF accounts for a long time. "Common issues include missing or delayed employer contributions, outdated KYC information, and technical errors that can make funds inaccessible or cause withdrawal delays," he said. Incorrect or missing deposits also hurt your savings in the long term. Over time, this could result in a smaller retirement fund than expected. "Missing or incorrect deposits reduce one's retirement corpus and the compounding interest they earn over time. This can significantly impact their financial security after retirement and limit their access to EPF benefits," Abhishek added.

### Stock market holidays July 2025: Here's what traders should know

New Delhi. Before you plan your trades, book profits, or sneak in a quick holiday, one common question pops up for every investor: Is the stock market shut

For the month of July 2025, there's good news for active traders and investors. Both the Bombay Stock Exchange (BSE) and National Stock Exchange (NSE) will stay open all weekdays throughout July. There are no special trading holidays lined up for this month. However, as usual, the markets will be closed on Saturdays and Sundays. So, in total, trading will be paused for eight days in July, four Saturdays and

### NEXT MARKET HOLIDAY IN AUGUST

According to the trading holiday list released by the NSE, the next official market holiday will fall on August 15, 2025, when the country celebrates Independence Day. After that, trading will also take a break on August 27 for Ganesh Chaturthi.

### OTHER KEY HOLIDAYS IN 2025

Looking further ahead, the stock exchanges will remain closed on other key dates in 2025, including Mahatma Gandhi Jayanti on October 2, Diwali Laxmi Pujan on October 21, Balipratipada on October 22, and Prakash Gurpurb Sri Guru Nanak Dev on November 5. The final market holiday of the year will be Christmas on December 25.

So, if you're planning any trades this July, you can do so freely on weekdays. Just keep an eye on the weekends, the market will take its usual break then.

### Ola, Uber get government okay for surge pricing, can charge double the base fare

New Delhi. Cab aggregators will now be permitted to charge up to twice the base fare during peak traffic hours, as per the Motor Vehicles Aggregator Guidelines (MVAG) 2025 issued by the Ministry of Road Transport and Highways on July 1. Until now, the upper limit on surge pricing was capped at 1.5 times the base fare. States have been advised to implement the updated guidelines within the next three months. The revised fare structure is aimed at giving platforms flexibility during high-demand periods, while maintaining an overall regulatory framework for pricing and operationsThe MVAG 2025 also addresses a longstanding regulatory gap by allowing the use of non-transport (private) motorcycles for passenger journeys via aggregators, subject to state government approval. According to the guidelines, "The state government may allow aggregation of non-transport motorcycles for journey by passengers as shared mobility through aggregators," with the objective of reducing traffic congestion, lowering vehicular pollution, and improving access to affordable mobility and hyperlocal delivery. States will have the authority to levy daily, weekly, or fortnightly fees on aggregators for the use of such motorcycles under Clause 23 of the guidelines.Bike taxi operators like Rapido and Uber, who have operated in a regulatory grey zone in several states—including Karnataka, where a recent ban led to protests—have welcomed the move. Rapido called the clause a "milestone in India's journey towards a Viksit Bharat," saying the change would help improve last-mile connectivity and expand affordable transport in underserved areas. Uber also lauded the revised guidelines as a step toward innovation and regulatory clarity."Timely adoption by states will be key to ensuring uniform implementation and building much-needed predictability for all stakeholders. We commend the ministry for its consultative and balanced approach," a company spokesperson said. The MVAG 2025 guidelines replace the 2020 version and reflect changes in India's shared mobility landscape, including increased demand for bike taxis, e-rickshaws, electric vehicles, and flexible pricing models.

# Ghee, soap and snacks to get cheaper Big GST cut likely, say sources

Sources say the government is weighing a major rejig of GST slabs that could bring down the tax burden on everyday essentials.

New Delhi. In what could bring major relief to middle- and lower-income households, the central government is seriously considering a restructuring of the Goods and Services Tax (GST) slabs, sources told India Today. A key proposal under discussion is to either reduce the GST on certain essential items from 12% to 5% or to eliminate the 12% slab

According to sources, most of the items currently attracting 12% GST are goods commonly used in everyday life by



ordinary citizens. These include products that feature heavily in the consumption patterns of middle-class and economically weaker households. The

plan under consideration involves reclassifying these items into the lower 5% tax bracket, effectively making them cheaper for end consumers. Alternatively,

the government may choose to scrap the 12% slab entirely and reallocate items into existing lower or higher slabs.A final decision is likely to be taken at the upcoming 56th meeting of the GST Council. As per protocol, a 15-day notice is required before convening a Council meeting, but sources indicate that the session could take place later this month.

The move is expected to be politically significant, especially in a pre-election year, and could help ease inflationary pressure on essential goods consumed by a large section of the population.

The GST Council, chaired by the Union Finance Minister and comprising state finance ministers, holds the authority to recommend changes in tax rates.

If the proposal goes through, it would mark one of the most significant overhauls of GST rates since the indirect tax system was rolled out in 2017.

# 57% of Indians call skills critical, but relevant frameworks still lag: Report

New Delhi. Across Asia Pacific, a quiet shift is underway inside boardrooms and HR departments. As technology changes fast and the world grows unpredictable, companies are realising that skills, not just experience, hold the key to staying ahead. Aon's latest APAC Skills Impact Survey shows that a huge number of organisations are putting skills at the heart of their people strategy. But are they truly ready?According to the survey, in India's buzzing job market, one thing is clear, skills are now more than just a buzzword. As companies race to attract, grow and keep good people, skills are stepping into the spotlight. But while India's workforce is huge and tech-ready, the country still has work to do to fully catch up with its APAC neighbours.

### TOP TALENT PRIORITIES FOR

Aon's 2025 APAC Skills Impact Survey reveals what really matters for Indian firms today. For the next two to three years, their main priorities are attracting and keeping top talent, building a strong bench of future leaders, and making the workforce agile and resilient in the face of



change. These are not small goals, but Indian companies are waking up to the power of skills to get there. 61% of Indian organisations focusing on these priorities have adopted skills-driven

### SKILLS ARE VALUED, BUT IS INDIAUSINGTHEM FULLY?

57% of Indian respondents say skills are vital for business success, followed by 50% in China, 62% in Australia, and 67% in Malaysia. Yet India still trails

mature skills frameworks. Australia leads the region, with nearly 70% seeing progress towards advanced skills programmes, while about 13% of Malaysian organisations have reached high maturity. Despite advances in tech and AI, India and China are not ahead in skills maturity, maybe because abundant talent supply dampens the drive to invest heavily in skills development.

### HOW INDIA CAN STAY AHEAD

Aon's report shows that while many firms have started building skills frameworks, few have a comprehensive organisation-wide plan. Most frameworks remain focused on specific departments or job families like technology, data, or risk and compliance. Despite much talk about skills-based pay, only a few organisations have put it into practice, revealing a big opportunity to strengthen skills-based performance and pay programmes across APAC, the survey mentioned.

### **Investor earns Rs 7** lakh, faces Rs 74,000 tax despite Rs 12 lakh limit. Know why

New Delhi. A tax expert has explained how a retail investor who earned Rs 7 lakh in stock market profits ended up with a tax demand of Rs 74,375. The case highlights how misreading the nature of income can lead to unexpected tax liabilities, even when total earnings seem modest.

Sujit Bangar, founder of TaxBuddy.com and a former IRS officer, shared the example on LinkedIn to warn investors against a common misconception. The investor, Rahul, believed that since his total income was below Rs 12 lakh, he would not be liable to pay tax. What he overlooked was how different types of market income are treated under the tax code. Rahul's earnings included a Rs 3 lakh loss from intraday trading, a Rs 2.5 lakh gain from futures and options, Rs 3.5 lakh in short-term capital gains from equities, and Rs 4 lakh in long-term capital gains. After subtracting the losses, he assumed that his Rs 7 lakh net income was taxfree. However, Bangar pointed out that the tax system does not allow such aggregation. Each category of income is assessed and taxed separately, with its own rules, exemptions, and



### Intraday trading is treated as speculative business income. It is taxed at the individual's slab rate, and any losses can be adjusted only against speculative gains. If not utilised, such losses can be carried forward for four years. Futures and options are considered non-speculative business income under Section 43(5). These are also taxed

at slab rates, but the losses can be set off against a

wider range of incomes except salary, and carried

forward for up to eight years.

Short-term capital gains, such as those from selling equities within a year, fall under Section 111A. These gains are taxed at a flat rate of 20 percent. While losses in this category can be adjusted against both short- and long-term capital gains, they do not qualify for basic income exemptions.

### SBI classifies Reliance Communications loan account as 'fraud'

New Delhi Reliance Communications on Tuesday said that the State Bank of India (SBI) has classified its loan account as "fraud" and plans to report the company and its former director, Anil Ambani, to the Reserve Bank of India (RBI). In a stock exchange filing, the company stated that SBI has taken the decision in connection with credit facilities dating back to August 2016. Reliance Communications is currently undergoing insolvency proceedings under the Insolvency and Bankruptcy Code (IBC) and has a resolution plan awaiting final approval by the National Company Law Tribunal (NCLT). According to a report by CNBC-TV18, SBI had sent showcause notices to the company in December 2023, March 2024, and September 2024. After reviewing the company's responses, the bank concluded that Reliance Communications failed to adequately explain non-compliance with the terms

and conditions of its loans and the irregularities in the conduct of its accounts.SBI's Fraud Identification Committee subsequently resolved to classify the account as fraud and initiate the process of informing the



RBI, including naming Anil Ambani in accordance with regulatory requirements to report key managerial personnel associated with such accounts.In its response, Reliance Communications said the loans

prior to the initiation of its Corporate Insolvency Resolution Process (CIRP) in 2019. The company argued that under Section 32A of the IBC, once the resolution plan is approved, it is to be granted immunity from liabilities

referenced by SBI pertain to the period

before CIRP began."These facilities are necessarily required to be resolved under the resolution plan or liquidation, and the company is currently protected from proceedings under IBC," Reliance Communications said, adding that it is seeking legal advice on the matter. This is not the first time a bank has flagged Reliance Communications'

account. In November 2024, Canara Bank also classified the account as fraud, but the Bombay High Court stayed that decision in February 2025, citing a failure to follow RBI guidelines on giving the borrower a hearing.

Long-term capital gains from listed equities are covered under Section 112A.

# HDB Financial lists at 13% premium: Should you book profit or hold

HDB Financial share price: The stock opened at Rs 835 on both the NSE and BSE, compared to its IPO price of Rs 740 per share. This was better than what the grey market had expected, which had estimated a gain of around 8% to 10% on listing day.

New Delhi. HDB Financial Services made a strong debut on the stock market on Wednesday, July 2, listing at a premium of nearly 13% over its issue price. The stock opened at Rs 835 on both the NSE and BSE, compared to its IPO price of Rs 740 per share. This was better than what the grey market had expected, which had estimated a gain of around 8% to 10% on listing day. The company, a subsidiary of HDFC Bank, had launched a Rs 12,500 crore IPO. This included a fresh issue of Rs 2,500 crore and an offer-for-sale (OFS) of Rs 10,000 crore. The IPO saw strong interest from all categories of



investors and closed on June 27 with an overall subscription of 17.65 times. The biggest interest came from qualified institutional buyers (QIBs), who subscribed their portion 31.73 times. After listing, the total market capitalisation of HDB Financial stood at around Rs 69,268.82 crore. This listing has drawn attention from investors who are now wondering whether to book profits or

hold the stock for long-term gains.Prashanth Tapse, Research Analyst at Mehta Equities Ltd, said that the good response to the IPO shows confidence in the company's business model and strong backing from the HDFC Group.

'The robust response signals market confidence in HDB's business model, parentage (as an HDFC group company), and long-term growth potential in the

NBFC space," said Tapse.Brokerage Emkay Global has also taken a positive view on HDB Financial. It initiated coverage on the company and gave a 'buy' rating with a target price of Rs 900 per share. This target price reflects a 22% upside from the IPO's upper price band of Rs 740. Emkay's positive outlook is based on the company's large customer base of over 1.9 crore people, diversified loan book, and wide branch network. It also noted that only 0.34% of its assets under management come from its top 20 accounts, which shows how granular its lending is. The brokerage said HDB Financial is well-diversified both in terms of geography and products, and it has been built from the ground up, having managed through difficult credit cycles including Covid. This strong foundation, combined with its reach and scale, makes it one of the key NBFCs to watch in the market.HDB Financial offers a range of lending services such as enterprise loans, consumer loans and asset financing. The company has a strong presence across the country with 1,771 branches and a workforce of more than 60,000 people.

# India to launch review to eliminate China-made parts in military equipment

The ministry is likely to appoint an external agency to audit claims of indigenous content, map supply chain dependencies and carry out detailed evaluations of cost structures.

be chosen

Dalai Lama shuts out China,

reveals when his successor will

Agency New Delhi.

Exiled Tibetan spiritual leader, the Dalai Lama, said the

600-year-old institution would continue after his death,

and it would choose his future reincarnation, effectively

excluding China from any role over appointing the 15th

Dalai Lama.In an official statement released on

Wednesday, the 14th Dalai Lama announced that the

Gaden Phodrang Trust - the official office of the Dalai

Lama — alone will decide on the recognition of the 15th

reincarnation."The process by which a future Dalai

Lama is to be recognised has been clearly established in

the 24 September 2011 statement which states that

responsibility for doing so will rest exclusively with

members of the Gaden Phodrang Trust, the Office of

His Holiness the Dalai Lama," the Buddhist monk said.

They should consult the various heads of the Tibetan

Buddhist traditions and the reliable oath-bound Dharma

Protectors who are linked inseparably to the lineage of

the Dalai Lamas. They should accordingly carry out the

procedures of search and recognition in accordance

with past tradition. I hereby reiterate that the Gaden

Phodrang Trust has sole authority to recognise the

future reincarnation; no one else has any such authority to interfere in this matter," he added. The statement,

released days before his 90th birthday on July 6, has far-

reaching implications for his millions of Buddhist

followers worldwide. It also came as a message to Beijing, which has long sought to control Tibetan

religious traditions to tighten its grip over the region.

The Dalai Lama, who fled to India in 1959 after a failed

uprising against Chinese rule in Lhasa, has since lived

in exile along with thousands of Tibetans. While China

brands him a separatist and a rebel, the Dalai Lama

remains for many a global icon of non-violence,

compassion and the Tibetan struggle to preserve their

Delhi HC upholds injunction

order stopping luggage-maker

VIP from using 'Carlton' mark

The Ministry of Defence is set to launch a comprehensive review of military procurement to identify Chinese-origin components in The Army is also working to identify and support equipment supplied to the armed forces

and to assess vulnerabilities within the defence supply chain.

Although strict guidelines already prohibit the use of Chinese parts in military hardware, recent reports have indicated that some companies may still be sourcing components from China to manufacture products intended for defence use. As part of its broader 2025 reforms, the ministry is likely to appoint an external agency to audit claims of indigenous content, map supply chain

dependencies and earry out detailed

evaluations of cost structures and

technology transfer processes.

At a recent event, Major General C.S. Mann, Additional Director General of the Army Design Bureau, reiterated the Army's objective

to eliminate Chinese components from its

dependency, particularly on China, remains a key priority to address potential security risks.



Indian companies capable of manufacturing critical components domestically under the "Make in India" initiative. The new review certain vendors have exaggerated their indigenous content figures, with essential components often traced back to China,

sometimes via third countries. Drones and anti-drone systems have emerged as particularly sensitive areas under scrutiny.

The consultants hired by the ministry will also evaluate patent ownership and investigate instances where private firms may have underquoted development costs, raising concerns of inflated prices at later stages.

Since Operation Sindoor, the ministry has fast-tracked equipment procurement, with heightened scrutiny on vendors suspected of using Chinese components in gear meant for frontline forces.

In February, the ministry cancelled drone procurement orders after discovering the use of Chinese parts, citing national security

risks. With the newly launched review, officials believe more defence hardware may undergo rigorous inspection to ensure full compliance with security guidelines.

### Parliament breach accused get bail, barred from posting on social media on case



Agency New Delhi.

The Delhi High Court on Wednesday granted bail to Neelam Azad and Mahesh Kumawat, both of whom were arrested in the Parliament security breach case which happened on December 13,

The court while announcing its decision directed the accused to furnish a bail bond of Rs 50,000 each, along with two sureties of like amount. As part of the bail conditions, the court has barred the accused from giving interviews or making any public statements related to the case and restrained them from posting anything on the social media relating to the incident in question.

he court has also restricted them from leaving the city of Delhi and directed them to report to the designated police station every Monday, Wednesday and Friday at 10 am.A division bench comprising Justice Subramonium Prasad and Justice Harish Vaidyanathan Shankar pronounced the order which was reserved on May 21.

On 13 December 2023, the breach was orchestrated by a group of six individuals, of whom two, Sagar Sharma and Manoranjan D. managed to infiltrate the Lok Sabha chamber. During Zero Hour, they leapt from the public gallery, discharged yellow gas from canisters and shouted slogans until MPs and security personnel subdued them. During the investigation, it was found that the accused were linked through a social media page named Bhagat Singh Fan Club' and had met in Mysuru. The group, which used encrypted communication through the Signal app to coordinate their actions, acted on their plan one and a half years later.

### British woman's rape: She came thinking she was meeting a friend, Delhi Police tells court



Agency New Delhi.

A conversation on Instagram, which started in January, led a British woman to meet a labourer at a hotel in Delhi in March, where he allegedly raped her, the Delhi Police has said in a 109-page chargesheet it filed before the court on May 22.

The woman was allegedly raped on March 12 after she was molested by a housekeeping staff of the same facility, while she was on a trip to India, the police have said. An officer said the woman, who was visiting the country while she was allegedly raped, had herself booked the hotel for the two, thinking she was meeting a friend.

The victim said she came in contact with the primary accused on Instagram in January and became friends with him. On March 7, she came to India and stayed in Goa there till March 11. She wanted to meet him, so she booked a hotel in Delhi. There, he allegedly forced himself upon her," a police officer said. The chargesheet was filed in the court of Aniket Singh in Patiala House

The police said that in the chargesheet, they have mentioned the version of events given by the accused."The prime accused works as a labourer at a glass shop. According to chat records, he and the woman communicated in a friendly manner,"

# UP minister refuses to use vehicle with illegal lights, asks cop to issue challan

Uttar Pradesh's Minister of State for Social Welfare (Independent Charge), Asim Arun, refused to use an official vehicle fitted with unauthorised lights during his visit to Varanasi on Monday

Upon noticing the unauthorised modifications, Minister Arun immediately declined to use the vehicle and wrote a formal letter to the Police Commissioner of Varanasi, recommending a challan (fine) against the vehicle. The vehicle, bearing registration number UP 65 QT 9650, was assigned for his official use. The minister also included photographic evidence showing the illegal lights.

Please be informed that on the occasion of my arrival in Varanasi on June 30, a vehicle was arranged for my use. Since the vehicle was fitted with an unauthorised light, I did not use it," the minister's letter issued to the Varanasi Police Commissioner read. Please ensure that a challan is issued against this vehicle for violating the rules by



using an unauthorised beacon," he added with an attached photo of the vehicle and number.

In his letter, the minister said that it is important to uphold traffic rules, even in cases involving government

Asim Arun was in Varanasi earlier this week to attend the Anusuchit Jaati evam Janjaati Swabhimaan Sammelan

(SC/ST Dignity Conference), organised by the Uttar Pradesh Scheduled Castes and Scheduled Tribes Development Committee at Kabir Inter College Ground, Bhullanpur, on the 94th birth anniversary of social worker Narendra Kumar Shastri.He also attended a meeting at Banaras Hindu University

# What led to Air India crash? Pilots simulate accident, find key flaw, says report

ill-fated Al 171 jet is yet to be ascertained, Air India pilots re-enacted the aircraft's parameters in a flight

simulator and identified technical malfunction as a possible cause, Bloomberg reported, quoting sources.

As part of the simulation, the pilots kept the landing gear deployed and the wing flaps retracted. However, it was found that these configurations alone would not have resulted in a crash.

Air India has declined to comment on the findings.

"These are speculations, and we will not be able to give any comments at this time," an Air India spokesperson

Boeing 787 Dreamliner showed that the flaps were in an extended position, and not retracted, as speculated. The



an aircraft during the take-off and landing phases when its speed is slow. The London-bound aircraft crashed into

Agency New Delhi. WHAT SIMULATION FOUND? a medical college campus within While the reason behind the crash of the Pictures of the wreckage of the doomed seconds of takeoff in Ahmedabad, killing all but one of the 242 passengers and crew on board, and another 34 individuals who were on

> the ground. The results, along with several expert analyses, have reinforced the technical failure angle as one possible cause of the crash.

DUALENGINE FAILURE?

An aviation expert, former US Navy pilot Captain Steve Scheibner, has suggested dual engine failure might be behind one of the worst aviation accidents in India in several decades.

flaps provide the extra lift required by In an interview with India Today, he said the deployment of the ram air turbine (RAT) shortly after takeoff pointed to a dual engine failure.

Agency New Delhi.

A division bench of the Delhi High Court on Tuesday dismissed appeals challenging an injunction order against Indian luggage manufacturer VIP Industries from using the mark 'Carlton'. A division bench of Justices C Hari Shankar and Ajay Digpaul upheld a single judge's order of July 17, 2023, ruling that Carlton Shoes Limited (CSL) had "goodwill of the CARLTON mark, as used by it in India, prior to the commencement of user of the CARLTON mark by VIP in 2006".

A single judge order of July 17, 2023, dealing with cross suits of infringement by Carlton Shoes Ltd (CSL), incorporated in UK in 1992, and VIP Industries had injuncted VIP from using the 'Carlton' mark in respect of goods covered by Class 18 and had rejected VIP's application for a similar injunction against CSL. Class 18 pertains to leather and imitations of leather, and goods made of these materials, and not included in other classes.

In 2019, VIP had issued a legal notice to CSL, objecting to the use of 'Carlton' for bags, which VIP claimed to have been using for its bags and suitcases and other such items since 2006.

VIP had contended that it had been using the 'Carlton' mark for luggage, or travel luggage, and enjoyed the goodwill in the said mark for over 15 years, whereas CSL had never used the 'Carlton' mark for luggage till 2019.

# Delhi gets DGCA nod for first cloud seeding trials to tackle air pollution; 'historic achievement', says Minister Manjinder Sirsa

Cloud seeding trials will be held between August 30 and September 10. Minister Manjinder Sirsa said the effort is part of the larger Environment Action Plan 2025, which aims to prepare Delhi for the winter season when air quality worsens.

Agency New Delhi.

Delhi has become the first state in India to receive final clearance from the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) for conducting cloud seeding trials aimed at reducing pollution, according to officials in the Environment Department.Environment Minister Manjinder Singh Sirsa announced the development on Tuesday, calling it a "historic achievement" and a major step forward in Delhi's fight against air pollution. Cloud seeding has been spoken about for years but never implemented, Sirsa said.

The method involves dispersing hygroscopic particles like sodium chloride below the cloud layer to encourage rainfall and help wash out pollutants from the atmosphere. The trials, originally planned for early July, will now be held between August 30 and September 10, over areas

including Alipur, Bawana, Rohini, Burari, Pavi Sadakpur and the Kundli border.

"For ten years, it remained only on paper. We took it up, secured all approvals including from the DGCA, and now Delhi will finally witness cloud seeding," he said. The aircraft to be used for the

operation is a Cessna 206-H (VT-IIT), operated by the Department of Aerospace Engineering at IIT Kanpur. It is fully fitted with cloud seeding equipment and will be manned by a trained missions. Sirsa added that while the original window approved by the DGCA was July 4 to 11, experts from the India Meteorological Department and the Indian Institute of Tropical Meteorology, Pune, advised postponing the exercise. The experts cited that weather conditions

during that time were not ideal for cloud seeding.

crew with prior experience in similar Based on their recommendation, IIT Kanpur and the Delhi government requested a revised schedule, now approved for the end of August to early September, the minister explained.

> The DGCA's permission comes with strict conditions. The flights must be conducted under Visual Flight Rules (VFR), with full

visibility of terrain at all times. Use o aerial photography or videography is banned during operations, and the aircraft must stay within approved airspace.Operators must also coordinate closely with Air Traffic Control, repor any abnormal incidents, and ensure tha all activities are properly documented.

Sirsa said the effort is part of the larger Environment Action Plan 2025, which aims to prepare Delhi for the winter season when air quality typically worsens. "These trials will give us critica data to fine-tune and scale up cloud seeding efforts later in the year. Our aim is to create a cleaner winter for Delhiites," he said. He also pointed out that Delhi is the only city where both the Supreme Cour and the National Green Tribunal had to intervene due to the poor air quality. "Tha pressure was a result of inaction in the

### An oil-drilling ship capsized in the Gulf of Suez, killing at least 4 crewmen, Egypt says

AIRO. An oil-drilling ship capsized in the Gulf of Suez, killing at least four crewmen and leaving four others missing, authorities said Wednesday.

The drilling ship overturned Tuesday evening off the city of Ras Ghareb, on the African side of the Gulf of Suez, the Red Sea's northwestern arm and a crucial shipping route, the Petroleum Ministry said in a statement. There were 30 workers on board when the drilling ship capsized, said Amr Hanafy, governor of the Red Sea province. Rescue teams recovered four bodies and rescued two 22 others who were taken to hospitals, he said. He said ships from the Egyptian navy joined the search-and-rescue efforts which were still ongoing overnight for four missing crewmen.It wasn't immediately clear what caused the drilling ship to capsize and authorities say investigations were ongoing. Local media reported it was being tugged for excavations in another area when it overturned. The capsizing happened in an area called Gabel el-Zeit, a prominent Egyptian oil production site around 300 kilometers (186 miles) south of the Suez Canal, the ministry said in a statement. The capsizing didn't disrupt vessels transiting through the canal, which links the Gulf of Suez to the Mediterranean Sea, Adm. Ossam Rabei, head of the canal authority, said. Rabei said in a statement that 33 vessels were scheduled to transit Wednesday through the global waterway.

### Trump says Israel has agreed on terms for a 60day ceasefire in Gaza, urges Hamas to accept deal

WASHINGTON. President Donald Trump said Tuesday that Israel has agreed on terms for a 60-day ceasefire in Gaza and warned Hamas to accept the deal before conditions worsen. Trump announced the development as he prepares to host Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu for talks at the White House on Monday. The U.S. leader has been increasing pressure on the Israeli government and Hamas to broker a ceasefire and hostage agreement and bring about an end to the war in Gaza.

My Representatives had a long and productive meeting with the Israelis today on Gaza. Israel has agreed to the necessary conditions to finalize the 60 Day CEASEFIRE, during which time we will work with all parties to end the War," Trump wrote, saying the Qataris and Egyptians would deliver the final proposal." I hope, for the good of the Middle East, that Hamas takes this Deal, because it will not get better — IT WILL ONLY GET WORSE," he said.

Trump's promise that it was his best and final offer may find a skeptical audience with Hamas. Even before the expiration of the war's longest ceasefire in March, Trump has repeatedly issued dramatic ultimatums to pressure Hamas to agree to longer pauses in the fighting that would see the release of more hostages and a return of more aid to Gaza's civilian populace.

Still, Trump views the current moment as a potential turning point in the brutal conflict that has left more than 56,000 dead in the Palestinian territory. The Gaza Health Ministry does not differentiate between civilians and combatants in its death count. Hamas is still capable of landing fatal blows to Israeli forces. But U.S. officials believe that the group's been significantly diminished as its centralized command and control capabilities have deteriorated over the course of the nearly 21-month conflict. Meanwhile, Hamas' chief backer Iran was badly battered last month by 12 days of strikes by Israel and the United States on Tehran's key nuclear facilities..

### US won't send some weapons pledged to Ukraine following a Pentagon review of military aid

WASHINGTON. The U.S. is halting some shipments of weapons to Ukraine amid concerns that its own stockpiles have declined too much, officials said Tuesday, a setback for the country as it tries to fend off escalating attacks from Russia. Certain munitions were previously promised to Ukraine under the Biden administration to aid its defenses during the more than three-year-old war. The pause reflects a new set of priorities under President Donald Trump and came after Defense Department officials scrutinized current U.S. stockpiles and raised concerns."This decision was made to put America's interests first following a review of our nation's military support and assistance to other countries across the globe," White House spokesperson Anna Kelly said in a statement. "The strength of the United States Armed Forces remains unquestioned — just ask Iran."That was a reference to Trump recently ordering U.S. missile strikes against nuclear sites in Iran.Pentagon stocks of some weapons found to be low, official saysThe Pentagon review determined that stocks were too low on some weapons previously pledged, so pending shipments of some items won't be sent, according to a U.S. official who spoke on condition of anonymity to provide information that has not yet been made public. The Defense Department did not provide details on what specific weapons were being held back. So despite the success of HIV drugs and PrEP, precarious health-care systems and high drug costs mean we can't rely on them to bring an end to the ongoing global HIV pandemic. That's why we also still need to look at other options. America's military has never been more ready and more capable," spokesman Sean Parnell said, adding that the major tax cut and spending package moving through Congress "ensures that our weapons and defense systems are modernized to protect against 21st century threats for generations to come.'

# Quad launches major initiative to steady supply of critical minerals

In a joint statement, the Quad foreign ministers expressed 'deep concern' over the 'abrupt constriction and future reliability' of key supply chains, specifically for critical minerals.

WASHINGTON. In a significant move, the Quad grouping has launched an initiative to ensure the availability of critical minerals under a broader goal to strengthen economic security amid concerns over China's coercive tactics, including price manipulation in the sector. The decision on rolling out the "Quad Critical Minerals Initiative" was announced after a meeting of foreign ministers of the member nations of the grouping in the US capital on Tuesday. A readout of the meeting said the

expansion" of the Quad partnership to strengthen economic security and collective resilience by collaborating on securing and diversifying critical mineral supply chains. The meeting was attended by External Affairs Minister S Jaishankar, US Secretary of State Marco Rubio, Australian Foreign Minister Penny Wong and her Japanese counterpart Takeshi Iwaya. This new flagship initiative,

alongside the high-impact programmes and outcomes the Quad is realising, will enable our four countries to bring economic opportunity and prosperity to our people and the region," it said. In a joint statement, the Quad foreign ministers expressed "deep concern" over the "abrupt constriction and future reliability" of key supply chains, specifically for critical minerals."This includes the use of non-market policies and practices for critical minerals, certain derivative products, and mineral



processing technology," they said without directly mentioning China."We underscore the importance of diversified and reliable global supply chains. Reliance on any one country for processing and refining critical minerals and derivative goods production exposes our industries to economic coercion, price manipulation, and supply chain disruptions, which further harm our economic and national security," they said. A fact-sheet unveiled at the end of the meeting said the Quad is expanding maritime law enforcement cooperation

which will support efforts to curtail illicit maritime activity, including piracy, drug trafficking, infringements on border security, and illegal, unreported, and unregulated (fishing.It also noted the launch of the first-ever "Quad-at-Sea Ship Observer Mission" this month. The initiative is aimed at strengthening interoperability and knowledge-sharing to address unlawful maritime activities across the Indo-Pacific.Later this month, the Quad will hold the second maritime legal dialogue to advance efforts to uphold maritime order, the document noted.It aid the "Quad Critical Minerals Initiative" will strengthen cooperation on priorities such as securing and diversifying reliable supply chains, and electronic waste, critical minerals recovery and re-processing."The Initiative will expand the Quad's cooperation on supply chain resilience measures for critical minerals, and we look forward to coordinating with private sector partners to facilitate increased investments," it added.

### Iran president gives final approval for suspension of IAEA cooperation

Pezeshkian has granted a final approval to a law to suspend Since the start of the war with Israel, cooperation with the United Nations nuclear watchdog, state media said Wednesday."Masoud Pezeshkian promulgated the law suspending cooperation with the International Atomic Energy Agency," state TV said, meaning the measure drawn up in the aftermath of the Iran-Israel war last month is now in effect.Last week, Iranian lawmakers voted in favour of a bill to suspend cooperation with the IAEA, citing Israel's June 13 attack on the Islamic republic and later strikes by the United States on nuclear facilities. Earlier on Monday, Pezeshkian told his French counterpart Emmanuel Macron that Tehran halted cooperation with the UN nuclear watchdog due to what he called the agency chief's "destructive" behaviour towards the Islamic republic."The action taken by parliament members... is a natural response to the unjustified, unconstructive, and destructive conduct of the Director General of the International Atomic Energy Agency," Pezeshkian told Macron in a phone call

late Sunday, according to a presidency statement.

Iranian officials have sharply criticised



the agency for failing to condemn the strikes.Iran has also criticised the watchdog for passing a resolution on June 12 accusing it of non-compliance with its nuclear obligations.

On Monday, France, Germany, and Britain condemned what they called "threats" against the IAEA chief Rafael Grossi after Iran rejected its request to visit nuclear facilities bombed during the war. None specified which threats they were referring to, but Iran's ultra-conservative Kayhan newspaper recently claimed

documents showed Grossi was an Israeli spy and should be executed.Iran has said Grossi's request to visit bombed sites signalled "malign intent" but insisted that no threats were posed

against Grossi or the agency's inspectors.On Monday, Iranian foreign ministry spokesman Esmaeil Baqaei said the Iranian parliament's decision to halt cooperation with the IAEA reflected the "concern and anger of the Iranian public opinion."

He further criticised the United States and European powers for maintaining what he described as

"political approach" toward Iran's nuclear programme during his weekly press conference. Baqaei also questioned how the safety of IAEA inspectors could be ensured while the extent of the damage to Iran's nuclear facilities -- targeted by Israel and the United States during the 12-day war -remains unknown."One aspect of this issue is how to ensure the safety and security of the agency's inspectors, in a situation where there is still no accurate assessment of the severity of the damage," he said.

# Mystery surrounds Jeffrey Epstein files after US A-G Bondi claims 'tens of thousands' of videos

WASHINGTON. It was a surprising statement from Attorney General Pam Bondi as the Trump administration promises to release more files from its sex trafficking investigation of Jeffrey Epstein: The FBI, she said, was reviewing "tens of thousands of videos" of the wealthy financier "with children or child porn."The commen, made to reporters at the White House days after a similar remark to a stranger with a hidden camera, raised the stakes for President Donald Trump's administration to prove it has in its possession previously unseen compelling evidence.

That task is all the more pressing after an earlier document dump that Bondi hyped angered elements of Trump's base by failing to deliver new bombshells and as administration officials who had promised to unlock supposed secrets of the so-called government "deep state" struggle to fulfill that pledge. Yet weeks after Bondi's remarks, it remains unclear what she was referring to. The Associated Press spoke with lawyers and law enforcement officials in criminal cases of Epstein and socialite former girlfriend Ghislaine Maxwell who said they hadn't seen and didn't know of a trove of recordings like what Bondi described.

ndictments and detention memos do not reference the existence of videos of Epstein with children, and neither was charged with possession of child sex abuse material even though that offense would have been much easier to prove than the sex trafficking counts they faced. One potential clue may lie in a little-noticed 2023 court filing — among hundreds of documents reviewed by the AP — in which Epstein's estate was revealed to have located an unspecified number of videos and photos that it said might contain child sex abuse material. But even that remains shrouded in secrecy with lawyers involved in that civil case saying a protective order prevents them from discussing it.

The filing suggests a discovery of recordings after the criminal cases had concluded, but if that's what Bondi was referencing, the Justice Department has not said.

The department declined repeated requests from the AP to speak with officials overseeing the Epstein review. Spokespeople did not answer a list of questions about Bondi's comments, including when and where the recordings were procured, what they depict and whether they were newly discovered as authorities dug through their evidence collection or were known for some time to have been in the government's possession. Outside sources who make assertions about materials included in the DOJ's review cannot speak to what materials are included in the DOJ's review," spokesperson Chad Gilmartin said in a statement.

### Daughter of assassinated civil rights leader Medgar Evers sees painful echoes of political violence in America

MISSISSIPPI. More than 60 years after of two Israeli Embassy staffers, and Abrams spoke at the event, rights leader Medgar Evers, his daughter still sees the same strain of political violence at work in American society."It's painful," said Reena Evers-Everette. "It's very painful."

Evers-Everette was eight years old when her father, a field secretary for the NAACP, was shot to death in the driveway of his home in Jackson. Mississippi. A few months after Evers' killing in 1963, President John F. Kennedy was gunned down. The deaths of civil rights leaders Martin Luther King Jr. and Malcolm X, and U.S. Sen. Robert F. Kennedy followed later that decade. Now, experts say the level of political violence in America over the past few years is likely the highest it's been since the 1960s and 1970s. The past year alone has seen the assassination of a Minnesota state lawmaker and her husband, the killing

presidential candidate Donald Trump. At a four-day conference celebrating Evers' life just before what would have been his 100th birthday on July 2, his daughter was joined by the daughters of slain civil rights leaders: Kerry Kennedy, the daughter of Robert F. Kennedy, and Bettie Dahmer, the daughter of civil and voting rights activist Vernon Dahmer.The 2025 Democracy in Action Convening, "Medgar Evers at 100: a Legacy of Justice, a Future of Change," was held in Jackson."I just was feeling so much pain, and I didn't want anyone else to have to go through that," Kennedy said, recalling that after her father died, she prayed for the man who killed him. "I was saying, 'Please don't — please don't kill the guy that killed him." Twotime Georgia gubernatorial candidate and voting rights activist Stacey

administration to strip the names of activists from Navy vessels, including possibly Evers."They want to take his name off a boat because they don't want us to have a reminder of how far he sailed us forward," Abrams told the conference crowd.U.S. Defense Secretary Pete Hegseth has undertaken an effort to change the names of ships and military bases that were given by President Joe Biden's Democratic administration, which often honored service members who were women, people of color, or from the LGBTO+ community. Abrams drew parallels between acts of radical political violence and the Trump administration's use of military resources against protesters in Los Angeles who were demonstrating against immigration enforcement

# US plans to begin breeding billions of flies to fight a pest. Here is how it will work

**TOPEKA.** The US government is preparing cause the population to die out. to breed billions of flies and dump them out It is more effective and environmentally of airplanes over Mexico and southern Texas to fight a flesh-eating maggot.

That sounds like the plot of a horror movie, but it is part of the government's plans for protecting the US from a bug that could devastate its beef industry, decimate wildlife and even kill household pets. This weird science has worked well before.

It's an exceptionally good technology," said Edwin Burgess, an assistant professor at the University of Florida who studies parasites in animals, particularly livestock. "It's an all-time great in terms of translating science to solve some kind of large problem."The targeted pest is the flesheating larva of the New World Screwworm fly. The US Department of Agriculture plans to ramp up the breeding and distribution of adult male flies sterilizing them with radiation before releasing them — so they can mate ineffectively with females and over time

friendly than spraying the pest into oblivion, and it is how the US and other nations north of Panama eradicated the same pest decades ago. Sterile flies from a factory in Panama kept the flies contained there for years, but the pest appeared in southern Mexico late last year.

The USDA expects a new screwworm fly factory to be up and running in southern Mexico by July 2026. It plans to open a fly distribution center in southern Texas by the end of the year so that it can import and distribute flies from Panama if necessary.Fly feeds on live flesh

Most fly larvae feed on dead flesh, making the New World screwworm fly and its Old World counterpart in Asia and Africa outliers — and for the American beef industry, a serious threat. Females lay their eggs in wounds and, sometimes, exposed mucus. "A thousand-pound bovine can be dead from this in two weeks," said Michael



Bailey, president elect of the American Veterinary Medicine Association.

Veterinarians have effective treatments for infested animals, but an infestation can still be unpleasant — and cripple an animal with pain.Don Hineman, a retired western Kansas rancher, recalled infected cattle as a youngster on his family's farm.

"It smelled nasty," he said. "Like rotting meat."How scientists will use fly's biology

against itThe New World screwworm fly is a tropical species, unable to survive Midwestern or Great Plains winters, so it was a seasonal scourge. Still, the US and Mexico bred and released more than 94 billion sterile flies from 1962 through 1975 to eradicate the pest, according to the USDA. The numbers need to be large enough that females in the wild can't help but hook up with sterile males for mating.

One biological trait gives fly fighters a crucial wing up: Females mate only once in

their weekslong adult lives. Why US wants to breed more flies

Alarmed about the fly's migration north, the US temporarily closed its southern border in May to imports of live cattle, horses and bison and it won't be fully open again at least until mid-September.But female flies can lay their eggs in wounds on any warmblooded animal, and that includes humans.Decades ago, the US had fly factories in Florida and Texas, but they closed as the pest was eradicated.

**Indian-origin players abroad may** now represent India under new

**National Sports Policy** Players of Indian origin living abroad will be encouraged to play for the country, according to the newly-unveiled National

Sports Policy, also referred to as the Khelo

Bharat Niti, signalling a departure from the

government's earlier stance that only Indian

passport holders can represent the country.

The ban on Overseas Citizens of India (OCI)

card holders from representing the country

in 2008 has affected India's growth in sports

However, the 20-page Khelo Bharat Niti

document stated that India will seek Peace

and International Cooperation Activities

through Sports so that "Sports can serve as a

powerful tool for international diplomacy

and cooperation.""Wherever feasible,

promising and prominent Indian-origin

athletes living abroad may be encouraged to

come back and play for India at the

international level," it states."Together,

these efforts can transform sport into a

dynamic tool of cultural diplomacy and

nation-building, strengthening the global

Indian identity." Currently, only Indian

passport holders are allowed to compete for

such as football and tennis.

### Thursday, 03 July 2025

# Ishan Kishan's iconic 200: The moment Shikhar Dhawan knew his India career was over

- -Shikhar Dhawan was amongst **India's iconic opening batters**
- → He has a strong record for India in ICC tournaments
- Ishan Kishan's 200 in ODIs helped him realise it was time to step aside

New Delhi. Shikhar Dhawan's international career came to an abrupt end. Once a vital part of India's limited-overs setup, the flamboyant left-hander did not receive the fitting farewell that his contributions arguably deserved.

Dhawan played a significant role in India's white-ball success, most notably during the ICC Champions Trophy in 2013, where he finished as the top run-scorer with 363 runs in five matches at an average of 90.75. He also maintained a strong record in ICC tournaments, averaging 53.70 in ODI World Cups. His consistent performances were



crucial in keeping India amongst the title contenders in global events after their 2011 World Cup triumph, even though they were unable to add another trophy to the cabinet. However, time eventually caught up with him, as it does with all athletes. The Indian team began shifting its focus towards the future, giving opportunities to younger players who had delivered standout performances in the Indian Premier League. The game itself was also evolving, with greater emphasis on power-hitting and clearing the ropes with ease. Dhawan,

known more for his timing and fluency, did not quite fit into the new approach. Instead, Ishan Kishan, a fearless young batter from Jharkhand, entered the frame and made headlines with his record-breaking double century against Bangladesh, becoming the youngest to achieve the feat in ODIs. That record was later surpassed by Shubman Gill, who scored 208 against New Zealand in 2023. At that point, Dhawan realised that his time in the Indian jersey was likely over."I was scoring lots of 50s, I didn't score a 100, but I scored lots of 70s. When Ishan Kishan

scored that 200, my instinct told me, alright boy, this can be the end of your career. An inner voice came to me. And that's what happened. Then I remember my friends came over to, you know, give me that emotional support. They thought that I would be very down. But I was chilling, I was enjoying," Dhawan said in an interview with Hindustan Times. What made the moment even tougher was that, apart from head coach Rahul Dravid, no one from the team reached out to him. Dhawan, however, said he did not take it personally and that such things were normal in professional sport."No, it doesn't happen that way," he said."Maybe I spoke to Rahul (Dravid) Bhai. He messaged me. Everyone has their own journey, and they are doing work or they are on tours, that's something very normal. We are used to it from the age of under 14, this is not the first time I am getting dropped or getting in," he added. Despite the quiet exit, Dhawan continues to be fondly remembered for his iconic performances. His energy, flair and ability to rise to the occasion made him a fan favourite and a key figure in one of the most formidable white-ball batting units India has produced.

the nation. However, the ministry has been mulling revocation of that ban to ensure that "India's sporting ecosystem can be strengthened". According to the new policy, India will promote international sports exchange programmes "to allow knowledge sharing, capacity building and collaborative development efforts". "Sports can serve as a powerful bridge between the Indian diaspora and India, fostering enduring emotional, cultural and social connections. To strengthen this bond, dedicated sporting events and leagues can be organized specifically for and among the Indian diaspora.'

FOOTBALL KEEN ON OCIS

The All India Football Federation (AIFF) has been particularly keen on allowing OCIs, even though there are no major names who can be considered for India even if the ban is revoked.In tennis, Prakash Amritraj — son of the legendary Vijay Amritraj — was one of several prominent US passport holders affected by the ban on OCI card holders.

### No more Mr Nice Guy: Shubman Gill needs to show his ruthless self in Birmingham

New Delhi. We all know what Shubman Gill brings to the table as a batter. But now, as captain, he must shed the 'poster boy' tag and step into the role of a predator — leading the pack as India look to level the series in the second Test at Birmingham. Simply put, India's chances hinge on how well Gill can enforce his vision, showcase his tactical mindset, and offer a glimpse of what's to come in his captaincy tenure. India had their moments in the first Test. They started strongly, posting three centuries in the first innings. Rishabh Pant dazzled in the second innings alongside KL Rahul. But ultimately,



it was the bowling unit that fell short owing to dropped catches, unimaginative plans, and a general lack of execution.

Leeds leadership lessons

India's defeat in the first Test wasn't just about missed chances on the field. It was a case of muddled planning and a lack of tactical clarity. Yes, those dropped catches could have altered the game's course. But with the bowling attack India had, more could — and should - have been done. Take, for example, Prasidh Krishna and Mohammed Siraj persistently using hit-the-deck deliveries on a pitch that offered swing. After repeated failure, it was the captain's responsibility to step in and change the approach. But that didn't happen. Captaincy is not just about handing out instructions it's about being involved. Gill must ensure that the bowlers buy into the collective vision, rather than relying on spurts of individual brilliance. He must quickly learn to walk that fine line.

Controlled aggression, bring out the aura

Gill shouldn't hesitate to crack the whip when needed. It's about making the right calls, and if that means showing aggression, so be it. We've seen flashes of that side of him, notably during the IPL when he reacted with visible frustration after his dismissal against Sunrisers Hyderabad.

# Wimbledon: How Roland Garros success overwhelmed Coco Gauff to Yastremska loss

- Gauff suffered shock first-round exit at Wimbledon 2025
- **∠** Yastremska stunned No.2 seed Gauff in straight sets
- Grass-court transition overwhelmed Coco after French Open win

New Delhi. World No. 2 Coco Gauff made a shock exit from Wimbledon 2025, falling in straight sets to Ukraine's Dayana Yastremska in the first round. The American, fresh off her triumph at Roland Garros, struggled to find her rhythm on grass, losing 7-6 (7-3), 6-1 in just over an hour. It was a disappointing outing for the 20-year-old, who is yet to make it past the fourth round at the All England Club.Just three weeks after lifting her maiden French Open title, Gauff confessed that the whirlwind of winning in Paris, the lack of celebration, and the abrupt transition to grass left her overwhelmed and underprepared. She admitted that the emotional toll and tight turnaround didn't allow her to fully reset or adapt to the challenges of the surface."Mentally, I was a bit overwhelmed with everything that came afterwards,...I didn't feel like I had enough



time to celebrate and also get back into it...It's the first time I've come off a win and had to play at Wimbledon...I definitely learned a lot about what I would and wouldn't do again," Gauff said during the post-match press conference. The American also reflected on her scheduling and questioned whether she should have skipped Berlin — a grass-court warm-up — and spent more time training instead.I only practiced two days. I don't usually like to play the week before, but it's a quick turnaround. Maybe I should've played Bad Homburg or Eastbourne. If that time comes around again, I'll approach it differently," she added.Only a handful of women have managed to win the French Open and Wimbledon in the same season — the last being Serena Williams in 2015.

Gauff's performance on the day reflected just how difficult the transition between clay and grass can be. Her usually reliable serve broke down under pressure, as she fired nine double faults and struggled with consistency throughout. Yastremska, meanwhile, looked sharp and composed, dictating play with her aggressive groundstrokes and never allowing Gauff to settle into a rhythm. The American had her chances in the first set but couldn't convert, and from there, the match quickly slipped out of her hands. With her Roland Garros crown still fresh, many had hoped Gauff could attempt the rare and historic double winning both the French Open and Wimbledon in the same season. But as history shows, it's a feat that has evaded generations of top players. Only six women in the Open Era have ever done it, with Serena Williams being the last in 2015. For Gauff, that dream will have to wait, but her

### Wimbledon Day 3 schedule: Alcaraz, Raducanu in 2nd round, Bopanna begins campaign

London. Defending champion Carlos Alcaraz and World No. 1 Aryna Sabalenka will be in action in the second round of singles at Wimbledon 2025 on Wednesday, 2 July. British No. 1 Emma Raducanu faces a stern test as she plays on Centre Court, following her close friend Alcaraz's match. There is palpable excitement in the early rounds, as Wimbledon 2025 has already proven brutal for seeded players. As many as 13 of the 32 seeded men's singles players bowed out in the opening round. The casualties include World No. 3 Alexander Zverev, former US Open champion Daniil Medvedev, and Lorenzo Musetti in the men's singles, while French Open champion Coco Gauff and third seed Jessica Pegula were shown the door in the women's singles first round. The big names will be eager to sharpen their focus, with tougher challenges looming in the coming days. Alcaraz will not take his second-round opponent, 21-year-old British qualifier Oliver Tarvet, lightly. The Spaniard, who is aiming for a hat-trick of titles at SW19, survived a massive scare in the opening round against veteran Fabio Fognini.

Meanwhile, Sabalenka, who cruised through her first-round match, will take on lower-ranked Marie Bouzkova. She is scheduled to open



# Part Saina, part Sindhu, 16-year-old Tanvi Sharma sets sights on Olympic glory

**New Delhi.** She is made out of the best parts of Saina Nehwal and PV Sindhu," chuckled Tanvi Sharma's coach, Park Tae-Sang, after his disciple's silver-medal finish at the recently concluded US Open 2025. Park, who guided PV Sindhu to bronze at the Tokyo Olympics and gold at the Commonwealth Games, was immensely proud of his young protge's performance in the Super 300 tournament. When praise of that magnitude comes from such a seasoned coach, you sit up and take notice.

"Actually, with Tanvi, I wanted to combine both Indian legends. When she is on court, she is like Saina Nehwal – she is tricky. aggression and is top level globally. So, I wanted Tanvi to learn the good points from both players," Park told IndiaToday.in.The coach's high praise came after the 16-yearold Tanvi Sharma went on a rampage in the



recently concluded tournament. The unseeded Indian shuttler, known mainly for her exploits in junior badminton categories, gunned down several top stars in the senior circuit to reach the final of the tournament.

She's also like PV Sindhu – she plays with An aggressive Tanvi caught her opponents off guard in almost every single match and reached the final of the tournament without losing a single game. Tanvi became one half of India's incredible success story at the US Open where 20-year-old Ayush Shetty

caused major upsets in men's singles, helping India win its maiden badminton competition in 2025. Tanvi's tournament was bittersweet. She herself admitted after the match that nervousness got the better of her in the final of the tournament. Facing World No. 18 Beiwen Zhang, Tanvi lost 11-21, 21-16, 10-21. Hours after her final, when the adrenaline rush had passed, Tanvi reflected on her game and told this masthead that she should have minimised her unforced errors.

"There were a lot of unforced errors, and I need to work on them and also on my endurance," Tanvi said.But the loss in a Super 300 final does not take away from what she had achieved in the last week. Coming from a modest family in Hoshiarpur, Punjab, Tanvi's goal this year was to graduate from junior competitions to playing the final of a major senior

proceedings on Centre Court on Wednesday. The final match on Centre Court will feature

Raducanu against 2023 champion Marketa Vondrousova. Raducanu has shown signs of stronger form in 2025, but she faces a serious challenge against Vondrousova, who recently won the Hylo Open WTA 500 tournament. The Czech star has beaten Raducanu in two of their last three meetings, including a hard-court match earlier this year. Elsewhere, 12th seed Frances Tiafoe will kick off play on Court 1 against local favourite Cameron Norrie, in what promises to be a closely contested battle. Naomi Osaka will also be in action on Court 2. She is set to face World No. 81 Katerina Siniakova, fresh off a stunning upset of 5th seed Qinwen Zheng.

# Sanju Samson to CSK RR might want Jadeja or Ashwin in return, says ex-opener

- As many as six Rajasthan Royals players receieve trade interest
- CSK have reportedly approached Rajasthan for Sanju Samson
- Rajasthan Royals' key player since 2018

New Delhi Former India opener Aakash Chopra has acknowledged media reports suggesting that Sanju Samson has attracted trade interest from multiple Indian Premier League franchises — most notably Chennai Super Kings — ahead of the IPL 2026 season. Chopra, who is now a celebrated cricket pundit, said he would be keen to see how Rajasthan Royals respond to such offers, particularly if discussions with CSK materialise. He noted that Rajasthan may seek a high-profile player like Ravindra Jadeja in exchange. According to PTI, as many as six Rajasthan Royals players have drawn interest from rival franchises during the early stages of the trading window, which opened on 4 June — a day after the 2025 IPL final — and will remain open until a week before the 2026 players' auction. Following the auction, the trading window will reopen and close again exactly one month prior to the start of the new season. Will this trade happen? CSK have expressed interest, but they haven't reached the stage of talks where potential trade



names have been discussed. Rajasthan may want either Ashwin or Jadeja in return. It's well within their rights to ask, if the trade ever progresses that far," Chopra said on his YouTube show.Samson has been the face of the Royals since rejoining the franchise in 2018 after a two-season stint with Delhi Capitals. Rajasthan made him their first-choice retention, paying Rs 18 crore to keep him ahead of the mega auction last year. However, the team now finds itself with a wealth of batting options.

Dhruv Jurel, a reliable wicketkeeper-batter, has impressed at the international level, while 14-year-old sensation Vaibhav Suryavanshi emerged as a breakout performer in IPL 2025. In the latter stages of the season, Vaibhav opened the batting with Yashasvi Jaiswal, with Samson moving to the middle order.With Samson now settling into the opener's role in the Indian national team, a potential move to

### CSK raises intriguing possibilities. SAMSON BEST OPTION FOR CSK?

Amid the speculation, Chopra noted that Samson could be a natural successor to MS Dhoni as a wicketkeeper-batter at Chennai Super Kings a franchise in search of a long-term replacement for their iconic captain.CSK, who finished bottom of the table in IPL 2025, had signed Urvil Patel — an uncapped wicketkeeper-batter from Gujarat — as a replacement player. Though he impressed alongside youngsters Ayush Mhatre and Dewald Brevis in the latter half of the season, questions remain over his readiness to fill Dhoni's shoes.

# Sharma

# **Suffers Serious Nose Injury While Shooting Upcoming Action Thriller**

dah Sharma is known for giving her all to her roles, and her next action film is no different. While preparing for the intense action scenes, the actress ended up hurting herself during a late-night stunt rehearsal. A source revealed that she broke her nose while training with nunchucks for her upcoming thriller.

But Adah, being the trooper she is, didn't let the injury stop her. Speaking about it, she told IANS, "Pain is temporary. Cinema is forever. Now I really look like an action heroine. The night I got hurt I was shooting for a romantic concept music video the next day so between the romance I was sitting with an ice pack for the swelling and we used loads of makeup to cover it."

Though not much has been shared about the film yet, insiders say Adah will be doing some never-seen-before action in it. This film is expected to go beyond what she did in Commando 2 and 3.

Besides the action thriller, Adah is also busy with other projects. She'll be playing a Devi in a trilingual film directed by BM Giriraj and is returning with Reeta Sanyal

Season 2. There's also talk of her signing a big horror film where she will play the lead. Talking about her work, Adah shared, "I am very fortunate to be getting the opportunity to play such amazing roles and work with such talented filmmakers. Stories like 'The Kerala Story' or fictional ones like Reeta Sanyal, I will do my best to make it as realistic as possible. I'm very lucky that

creative filmmakers are offering me such varied roles."

Adah Sharma is an Indian actress known for her work in both Hindi and Telugu films. She began her acting journey after completing school and made a strong debut with the 2008 horror film 1920, where she played the role of a possessed woman. The film was a hit, and her performance earned her a nomination for the Filmfare Award for Best Female Debut.

After gaining attention in Bollywood, especially with the romantic comedy Hasee Toh Phasee in 2014, Adah stepped into South Indian cinema. She played the lead in the Telugu film Heart Attack the same year and continued her success with roles in S/O Satyamurthy (2015) and Kshanam (2016). In 2023, she took on one of her most talked-about roles as the lead in The Kerala Story.



Kareena Kapoor On Saif Ali Khan's Stabbing: 'I Was Anxious For A Few Months'

areena Kapoor Khan faced brutal social media trolling and targeting after an intruder attacked her husband, Saif Ali Khan, at his apartment in January this year. Questions were asked about the actress' whereabouts during the time of the incident, while others raised concerns about the intensity and authenticity of the attack on the actor. Despite all the comments, Bebo decided not to react to them in the public domain. Now, months after Saif returned from the Hospital, Kareena, during an interview, recalled the tragic event and expressed her disappointment with some of the vicious remarks made about her and her family during that difficult time, particularly about where she was after Saif was attacked.

Kareena questioned the media coverage of Saif's attack and expressed concerns about the type of content the audience is ingesting and receiving. Speaking to Barkha Dutt, she said, "It was utter garbage. I don't want to be

angry since it's a negative emotion, but I'm saddened by what humanity has come to. Is this the type of consumption that people actually want? Is this what we are going to give them? Are you going to praise other people's grief?""That is what makes me sad. Is this the digital age we are talking about? Because humanity is so much more than simply consumption," Kareena added.

Furthermore, the Laal Singh Chaddha actress shared that the incident shook her to the core, and she became very anxious.



"I'm still trying to figure out what it feels like to have someone in your child's room. We have still not come to terms 100 per cent. At least I haven't. I was quite anxious for the first few months. It was really tough to sleep and return to the person with that level of normalcy," she said. Saif was attacked by an intruder who attempted to rob the house earlier in January this year. The intruder had gained access to Kareena's youngest son, Jeh Ali Khan's room. Later on, a house staff pressed the alarm after which Saif rushed in and stopped him, but got stabbed in the scuffle. He was later taken to the hospital by autorickshaw along with Taimur and underwent two surgeries. A 2.5-inch knife was recovered from his spine.

Neha Dhupia Has A Cute Nickname For Birthday Girl Rhea Chakraborty



ollywood actresses Neha Dhupia and Rhea Chakraborty share a strong bond. Although both have been recently involved in a series of confrontations, arguments and disagreements on the MTV reality show Roadies Double Cross, their friendship didn't take the back seat amid these tensions. On July 1 as Rhea turned a year older, Neha made a cutesy post to mark her special day, Taking to her Instagram stories, Neha Dhupia shared a photo of Rhea Chakraborty reportedly from the sets of their recent project together. Dressed in a brown-hued co-ord set, the Jalebi actress looked gorgeous. Sharing the photo, the Chup Chup Ke star captioned it as "Happy birthday Dolly @rhea chakraborty ... this is you for me always... love love love."

The 33-year-old was also seen carrying Neha Dhupia and Angad Bedi's son Gurigh in her arms while flashing her brightest smile. The baby boy looked adorable in a red attire teamed with tiny teeny sneakers. Talking about the same, the doting mommy mentioned, "Also baby G is eating extra cake today to celebrate."

arlier, highlighting the bonds she made on the show, Neha dropped a video on Instagram. It featured heartfelt moments of the veteran star posing with others right from the sets of the show. Alongside this, she penned an emotional note that can be read as "Until we meet again...Bye for now. Here's to the best ones @rannvijaysingha @princenarula @elvish\_yadav @rhea\_chakraborty @welcometogauthamcity @mtvroadies."Soon reacting to this, Rhea mentioned, "Will miss this journey," further cementing her love and dedication to her co-workers

In the MTV reality show, Roadies XX, both Neha and Rhea were amongst the gang leaders. They have showcased their strategic gameplay during the intense tasks, amid several instances of fights with words. Throughout the season, their fans were also found divided supporting their respective leadership styles and gameplay.

### Game Changer Producer Opens Up On Ram Charan Starrer's Failure: 'Thought Our Lives Were Over'



Game Changer flopped at the box office, deeply impacting producer Shirish, but he now plans a new film with Ram Charan, aiming to deliver a big hit.

am Charan and Kiara Advani's Game Changer was one of the most anticipated projects, but The film's fate left the entire movie industry in a state of shock. In a recent interaction, the film's producer, Shirish, who is also Dil Raju's brother, opened up about the big-budget movie's box office failure, its aftermath, and the impact it had on them.

In an interview with Great Andhra, Shirish spoke about the uncertainty that people in the showbiz industry live with. While discussing films like Sankranthiki Vasthunam and Game Changer, which were released just days apart, he shared, "Everyone knows how risky the cinema business is. For example, look at Sankranthiki Vasthunam and Game Changer, With Game Changer, we thought our lives were over. We got hope from Sankranthiki Vasthunam. Our lives changed within four days. If we didn't have that, think of our situation now."

le further opened up about how no one reached out to them after the debacle of the high-budget movie. "When Game Changer flopped, did the hero come and help us? Did the director come and help us? No one even asked us how we were doing, even out of courtesy. I am not blaming anyone, because we made the film out of our own wish, and we faced the losses. We have not come down to the stage of asking back remuneration," he said.

While Game Changer met an ill fate and left them with regret over not delivering a blockbuster with Ram Charan, Shirish is now planning a new film with the actor. He stated, "We had a setback this year with Game Changer, and we feel guilty about not making a superhit with Ram Charan. We are trying to make a hit film with him now. I will hopefully announce it.

Game Changer was the biggest box office failure of the year. According to Sacnilk.com, the film grossed Rs 131.1 crore in India and approximately ₹186.2 crore globally.

deanwhile, Ram Charan is set to star in director Buchi Babu Sana's upcoming film, tentatively titled RC16, alongside Janhvi Kapoor. Kiara Advani, on the other hand, will appear in War 2, alongside Hrithik Roshan and Jr NTR.

